हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● सोमवार ● 04.05.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 276 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

कपिल शर्मा के 'कैप्स कैफे' के पास फिर हुई फायरिंग, बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी

नयी दिल्ली : एक बार फिर से कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा वाले रेस्टोरेंट 'कैप्स कैफे' के पास गोलीबारी की गई। यह फायरिंग उनके कैफे के पास स्थित रेस्टोरेंट पर की गई। बिश्नोई गैंग के एक कथित सदस्य ने सोशल मीडिया के जरिए कपिल शर्मा को धमकाया भी है। इस फायरिंग की घटना के बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट सामने आई। जिसे टायसन बिश्नोई जोरा सिद्धू नाम के व्यक्ति ने साझा किया है। यह बिश्नोई गैंग का कथित सदस्य बताया जाता है। इसमें वह लिखता है, चाय सुट्टा बार कैफे पर गोली चली है। यह कैप्स कैफे के पड़ोस में है। हमारा इसको और कपिल शर्मा को मैसेज है कि लाइन पर आ जाओ। आगे पोस्ट में कपिल शर्मा को चेतावनी देते हुए कहा गया, चाय सुट्टा बार की जगह पर तेरा कैप्स कैफे और मुंबई वाला घर होगा। अबकी बार हम किसी की सिफारिश पर नहीं रुकेंगे।

झारखंड में आज और कल बारिश वज्रपात और ओलावृष्टि का अलर्ट

रांची : झारखंड में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग ने 4 और 5 मई को राज्य के कई जिलों में बारिश के साथ वज्रपात (बिजली गिरने) और ओलावृष्टि की संभावना जताई है। इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है। संभावित खराब मौसम को देखते हुए विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, 4 मई को रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, गिरिडीह, धनबाद, जामताड़ा, देवघर, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज जिलों में बारिश के साथ आंधी-तूफान और वज्रपात की संभावना है। वहीं 5 मई को राजधानी रांची समेत खूंटी, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, रामगढ़, हजारीबाग, बोकारो, कोडरमा, सरायकेला-खरसावां, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, साहिबगंज और गोड्डा जिलों में भी मौसम का यही मिजाज बना रह सकता है। रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद बादल छा गए और ठंडी हवाएं चलने लगीं, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है, खासकर खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों से दूर रहने और सुरक्षित जगहों पर शरण लेने को कहा गया है।

मुख्यमंत्री ने जनगणना 2027 को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व राज्यपाल को लिखा पत्र

आदिवासी समाज के सरना धर्म को अलग कोड देने का किया आग्रह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने वर्ष 2027 की जनगणना को लेकर एक महत्वपूर्ण मांग उठाई है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी और झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को पत्र लिखकर आदिवासी समाज के सरना धर्म को अलग धार्मिक कोड देने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा कि झारखंड सरकार जनगणना 2027 अभियान में पूर्ण सहयोग दे रही है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने स्वयं स्व-गणना कर इस प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि किसी भी देश के संतुलित और समावेशी विकास के लिए तथ्य आधारित नीति निर्माण आवश्यक है, और इसके लिए सही आंकड़ों का संग्रह बेहद जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि सरना धर्म को अलग कोड मिलता है, तो

आदिवासी समाज की वास्तविक संख्या और उनकी स्थिति का सही आकलन संभव होगा। इससे सरकार को उनके लिए योजनाएं बनाने और संसाधनों के उचित वितरण में मदद मिलेगी। जनगणना 2027 को लेकर सरना धर्म को अलग पहचान देने की यह मांग झारखंड की राजनीति और आदिवासी समाज के लिए एक अहम मुद्दा बनती जा रही है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि केंद्र सरकार इस मांग पर क्या निर्णय लेती है और क्या आने वाली जनगणना में सरना धर्म को अलग कोड मिल पाता है या नहीं।

संवैधानिक प्रावधानों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने धारा 244, 338ए, 339 और 275 का हवाला दिया। उन्होंने राष्ट्रपति को आदिवासी समाज का अभिभावक बताते हुए इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की। साथ ही उन्होंने अनुरोध किया कि जनगणना के दूसरे चरण के फॉर्म में सरना धर्म के लिए अलग कोड दिया जाए, ताकि आदिवासी समुदाय की धार्मिक पहचान सुरक्षित रह सके। लेकिन अब बूढ़ा पहाड़ की तस्वीर तेजी से बदल रही है। झारखंड सरकार की योजनाओं और प्रशासनिक सक्रियता ने इस इलाके को नई दिशा दी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में लागू किए गए बीपीडीपी प्लान के तहत यहां विकास कार्यों को प्राथमिकता दी गई है।

सरकार ने सबसे पहले बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर जोर दिया। सड़कों का निर्माण हुआ, जिससे दूर-दराज के गांव मुख्यधारा से जुड़े। इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय पहल की गई। जहां कभी स्कूलों का नामोनिशान नहीं था, वहां अब बच्चे नियमित रूप से पढ़ाई कर रहे हैं। ककहरा सीखते बच्चों की आवाज आज इस क्षेत्र में शांति और बदलाव का प्रतीक बन चुकी है।

आदिवासी पहचान का मुद्दा

हेमन्त सोरेन ने पत्र में आदिवासी समाज की विशिष्ट पहचान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय की अपनी अलग सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं हैं, जो उसे अन्य धर्मों से अलग बनाती हैं। उन्होंने विशेष रूप से प्रकृति पूजा, सरना स्थल, कुल देवता और ग्राम देवता की परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यह एक अलग धार्मिक पहचान का स्पष्ट आधार है।

2011 जनगणना का हवाला

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में वर्ष 2011 की जनगणना का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस समय सरना धर्म के लिए अलग कोड की मांग उठी थी, लेकिन इसे लागू नहीं किया जा सका। इस वजह से बड़ी संख्या में आदिवासी लोगों को अन्य धर्मों के तहत दर्ज किया गया, जिससे उनकी वास्तविक पहचान और आंकड़े स्पष्ट रूप से सामने नहीं आ सके।

निर्वाचन आयोग की तैयारी पूरी पांच राज्यों में मतगणना आज

एजेंसी

नयी दिल्ली : देश के पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव संपन्न हो चुका है। असम विधानसभा की कुल 126 सीटें, केरल विधानसभा की कुल 140 सीटें और पुडुचेरी विधानसभा की कुल 30 सीटों पर 9 अप्रैल को मतदान हुआ था। तमिलनाडु की कुल 234 सीटों पर 23 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। पश्चिम बंगाल की कुल 294 विधानसभा सीटों पर चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल 2026 को संपन्न हुआ था। 4 मई 2026 को वोटों की गिनती होनी है। सभी की नजरें मतगणना और चुनाव के नतीजों पर लगी हुई हैं। क्या आप जानते हैं आखिर चुनाव के बाद वोटों की गिनती कैसे होती है और कितने राउंड होते हैं? यदि नहीं तो हम आपको बता रहे हैं।

आपको मालूम हो कि विधानसभा चुनाव होने के बाद ईवीएम मशीनऔर पोस्टल बैलेट को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में स्ट्रॉन्ग रूम में लाकर रखा जाता है। इसके बाद स्ट्रॉन्ग रूम में डबल लॉक लगा दिया जाता है। जिस दिन मतगणना होनी होती है, उस दिन सुबह चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों या उनके प्रतिनिधियों की मौजूदगी में स्ट्रॉन्ग रूम का ताला खोला जाता है। रिटर्निंग ऑफिसर और चुनाव आयोग के स्पेशल ऑब्जर्वर ताला खोलते हैं।

इस दौरान पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाती है। इसके बाद ईवीएम मशीनों और पोस्टल बैलेट को कड़ी सुरक्षा में काउंटिंग हॉल तक लाया जाता है।

इस दौरान पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पूरी प्रक्रिया की निगरानी चुनाव आयोग और जिला प्रशासन के अधिकारी करते हैं। मतगणना सुबह 8:00 बजे से शुरू होती है। हर राजनीतिक पार्टी के मतगणना एजेंट काउंटिंग हॉल में मौजूद रहते हैं। वे मतों की गिनती की पूरी प्रक्रिया को देखते हैं और हर राउंड के आंकड़ों को नोट करते हैं। इससे किसी भी गड़बड़ी की संभावना कम हो जाती है और रिजल्ट सटीक आता है। मतों की गिनती जब तक पूरी नहीं हो जाती, तब तक किसी भी एजेंट को बाहर जाने की इजाजत नहीं होती है।

दिल्ली में चारमंजिला इमारत बनी लाक्षागृह एक ही परिवार के पांच सदस्यों सहित नौ की मौत

एजेंसी

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विवेक विहार फेज-1 स्थित एक रिहायशी चारमंजिला इमारत में रविवार तड़के लगी आग में जान गंवाने वाले नौ लोगों की पहचान कर ली गई है। इस लाक्षागृह में एक ही परिवार के पांच सदस्य जिंदा जले हैं।

पुलिस के अनुसार, दूसरी मंजिल पर पीछे वाले फ्लैट से एक परिवार के पांच लोगों के शव मिले। मृतकों की पहचान अरविंद जैन, उनकी पत्नी अनीता जैन, बेटे निशांत जैन, बहू आंचल जैन और डेढ़ वर्षीय पोता मास्टर आकाश जैन के रूप

में हुई है। पहली मंजिल से शिखा जैन का शव बरामद किया गया। तीसरी मंजिल से एक अन्य परिवार के तीन सदस्यों के शव मिले, जिनकी पहचान नितिन जैन, उनकी पत्नी शैली जैन और बेटे सम्यक जैन के रूप में हुई है। हादसे में झुलसे नवीन जैन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत के बारे में फिलहाल विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। पुलिस के अनुसार, तड़के करीब 3:48 बजे विवेक विहार थाना को एक पीसीआर कॉल के माध्यम से आग लगने की सूचना मिली। पुलिस और दमकल विभाग के अलावा अन्य टीमें तत्काल घटनास्थल (विवेक विहार फेज-1 स्थित मकान नंबर बी-13) पर पहुंचे। दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर ऊंची लपटें उठ रही थीं। दमकलकर्मियों और पुलिस ने संयुक्त राहत एवं बचाव अभियान चलाते हुए आग में फंसे करीब 10-15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

झारखंड कांग्रेस की 36 सदस्यीय राजनीतिक समिति गठित

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने प्रेस वार्ता कर पार्टी के नए सांगठनिक ढांचे की घोषणा की। उन्होंने बताया कि मल्लिकार्जुन खरगे ने इस नई कमेटी को मंजूरी दी है। नई कमेटी में राजनीतिक मामलों की समिति, समन्वय समिति, अभियान समिति, परिसीमन समिति, चुनाव प्रबंधन समिति और एसआईआर समिति का गठन किया गया है। कार्य समिति में एक कोषाध्यक्ष के साथ 16 उपाध्यक्ष, 43 महासचिव, 44 पीसीसी समन्वयक, 81 सचिव और 44 संयुक्त सचिव शामिल किए गए हैं। प्रदेशाध्यक्ष ने बताया कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए जिम्मेदारियों का स्पष्ट बंटवारा किया गया है। 14 उपाध्यक्षों को लोकसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी जाएगा। जबकि दो उपाध्यक्षों को विभिन्न विभागों के समन्वय का काम सौंपा गया है। महासचिवों को जिलों और नगर निगम क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है। सचिवों को विधानसभा क्षेत्रों में काम करना होगा और संयुक्त सचिव उनका सहयोग करेंगे। सभी पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों की अधिसूचना जल्द जारी की जाएगी। केशव महतो कमलेश ने कहा कि कमेटी का कार्यकाल 5 वर्ष का होगा, लेकिन हर साल जून में प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाएगा। बेहतर काम करने वालों को पद पर बनाए रखा जाएगा या आगे बढ़ाया जाएगा। जिन लोगों को अभी जगह नहीं मिली है, उन्हें भविष्य में विभिन्न समितियों और प्रकोष्ठों में मौका दिया जाएगा।

ईरान का अमेरिका को सख्त संदेश : शांति चाहते हो या युद्ध, फैसला तुमको करना है

एजेंसी

नयी दिल्ली : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के नए शांति प्रस्ताव को अस्वीकार करने के संकेत देने के बाद ईरान ने कहा है कि अब अगला कदम पूरी तरह अमेरिका पर निर्भर करता है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने तेहरान में विदेशी राजनयिकों से बातचीत में कहा कि कूटनीति का रास्ता अपनाना है या टकरावपूर्ण रुख जारी रखना है, यह फैसला अब अमेरिका को करना है। ईरान दोनों विकल्पों के लिए पूरी तरह तैयार है। दरअसल, ट्रंप ने एयर फोर्स वन में सवार होने से पहले पत्रकारों से कहा कि वह तेहरान के प्रस्ताव की समीक्षा करेंगे, लेकिन इसके सफल होने की संभावना पर उन्होंने संदेह जताया। ट्रंप ने कहा कि ईरान ने अभी तक पर्याप्त कीमत नहीं चुकाई है। उन्होंने आगे कहा कि मैं आपको इसके बारे में बाद में बताऊंगा।

प्रस्ताव की मुख्य मांगें क्या?

- ईरान के आसपास के क्षेत्रों से अमेरिकी सैनिकों की वापसी
- होर्मुज स्ट्रेट पर अमेरिकी नाकाबंदी हटाना
- ईरान की जब्त संपत्तियों की रिहाई और मुआवजा
- सभी प्रतिबंधों को हटाना
- लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध का अंत
- होर्मुज के लिए नया नियंत्रण तंत्र स्थापित करना

एक नजर

मलकोको में डॉ. बी.आर. आंबेडकर की प्रतिमा का हुआ अनावरण

बरही : प्रखंड क्षेत्र के ग्राम मलकोको में संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया गया। इस अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव ने फीता काटकर किया। अपने संबोधन में उन्होंने बाबा साहेब के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने उपस्थित लोगों से संविधान के आदर्शों पर चलने और समाज में एकता बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम में मुखिया संघ अध्यक्ष विजय यादव, वार्ड सदस्य नागेश्वर दास, समाजसेवी लाली प्रसाद, मुकेश कुमार, मो. तस्लीम, बिरजू दास, सूरज दास, गुलाब दास, दिनेश दास, शंकर दास समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रतिमा अनावरण के बाद आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम ने माहौल को उत्सवमय बना दिया।

कपड़ा चोरी करने के आरोप में नाबालिक गिरफ्तार

बड़कागांव : डेली मार्केट स्थित रिमझिम वस्त्रालय में कपड़ा चोरी करने के आरोप में बड़कागांव भुइयां टोली के एक नाबालिक चोर को बड़कागांव पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर बाल सुधार गृह हजारीबाग जेल भेजा गया। इस संबंध में वस्त्रालय दुकान के मालिक रौशन कुमार द्वारा दिए गए आवेदन पर बड़कागांव थाना कांड संख्या 69/ 26 के तहत मामला दर्ज करते हुए बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने जांच पड़ताल शुरू की। जांच पड़ताल में सीसी कैमरा के माध्यम से उक्त युवक की पहचान की गई तत्पश्चात छापामारी करते हुए उसे गिरफ्तार किया गया। साथ ही गिरफ्तार बालक के निशान देही पर बेचे गए पांच साड़ी भी थाना प्रभारी ने बरामद किया। आवेदन में 11 बॉक्स साड़ी चोरी होने का आरोप लगाया गया है। बताया जाता है कि उक्त बालक पूर्व में भी मोबाइल चोरी मामले में बाल सुधार गृह हजारीबाग भेजा गया था।बाल सुधार गृह से ही पढ़ाई के लिए उसका नामांकन हजारीबाग नेताजी विद्यालय में कराया गया था।

अवैध अफीम के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

खूंटी : जिले में अवैध नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को सफलता हाथ लगी है। एनडीपीएस थाना, खूंटी की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को करीब एक किलो अवैध अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने रविवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। एसपी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि सदर अस्पताल से ईट्ठे की ओर जाने वाली मुख्य मार्ग पर एक व्यक्ति पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार होकर अवैध अफीम की बिक्री के उद्देश्य से खड़ा है। सूचना के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एनडीपीएस थाना की टीम गठित कर तत्काल छापेमारी की गई। पुलिस टीम जैसे ही मौके पर पहुंची, संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। हालांकि मोटरसाइकिल स्टार्ट नहीं हो सकी, जिसके बाद वह वाहन छोड़कर भागने लगा। पुलिस बल ने तत्परता दिखाते हुए उसे खदेड़ कर पकड़ लिया।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र बरही लूटकांड का खुलासा, 3 अपराधी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग जिले के बरही थाना क्षेत्र में 24 अप्रैल 2026 को बैंक ऑफ महाराष्ट्र की बरही शाखा में हुई सनसनीखेज लूट की घटना का हजारीबाग पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से लूटे गए नकदी, आभूषण और घटना में प्रयुक्त वाहन भी बरामद किए हैं।

कैसे दी गई घटना को अंजाम

प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी अमन कुमार ने बताया कि 24 अप्रैल 2026 को तड़के करीब 03:15 बजे, चार अज्ञात अपराधियों ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र की बरही शाखा में धावा बोल दिया। अपराधियों ने हथियार के बल पर बैंक कर्मियों को डराया-धमकाया और उन्हें बंधक बना लिया। इसके बाद, उन्होंने बैंक से 4,22,492/- रुपये नकद और गोल्ड सेफ में रखे 78 पैकेट सोने, जिसका अनुमानित वजन 3.987 किलोग्राम है, लूट लिए। लूट को अंजाम देने के बाद, अपराधी सभी बैंक कर्मियों को स्ट्रॉन्ग रूम में बंद कर बैंक के बाहर ताला लगाकर दो मोटरसाइकिलों से फरार हो गए।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई और जांच

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। घटना स्थल का जायजा लिया गया और अपराधियों के आने-जाने के सभी संभावित मार्गों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। घटना स्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज की गहनता से जांच की गई। फुटेज के आधार पर, पुलिस ने सीमावर्ती जिलों और राज्यों के पुलिस पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर जांच का दायरा बढ़ाया।

बरही थाना में शाखा प्रबंधक अजय राम के फर्दबयान के आधार पर कांड संख्या 140/26, दिनांक 24.04.2026, धारा 309(6) भा०न्या०सं० एवं 25 (1-बी०) ए०/26/35 आर्म्स एक्ट के तहत अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई। घटनास्थल पर FSL (फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) टीम को बुलाकर विभिन्न पहलुओं पर गहन जांच कराई गई और साक्ष्य संकलन किया गया।

विशेष जांच दल का गठन

कांड की गंभीरता को देखते हुए, घटना के शीघ्र उद्भेदन के लिए एसपी ने अमित आनंद (भा०पु०से०), अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर, और अजीत कुमार विमल, वरीय अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बरही के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल का गठन किया गया। इसमें बरही थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर बरही चंद्रशेखर कर सहित कई थाना के थाना प्रभारी एवं सब इंस्पेक्टर को शामिल किया गया था। इस टीम ने अपराधियों के आने-जाने वाले मार्गों की गहन जांच की और सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया। अपराधियों की हर गतिविधि का आकलन करने के लिए दो अलग-अलग टीमें लगाई गईं। महत्वपूर्ण आसूचना संकलन के आधार पर, पुलिस ने घटना के दिन और उससे पहले घटनास्थल के आसपास एक काले रंग की संदिग्ध स्कॉर्पियो (नंबर BR-01 HN-2024) की पहचान की, जिसका उपयोग रेकी के लिए किया गया था। सीसीटीवी फुटेज और अपराधियों की कार्यशैली के गहन अध्ययन से पुलिस को अपराधियों की पहचान करने में सफलता मिली।

अपराधियों की गिरफ्तारी और बरामदगी

एसडीपीओ अजीत कुमार विमल के नेतृत्व में छापामारी टीम ने विभिन्न संभावित जगहों पर छापेमारी की। पहचान स्थापित अपराधियों का भेष बदलकर निरंतर पीछा करते हुए टीम उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में पहुंची। उत्तर प्रदेश एसटीएफ के सहयोग से राजभर बस्ती, सिंहपुर स्थित हरुआ रीग रोड, थाना सारनाथ में एक वाहन को चारों ओर से घेर लिया गया।

संक्षिप्त खबरें

चौपारण को मिलेगी आधुनिक आतिथ्य सेवा की नई पहचान, आज खुलेगा एके इंटरनेशनल

चौपारण : क्षेत्र में आधुनिक आतिथ्य सेवा को नई पहचान देने की दिशा में जीटी रोड स्थित सरदारपुर के समीप निर्मित होटल एंड रिसोर्ट एके इंटरनेशनल का भव्य उद्घाटन चार मई को आयोजित किया जाएगा। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी होंगे, जो अपने करकमलों से होटल का शुभारंभ करेंगे। होटल के संचालक अभय कुमार सिंह ने बताया कि उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, चतरा सांसद कालीचरण सिंह, बरही विधायक मनोज यादव, हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव, चतरा विधायक जनार्दन पासवान, सिमरिया विधायक उज्ज्वल कुमार दास तथा बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला समेत कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि होटल एंड रिसोर्ट एके इंटरनेशनल में ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अत्याधुनिक व्यवस्थाएं की गई हैं। होटल में आरामदायक कमरे, आधुनिक रेस्टोरेंट, विशाल वाहन पार्किंग, 24 घंटे बिजली-पानी की सुविधा तथा सुरक्षा के बेहतर इंतजाम उपलब्ध हैं। इसके अलावा शादी-विवाह, पारिवारिक समारोह एवं व्यवसायिक बैठकों के आयोजन के लिए विशेष हॉल की भी व्यवस्था की गई है। होटल प्रबंधन के अनुसार, इस नई पहल से चौपारण एवं आसपास के लोगों को बड़े शहरों जैसी सुविधाएं स्थानीय स्तर पर मिल सकेंगी। साथ ही होटल के संचालन से क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उद्घाटन समारोह को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। होटल प्रबंधन ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में मैट्रिक बधाई, करियर काउंसलिंग एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

बड़कागांव : बड़कागांव थाना स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल में प्राचार्य मोहम्मद इब्राहिम की अध्यक्षता में बधाई,करियर काउंसलिंग एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का संचालक कुलदीप कुमार ने किया। जिसमें जैक बोर्ड मैट्रिक पास 2026 में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग के साथ बधाई देते हुए 80% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 22 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से प्रथम टॉपर खुशी रानी को 3000 , द्वितीय टॉपर सपना कुमारी को 2000, तृतीय टॉपर संदीप कुमार एवं नेहा कुमारी को 1000 के अलावे 18 विद्यार्थियों को 500 चेक देकर प्रति विद्यार्थी को सम्मानित किया गया।साथी ही साथ इन सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। बच्चे पुरस्कार पाकर काफी खुश हुए।इस मौके पर मुख्य रूप से स्कूल के शिक्षक रंजीत कुमार, महबूब आलम, मोहम्मद अजमतउल्लाह,मंजू कुमारी, संतोष महतो, विकास कुमार,सेवंती कुमारी, शांति कुमारी, मनोज कुमार,अनुज कुमार राणा,शिल्पी कुमारी, फातिमा फिरदौस, मनीषा कुमारी, खिरोधर कुमार, सुनील कुमार सहित स्कूल के दर्जनों विद्यार्थी उपस्थित थे।

शिवाडीह-सोनपुरा पुल की स्थिति जर्जर इंजीनियर ने किया स्थल निरीक्षण

बड़कागांव : शिवाडीह एवं सोनपुरा के बीच हहारो नदी पर बना पुल का स्थिति काफी जर्जर हो गई है। पुल की जर्जर स्थिति को लेकर ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल के द्वारा परामर्श के साथ विभाग के इंजीनियर के द्वारा शिवाडीह पुल का स्थल निरीक्षण किया गया। और पाया कि बरसात में नदी के पानी की तेज धारा से बालू के कटाव के कारण पुल की स्थिति काफी जर्जर हो गई है। पुल का निर्माण 2014 में हुवा था। विशेष कर पुल के पाया की स्थिति काफी जर्जर है। विभाग के इंजीनियर ने स्थल निरीक्षण के दरमियान बताया कि पुल की वजन सहन करने की शक्ति कम हो गया है। इसलिए भारी वाहन का परिचालन स्थगित रखा जाए। ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल के द्वारा शिवाडीह पुल के रिपेयरिंग की प्रक्रिया करने की तैयारी जल्द ही शुरू कर दी जाएगी। सेंशन होने के पश्चात रिपेयरिंग का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। यह पुल जहां एक ओर दर्जनों गांवों को सीधे प्रखंड मुख्यालय से जोड़ता है। अगर यह पुल भारी वाहनों के दबाव में टूट जाता है तो शिवाडीह, सोनपुरा, महुदी, कनोदा, सतबहिया, पलांडू ,कुंदरू, चेलंदाग, झिकझोर, फटेरिया पानी, पचंडा सहित दर्जनों गांव प्रभावित होंगे।स्थल निरीक्षण में मुख्य रूप से रांची से आए, विभाग के वरीय अधिकारी, एसडीओ भुवन दास, कनीय अभियंता धनंजय कुमार ,कांडतरी पंचायत के पूर्व मुखिया पारसनाथ प्रसाद , मनोज प्रसाद दांगी, सूरज प्रसाद, वास्तव प्रसाद,अजीत प्रसाद ,विक्की प्रसाद , बासुदेव प्रसाद , मुकुल प्रसाद, सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

पुलिस ने अवैध कोयला लदा ट्रैक्टर किया जब्त

बड़कागांव : बड़कागांव पुलिस के द्वारा अहले सुबह मूड़कट्टी चौक से अवैध कोयला लदा एक ट्रैक्टर को जप्त किया गया।मामले को लेकर बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि इस संबंध में बड़कागांव थाना कांड संख्या 70/ 26 के तहत ट्रैक्टर मालिक सोहन महतो एवं अज्ञात चालक पर मामला दर्ज की गई।थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने आगे बताया कि रविवार सुबह-सुबह गुप्त सूचना मिली कि गोंदलपुरा बादम की ओर से कोयला लदा एक ट्रैक्टर निकाला है।सूचना मिलते ही जब बादम की ओर जा रहे थे तो मूड़कट्टी चौक पर ट्रैक्टर पहुंचते ही पुलिस की गाड़ी को देखकर चालक फरार हो गया।अपने पुलिस के जवानों की मदद से अवैध कोयला लदा ट्रैक्टर को बड़कागांव थाना लाया गया।तत्पश्चात विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज की गई।उन्होंने आगे कहा कि बड़कागांव थाना क्षेत्र में इस तरह की अवैध धंधा की सूचना मिलते ही कार्रवाई जारी रहेगी।

रंजीत कुमार एवं तकरीमुलाह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया औपचारिक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : मुखिया संघ अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार एवं मध्य पंचायत मुखिया तकरीमुल्लाह खान ने शनिवार रात्रि 9:00 बजे बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अविनाश कुमार का डिप्टी था मुखिया रंजीत कुमार एवं तकरीमुलाह खान डॉ अविनाश कुमार के बीच कई घंटा बातचीत हुआ जिसमें दोनों मुखिया ने कहा यदि किसी भी प्रकार का जरूर का सामग्री आपके पास उपलब्ध नहीं है तो हम लोगों को बताएं हम लोग व्यवस्था करवाने का कोशिश करेंगे। वहीं पर डॉक्टर अविनाश ने कहा की अभी तक कोई दिक्कत नहीं है यदि ऐसा होता है तो हम आप लोगों से जरूर सहयोग लेंगे।

सीसीटीवी कैमरा एवं वाईफाई से लैस हुआ बरही का स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : प्रखंड परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय अब नए कलेवर में आम विद्यार्थियों के लिए खुल रहा है। स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय ट्रस्ट के द्वारा गठित स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय संचालन समिति के माध्यम से पुस्तकालय का संचालन किया जा रहा है। ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो हीरामन साव एवं सचिव कृष्णा प्रजापति ने बताया कि स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय का बेहतर कलर में रंग रोगन किया गया है। पुस्तकालय में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था किया गया है। पूरा पुस्तकालय परिसर को सीसीटीवी

कैमरा एवं वाईफाई से लैस किया गया है। पुस्तकालय संचालन को लेकर संचालन समिति के अध्यक्ष डॉ सुनील कुमार दत्त, सचिव संजय कुमार दुबे एवं एडमिशन प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि अब से पुस्तकालय का संचालन विधिवत किया जाएगा। पुस्तकालय में प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन की सुविधा बनाई गई। पुस्तकालय में इंटरनेट की पूरी व्यवस्था है। आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए कंप्यूटर शिक्षा की व्यवस्था की जा रही है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले बच्चे इस पुस्तकालय में आकर बेहतर शैक्षणिक वातावरण में अध्ययन कर सकते हैं। पुस्तकालय का उपयोग निःशुल्क है। एक बार वार्षिक रजिस्ट्रेशन शुल्क 200 रुपए भुगतान करना होगा।

सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान के तहत सिकरी से 59 वां जत्था रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत दुर्गा मंडप सिकरी से तीर्थ दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का 59वां जत्था रवाना हुआ। मौके पर स्वयं हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए,उन्होंने भारतीय संस्कृति की महान परंपरा का निर्वहन करते हुए बुजुर्ग के पाँव पखारे और उनसे आशीर्वाद लेकर उन्हें मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएँ दीं। लोकसभा सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, अजय साहू, बड़कागांव विधानसभा सांसद प्रतिनिधि पूनम साव, सह सांसद प्रतिनिधि कृष्णा राम, खोखा सिंह, सांसद तीर्थदर्शन प्रभारी जुगनू सिंह, बड़कागांव मंडल अध्यक्ष शिव शंकर कुमार उर्फ. शिबू मेहता, सांसद प्रतिनिधि सह मुखिया संघ

अध्यक्ष रंजीत कुमार मेहता, उप मुखिया पूनम देवी केरेडारी मंडल अध्यक्ष सुनील राज उर्फ शेर सिंह, मंडल उपाध्यक्ष राजू सोनी, सरोज सोनी, मेवालाल नाग, उदय मेहता, सत्यजीत विद्या अलंकार, सत्यदेव कुमार, सुजीत कुमार, दीपक कुमार, सरस्वती देवी वार्ड सदस्य पृथ्वीराज गुप्ता,अर्जुन महतो अजय कुमार पासवान गौतम पासवान विशाल कुमार सिंह, कृष्ण कुमार महतो, कृष्णा सिंह, स्वरूप नारायण सिंह, सतेंद्र पासवान, विशाल कुमार के अलावा अन्य उपस्थित थे।

सात माह पहले गुम हुआ शैक्षणिक प्रमाण पत्र छात्र को मिला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरकट्ठा थाना क्षेत्र के कल्हाबाद निवासी रामदेव पांडेय का सात माह पहले खोया हुआ शैक्षणिक प्रमाण पत्र आखिरकार उन्हें मिल गया। प्रमाण पत्र मिलने से छात्र और उसके परिजनों में खुशी की लहर है। रामदेव ने सुहाग जनरल स्टोर के संचालक रामदेव साव और राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति का आभार जताया।

कॉलेज में नामांकन के दौरान गुम हुआ था प्रमाण पत्र

रामदेव पांडेय ने बताया कि सात माह पूर्व बरही रामनारायण यादव मेमोरियल कॉलेज में नामांकन लेने के दौरान एक कैफे से उनके सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की फाइल गुम हो गई थी। काफी खोजबीन के बाद भी पता नहीं चला तो बरही थाना में गुमशुदगी की सनहा दर्ज कराई गई थी। लेकिन प्रमाण पत्र नहीं मिल पाया था।

सुहाग जनरल स्टोर पर मिला प्रमाण पत्र

एक माह पूर्व बरही थाना के सामने स्थित सुहाग जनरल स्टोर के काउंटर पर किसी ने प्रमाण पत्रों की प्लास्टिक फाइल रख दी। दुकान संचालक रामदेव साव की नजर जब फाइल पर पड़ी तो उन्होंने नाम-पते के आधार पर कई लोगों से संपर्क किया, लेकिन स्पष्ट जानकारी नहीं मिली।

सोशल मीडिया बना मददगार

अंत में संचालक रामदेव साव ने राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति को पूरी बात बताई। कृष्णा प्रजापति ने शैक्षणिक प्रमाण पत्र की जानकारी सोशल मीडिया पर प्रसारित की।

विधायक रोशन लाल चौधरी ने केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : "यूनियन लॉ ऑफीसर झारखंड" के द्वारा आयोजित रांची हाई कोर्ट कॉन्फ्रेंस के अंतर्गत 12 इयर्स ऑफ लेजिस्लेटिव रिफॉर्म्स और हैंड होल्डिंग ऑफ जस्टिस सिस्टम के विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन बरियातू स्थित रमदा बाय विंडम होटल में किया गया।

इस गरिमामयी अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, झारखंड उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति जस्टिस दीपक रोशन, प्रशांत पल्लव सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति थे।

कार्यक्रम में बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी भी शामिल हुए और अपने विचार साझा किए।

अपने संबोधन में वक्ताओं ने न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में अधिवक्ताओं की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। साथ ही, विगत वर्षों में हुए विधायी सुधारों, न्याय प्रणाली के सशक्तिकरण तथा जनसेवा के दायित्वों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान यह भी उल्लेख किया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संसदीय दल की बैठकों में दिए गए मार्गदर्शन का प्रभाव न्यायिक एवं विधायी कार्यों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा है।

इसके अतिरिक्त, वक्ताओं ने भजन, ध्यान एवं मेडिटेशन जैसे आध्यात्मिक माध्यमों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक संतुलन और कार्यक्षमता बनाए रखने में सहायक हैं।

यह सम्मेलन न्याय व्यवस्था, विधायी सुधारों और सामाजिक दायित्वों के समन्वय का एक सार्थक मंच साबित हुआ। इसके अलावा बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने केंद्रीय कानून के मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से मुलाकात कर झारखंड के वर्तमान में गिरते कानून व्यवस्था पर विशेष चर्चा करते हुए मंत्री को अवगत कराया और कहा कि झारखंड की स्थिति बहुत खराब है। यहां की कानून व्यवस्था पूरी चरमरा गई है। इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो बहुत बुरा परिणाम होगा।

एक नजर

नवगठित प्रदेश कमेटी में महासचिव नियुक्त किया गए शशि भूषण राय

रांची : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आदेश पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी का गठन हुआ, इस कमेटी में वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि भूषण राय जी को पुनः प्रदेश महासचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस जिम्मेदारी पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री राय ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता आदरणीय राहुल गांधी, प्रदेश प्रभारी के. राजू, सह प्रभारी भूपेन मरावी व बेला प्रसाद, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, मंत्रीगण, सांसद सुखदेव भगत, कालीचरण मुंडा सहित सभी सम्मानित नेताओं, पदाधिकारियों एवं समर्पित कार्यकर्ताओं के प्रति आभार प्रकट किया तथा कहा की जो विश्वास पार्टी ने जताया है, उस पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करेंगे और पूरे समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने एवं कांग्रेस नेतृत्व को सशक्त बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे।

हमर मंच ने हत्या मामले को लेकर मानवाधिकार आयोग को सौंपा ज्ञापन

रांची : हमर अधिकार मंच ने धुर्वा स्थित जगन्नाथपुर मंदिर में बीते दिनों कार्यरत सुरक्षा गार्ड बिरसा मुंडा की हत्या मामले को लेकर मानवाधिकार आयोग के समक्ष पहुंचकर एक ज्ञापन दिया है। यह जानकारी मंच के अध्यक्ष दीपेश निराला ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी है। उन्होंने जारी ज्ञापन में कहा है कि मंदिर परिसर में तैनात गार्ड को कई महीनों से वेतन भुगतान नहीं होने तथा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी से कम वेतन दिए जाने के मामले को केंद्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली के समक्ष उठाया गया है। मंच के सचिव चंद्रदेव कुमार वर्णवाल ने आयोग में शिकायत दर्ज कर मृतक के परिजनों को तत्काल मुआवजा, लंबित वेतन भुगतान तथा परिवार के एक सदस्य को अनुकंपा के आधार पर नौकरी देने की मांग की है। साथ ही दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग भी की गई है। मंच के अध्यक्ष दीपेश निराला ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को उसके मानवाधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता। उन्होंने आयोग से मामले की जांच कर पीड़ित परिवार को न्याय और त्वरित राहत देने की मांग की है।

पानी की गंभीर समस्या पर ग्रामीणों में आक्रोश

रांची : नामकुम प्रखंड अंतर्गत हरदाग पंचायत के दजीतीरार गांव में पेयजल संकट को लेकर रविवार को आम सभा आयोजित की गई। ग्राम प्रधान बिरसा मुंडा एवं आदिवासी छात्र संघ (एसीएस) प्रखंड अध्यक्ष निशिकांत तिर्की की संयुक्त अगुवाई में संपन्न इस सभा में ग्रामीणों ने कहा कि गांव में पानी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। भीषण गर्मी के कारण जलस्तर नीचे चला गया है, जबकि खेतों में बने डाड़ी का पानी भी दूषित हो चुका है। इससे स्थिति और गंभीर हो गई है। ग्रामीणों को दूर-दराज के जलस्रोतों से पानी लाने को मजबूर होना पड़ रहा है। ग्राम प्रधान बिरसा मुंडा ने कहा कि पानी जैसी बुनियादी सुविधा का अभाव ग्रामीणों के अधिकारों का हनन है। वहीं निशांत तिर्की ने चेतावनी दी कि यदि जल्द जलापूर्ति व्यवस्था बहाल नहीं की गई तो ग्रामीण प्रखंड कार्यालय का घेराव करेंगे।

भाजपा 'महिला हितैषी' नहीं, संविधान से खिलवाड़ कर रही : अंबा प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव अंबा प्रसाद ने रविवार को भाजपा पर तीखा हमला बोला है, उन्होंने भाजपा के ''महिला हितैषी'' होने के दावे को झूठा करार दिया। कांग्रेस भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा आगामी चुनावों में राजनीतिक लाभ के लिए संविधान विरोधी प्रपंच रचकर महिलाओं और आम जनता को गुमराह कर रही है।

प्रेसवार्ता में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की सचिव गुंजन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष रमा खलखो और मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की समेत कई वरिष्ठ नेत्रियां उपस्थित रहीं।

अंबा प्रसाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें इतिहास ऐसे प्रधानमंत्री के रूप में याद रखेगा, जिन्होंने चुनाव के दौरान जनता के बीच भ्रम और असत्य फैलाने का काम किया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब महिला आरक्षण बिल 2023 में ही पारित हो चुका है और संविधान में अनुच्छेद 330ए, 332ए और 334ए जोड़े जा चुके हैं, तो फिर उसी विषय को दोबारा उठाने की क्या आवश्यकता थी। उन्होंने इसे ''चुनावी प्रपंच'' बताया।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा गांवों और कम शिक्षित आबादी को निशाना बनाकर दुष्प्रचार कर रही है। अंबा प्रसाद ने कहा कि देश में बहुत कम लोग संवैधानिक प्रावधानों की गहरी समझ रखते हैं, जिसका फायदा उठाकर भाजपा के नेता रैली और प्रचार के जरिए महिलाओं को गुमराह कर रहे हैं। कांग्रेस ने इस मुद्दे को राजनीतिक रूप से गंभीरता से लेते हुए ''संविधान जागृति अभियान'' शुरू करने की घोषणा की है।

संवैधानिक प्रावधानों का हवाला देते हुए अंबा प्रसाद ने बताया कि अनुच्छेद 330ए के तहत लोकसभा में 33% महिला आरक्षण पहले ही सुनिश्चित किया जा चुका है। अनुच्छेद 332अ राज्य विधानसभाओं में भी महिला आरक्षण की व्यवस्था करता है। अनुच्छेद 334ए के अनुसार यह आरक्षण जनगणना और परिसीमन के बाद लागू होगा तथा 15 वर्षों के लिए प्रभावी रहेगा। उन्होंने जनता से अपील की कि वे स्वयं संविधान की डिजिटल प्रति देखकर सच्चाई जानें। साथ ही मीडिया से भी कहा कि वह संविधान की गरिमा बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाए और दुष्प्रचार का समर्थन न करें। अंबा प्रसाद ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि भाजपा महिलाओं को ''लिपस्टिक'' देने का वादा कर रही थी, लेकिन डिब्बे में ''नेलपॉलिश'' निकली। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का तथाकथित नया बिल वास्तव में महिला आरक्षण से जुड़ा नहीं था, बल्कि परिसीमन के नाम पर भ्रम फैलाने का प्रयास था, जो अंततः विफल हो गया। कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि वह आगे भी इस मुद्दे पर जन-जागरूकता अभियान चलाकर भाजपा के ''भ्रम जाल'' को उजागर करेगी।

हिरासत में मौत मामलों पर सरकार सख्त परिजनों को 10 लाख की सहायता पर मुहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने न्यायिक हिरासत में हुई दो कैदियों की मौत के मामले में उनके परिजनों को राहत देने का फैसला किया है। यह निर्णय मानवाधिकार आयोग की सिफारिश के बाद लिया गया है। सरकार की ओर से कुल 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है, जिसे संबंधित जिलों में बराबर बांटा जाएगा।

जानकारी के अनुसार, चतरा जिले के मेराल गांव निवासी विचाराधीन बंदी राजू तुरी की मौत के बाद उनकी पत्नी को सहायता राशि दी जाएगी, जो फिलहाल राजस्थान के कोटा में रह रही हैं। वहीं खूंटी जिले के जिलिंगकेला गांव के रहने वाले बंदी मार्शल मुंडू के आश्रितों को भी सरकार की ओर से आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

यह पूरी राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण मद से जारी की जाएगी। चतरा और खूंटी के उपायुक्त या उनके अधिकृत अधिकारी जिला कोषागार के माध्यम से राशि का भुगतान सुनिश्चित करेंगे।

तमाड़ के जंगल से 7 क्विंटल डोडा बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची के तमाड़ थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध नशा कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में डोडा (अफीम) बरामद किया है। यह कार्रवाई कदमडीह के पास स्थित घने जंगल में की गई, जहां तस्करों ने बड़ी चालाकी से नशीले पदार्थ को छिपाकर रखा था।

पुलिस के अनुसार, मौके से कुल 21 बोरे डोडा के जब्त किए गए हैं, जिनका कुल वजन करीब सात क्विंटल बताया जा रहा है। बरामद डोडा की बाजार कीमत लाखों रुपये आंकी गई है, जिससे इस अवैध कारोबार के बड़े नेटवर्क की आशंका जताई जा रही है।

बुंडू के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) ओम प्रकाश ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि तस्कर जंगल का इस्तेमाल कर भारी मात्रा में डोडा का भंडारण कर रहे हैं। सूचना के आधार पर तत्काल एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया और योजनाबद्ध तरीके से सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

सर्च अभियान के दौरान पुलिस को डोडा जमीन में गड्ढा खोदकर छिपाया हुआ मिला। सभी 21 बोरे बरामद कर जब्त कर लिए गए। हालांकि, पुलिस के पहुंचने की भनक लगते ही तस्कर मौके से फरार हो गए और किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी।

फिलहाल पुलिस फरार तस्करों की पहचान करने में जुटी है। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इसके साथ ही आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ कर अहम सुराग जुटाने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई क्षेत्र में नशा तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता है और जल्द ही इस पूरे नेटवर्क का पदार्फाश किया जाएगा।

आदिवासियों की पहचान के लिए 'सरना धर्म कोड' जरूरी, जनगणना में हो अलग कॉलम : सुप्रीयो भट्टचार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के हरमू स्थित झामूमो पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुप्रीयो भट्टचार्य ने केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2014 में महंगाई के खिलाफ दिए गए नारे अब गद्दी छोड़ो मोदी सरकार में बदल गए हैं।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में खाद्य पदार्थ, ऊर्जा और यात्रा किराया जैसे क्षेत्रों में कीमतें दो से ढाई गुना तक बढ़ गई हैं। उन्होंने बताया कि कमर्शियल गैस की कीमत 2014 में 950 रुपये थी, जो अब 2000 रुपये के पार पहुंच गई है। इससे होटल और कैटरिंग व्यवसाय प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आने वाले समय में और बढ़ोतरी हो सकती है।

उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के कारण भूखमरी की स्थिति पैदा हो रही है और स्ट्रीट फूड कारोबार तथा विद्यार्थियों के हॉस्टल बंद हो रहे हैं। अर्थव्यवस्था पर चिंता जताते हुए उन्होंने दावा किया कि बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति आय भारत से अधिक हो गई है और भारतीय रुपया बांग्लादेशी टका के मुकाबले कमजोर हुआ है। रेलवे के मुद्दे पर उन्होंने केंद्र सरकार पर झारखंड के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों में रिजेक्ट होने वाली ट्रेनों को झारखंड भेज दिया जाता है, जबकि राज्य देश को सबसे अधिक राजस्व देता है। इसके बावजूद यहां रेल सुरक्षा और मेंटेनेंस की स्थिति खराब है।

बाबूलाल मरांडी की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन विधेयक पर उनकी बातें हास्यास्पद हैं। उन्होंने मांग की कि 33 प्रतिशत आरक्षण सभी निर्वाचित संस्थाओं जैसे पंचायत और नगर निकाय में भी लागू होना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावों को युद्ध की तरह लड़ रही है और केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं के खिलाफ किया जा रहा है। आदिवासी पहचान के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर 2027 की जनगणना में सरना धर्म कोड शामिल करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों की पहचान को सुरक्षित रखना जरूरी है और इसके लिए जनगणना में अलग कॉलम जोड़ा जाना चाहिए।

तीन दिवसीय हरिनाम संकीर्तन का हुआ आयोजन

सिल्ली : तीन दिवसीय हरिनाम संकीर्तन का शुभारंभ बांसारूली गांव मे किया गया। वही जागरण का आयोजन सोमवार को होगा जिसमें कुल छः कीर्तन मंडली भाग लेंगे। इस कीर्तन मंडली में गोपाल दास गोस्वामी तानासी, कृष्ण दास गोस्वामी निधि टांड, रासबिहारी ओझा. साड़म, पिंटू दास गोस्वामी. रघुनाथपुर, सुखराम बेदिया मिसिरहोटाग, एवं राधारानी महिला संकीर्तन समिति सारामबो की मंडली आदि ने कीर्तन में भाग लिया। वही ग्रामीणों ने कीर्तन का आनंद उठाया।

इस आयोजन को सफल बनाने में देवकुमार महतो. सुखदेव महतो. जयनारायण साहु अरबिन्द साहु. धनेश्वर बेदिया. राध महतो. संकर बेदिया. आह्लाद बेदिया. एव समस्त ग्रामवासि मौजूद थे।

गुमनाम नायकों को मिला मंच : आर्ट ऑफ लिविंग का अभिनंदन समारोह संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रविवार को आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के रांची केंद्र द्वारा गुमनाम नायकों का नागरिक अभिनंदन किया गया। आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर जी द्वारा स्थापित आर्ट ऑफ लिविंग संस्था जिसका वैश्विक केंद्र बंगलुरु में है अपने स्थापना की 45 वां वर्षगांठ मना रहा है।

इस वर्ष संस्था ने ऐसे समर्पित व्यक्तित्वों /विभूतियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया है जो समाज के विभिन्न क्षेत्रों में जैसे समाज सेवा, खेल, कला, विज्ञान में बेहतरीन कार्य कर रहे हैं पर उन्हें वैसी प्रतिष्ठा या पहचान नहीं दी गई जिसके वे हकदार हैं। यह आयोजन पूरे भारतवर्ष में किया जा रहा। झारखंड में अभी तक यह आयोजन हजारीबाग, डालटेनगंज, जामताड़ा, गुमला, बोकारो आदि केंद्र में किया जा चुका जिसमें स्थानीय एवं आस पास के विभूतियों को सम्मानित किया जा चुका है। इसी क्रम में इसका आयोजन रांची में किया गया जिसमें सात व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के प्रांत अध्यक्ष एवं राज्य सभा संसाद आदित्य साहू विशिष्ट अतिथि एवं भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष के के गुप्ता थे।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं भजन से हुई।

आदित्य साहू ने कहा देश हमें देता है सब कुछ हम कुछ देश को दें आर्ट ऑफ लिविंग इसी प्रकार तरह तरह प्रोग्राम करके आम व्यक्ति को सशक्त कर रहा है ताकि वे देश की सेवा कर सकें। आर्ट ऑफ लिविंग सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में पिछड़े एवं शोषित बच्चों को सुशिक्षित कर समाज के योग्य बना रहा है।

के के गुप्ता ने कहा आर्ट ऑफ लिविंग वृहत्त रूप से समाज सेवा एवं व्यक्ति के उत्थान का कार्य कर रही है। इस अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग के वर्तमान एवं पूर्व स्त्री७ सदस्य श्री सहेंद्र कुमार सिन्हा, सुनील कुमार गुप्ता, जे मेहता, बी के सिन्हा, कुमुद झा, दीपक विद्यार्थि आदि उपस्थित थे। इसके अलावा वरीय शिक्षक प्रवीण कुमार, डॉ प्रसन्न डेविड, बी बी सिंह, पी एन सिंह, साध्वी जी, चांदनी अग्रवाल, डॉ ज्योतिका डेविड, शर्मिष्ठा कुमार, शबनम, जाह्नवी आदि उपस्थित थीं।

सम्मान पाने वालों के नाम :

- संगीता टाक (रांची)
- रजनी कुमारी उपाध्याय (पूर्वी सिंहभूम)
- डॉ रेणु सिन्हा (रामगढ़)
- श्वेता गडिया (गोड्डा)
- अमीषा केरकेट्टा (रांची)
- रितु रुगा (पूर्वी सिंहभूम)

संक्षिप्त खबरें

मुख्य सचिव अविनाश कुमार व झारखंड उच्च न्यायालय के महाअधिवक्ता ने स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी की

रांची : मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने जनगणना-2027 के तहत स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी की। इस अभियान के तहत 01 मई से 15मई तक स्व-गणना कार्य प्रारंभ हो चुका है। इसी क्रम में रविवार को मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी की। राजीव रंजन मिश्रा, महाअधिवक्ता, झारखंड उच्च न्यायालय ने जनगणना-2027 के तहत रविवार को स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी की। 15 मई के पश्चात मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य दिनांक 16 मई से 14 जून 2026 तक पूरे राज्य में किया जाएगा। इस गहन जनगणना अभियान के दौरान घर-घर जाकर प्रगणक से संबद्ध कर्मी डेटा संग्रह करेंगे। सभी जिलों में इस कार्य के लिए प्रशासनिक तैयारियां शुरू कर दी गई है। इस मौके पर प्रभात कुमार, निदेशक, जनगणना कार्य निदेशालय झारखण्ड, सुशांत गौरव, नगर आयुक्त नगर निगम रांची, डॉ० सत्येन्द्र कुमार गुप्ता संयुक्त निदेशक, शेषनाथ बैठा जिला सांख्यिकी अधिकारी, रांची, ज्ञानचंद्र महतो सहायक निदेशक आदि उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार ने झारखंड से मांगे सीनियर आईपीएस के नाम, एसपीजी में होगी पोस्टिंग

रांची : केंद्र सरकार ने स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप में डीआईजी स्तर के पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने झारखंड सहित सभी राज्यों को पत्र भेजकर योग्य और इच्छुक आईपीएस अधिकारियों के नाम मांगे हैं। मंत्रालय द्वारा जारी निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि एसपीजी एक पूर्णतः प्रतिनियुक्ति आधारित संगठन है, जहां अधिकारियों की तैनाती तय अवधि के लिए की जाती है। इसके लिए वही अधिकारी पात्र होंगे, जिन्होंने अपनी सेवा के कम से कम 14 वर्ष पूरे कर लिए हैं। राज्य सरकारों को निर्देश दिया गया है कि पत्र जारी होने की तिथि से 30 दिनों के भीतर पात्र अधिकारियों के नाम केंद्र को भेजें। साथ ही नामांकन के साथ संबंधित अधिकारियों की विजिलेंस स्टेटस की जानकारी देना भी अनिवार्य किया गया है। इस पहल को वीवीआईपी सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

स्वतंत्रता सेनानियों को दी गई श्रद्धांजलि समाज से जिम्मेदारी निभाने की अपील

रांची : शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को राष्ट्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत राजधानी रांची के ऐतिहासिक धुर्वा गोलचक्कर में अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव की प्रतिमा पर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव समारोह समिति के अध्यक्ष ठाकुर प्रवीर नाथ शाहदेव के नेतृत्व में पुष्प अर्पित किया गया। स्वतंत्रता सेनानी श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कलीम कुर्ला कबीर, स्व. नागेश्वर प्रसाद के पौत्र रवि दत्त, सौरभ कुमार, रामजीत महली और जगन्नाथपुर क्षेत्र के अनेक सेवायतों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शहीद तेलंगा खड़िया, बाबू कुंवर सिंह, पांडेय गणपत राय और गुमनाम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। झारखंड के आस्था और गौरव का प्रतीक जगन्नाथ मंदिर के रात्रि प्रहरी स्व. बिरसा मुंडा की जघन्य हत्या पर शोक व्यक्त किया गया। बिरसा मुंडा के हत्या की लापरवाही की जिम्मेदारी पूरे समाज को लेने और शोक संतप्त परिवार के प्रति ईश्वर से धैर्य और संयम की कामना की गई। कार्यक्रम के अंत में स्व बिरसा मुंडा के आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया।

विधायक नवीन जायसवाल ने किया श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर रोड निर्माण कार्य का शिलान्यास

रांची : रांची के कृष्णा नगर, पुंदाग थाना के पीछे फॉरेस्ट रोड स्थित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर मार्ग के पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शुभारंभ हटिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक नवीन जायसवाल द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना एवं श्रीफल फोड़कर किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र में उत्साह और प्रसन्नता का वातावरण देखने को मिला। स्थानीय श्रद्धालुओं एवं नागरिकों ने विधायक का गर्मजोशी से स्वागत किया। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि मंदिर मार्ग का निर्माण क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही महत्वपूर्ण आवश्यकता थी। इस सड़क के निर्माण से मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं, स्थानीय निवासियों तथा राहगीरों को काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कर गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय पर पूर्ण कराया जाएगा।उन्होंने कहा कि जनसुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है और क्षेत्र के विकास के लिए सड़क, नाली, जल निकासी एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। मंदिर मार्ग का निर्माण होने से आसपास के क्षेत्र का आवागमन भी सुगम होगा। यह जानकारी ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने देते हुए कहा कि इस अवसर पर श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, पूरणमल सर्राफ,सुरेश अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, मधुसूदन जाजोदिया, दीपेश निराला, मनीष जालान, संजय सर्राफ, ज्ञान प्रकाश शर्मा, विशाल साहू सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने विधायक नवीन जायसवाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मंदिर मार्ग के निर्माण से श्रद्धालुओं, आश्रम के निराश्रितजनों, बुजुर्गों एवं स्थानीय लोगों को विशेष लाभ मिलेगा। उन्होंने विधायक को जनहित के इस कार्य हेतु धन्यवाद देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल जनसेवा जीवन की कामना की। शिलान्यास समारोह सौहार्द, विकास और जनसेवा के संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

एक नजर

रामगढ़ कैंट वैश्य समिति चुनाव संपन्न रूपेश गुप्ता बने अध्यक्ष

रामगढ़ : गणिनाथ धर्मशाला, विकास नगर में मध्यदेशीय वैश्य समिति रामगढ़ कैंट के सत्र 2026–29 के लिए अध्यक्ष पद का चुनाव शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। पूरे चुनाव प्रक्रिया में अनुशासन और पारदर्शिता देखने को मिली। अध्यक्ष पद के लिए रूपेश गुप्ता और सतीश गुप्ता के बीच सीधा मुकाबला हुआ। कुल 53 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिसमें रूपेश गुप्ता को 32 और सतीश गुप्ता को 21 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार रूपेश गुप्ता ने 11 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। विजय के बाद रूपेश गुप्ता ने कहा कि वे समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलेंगे और संगठन की मजबूती व समाज की उन्नति के लिए निरंतर कार्य करेंगे। उन्होंने सभी मतदाताओं का आभार जताया। चुनाव का संचालन मुख्य चुनाव आयुक्त नंद किशोर गुप्ता, सह चुनाव आयुक्त रामेश्वर प्रसाद और सुबोध गुप्ता की देखरेख में हुआ। पूरी प्रक्रिया बिना किसी विवाद के सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष गणेश प्रसाद गुप्ता, अनिल कुमार, डोमन प्रसाद गुप्ता, जितेंद्र प्रसाद, आशीष शरण, कृष्ण गुप्ता सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

रामगढ़ में नीट परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

रामगढ़ : जिले में रविवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2026 का आयोजन शांतिपूर्ण, पारदर्शी और पूरी तरह कदाचार मुक्त वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशासन की सख्ती और बेहतर समन्वय के कारण परीक्षा व्यवस्था सुचारु बनी रही। उपायुक्त ऋतुराज और पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने परीक्षा को निष्पक्ष बनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए। सभी केंद्रों पर सुरक्षा, निगरानी और अनुशासन का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे अभ्यर्थियों को शांत वातावरण मिला। परीक्षा के दौरान उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षा व्यवस्था और परीक्षार्थियों की सुविधाओं की गहन समीक्षा की गई, जिससे किसी भी तरह की अनियमितता की संभावना समाप्त रही। परीक्षा के बाद उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाए रखना था। सभी अधिकारियों, दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों और केंद्राधीक्षकों के समन्वित प्रयास से यह लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया गया। परीक्षा केंद्रों के बाहर भी कानून-व्यवस्था सामान्य रही।

जयनगर में माले कार्यकर्ता की पत्नी का निधन, नेताओं ने जताया शोक

जयनगर : जयनगर प्रखंड अंतर्गत गोहाल निवासी माले कार्यकर्ता मथुरा पासवान की पत्नी द्रोपती देवी (लगभग 70 वर्ष) का आज सुबह करीब 5 बजे आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।द्रोपती देवी अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उन्हें तीन पुत्र और एक पुत्री हैं, जिनका विवाह हो चुका है। परिवारजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलते ही माले नेताओं और कार्यकताओं ने उनके आवास पहुंचकर शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की और गहरी संवेदना व्यक्त की।शोक व्यक्त करने वालों में प्रखंड सचिव मुंना यादव, जिला सचिव मोहम्मद इब्राहिम, जिला कमेटी सदस्य शंभू नाथ वर्मा, अशोक यादव, जयनगर पूर्वी जोन लोकल कमेटी सचिव चांद अख्तर, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि भोला यादव, सुरेंद्र सिंह, हकीम खान, राजेंद्र यादव, एक्टू जिला सचिव विजय पासवान, मशरूल अंसारी, विजय ठाकुर और रामचंद्र साव शामिल हैं।

रामगढ़ के पॉश इलाके में जमीन विवाद ने पकड़ा तूल, हाई कोर्ट के निर्देश के बाद भी नहीं मिला कब्जा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : थाना चौक स्थित पॉश इलाके में जमीन विवाद ने रविवार को गंभीर रूप ले लिया, जब वजीरूद्दीन सिद्दीकी हाई कोर्ट के निर्देश के आधार पर दखल-कब्जा लेने पहुंचे, लेकिन स्थानीय विरोध के कारण स्थिति तनावपूर्ण हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने हस्तक्षेप कर कार्य को रुकवाया, जिसके बाद मामला प्रशासनिक स्तर पर पहुंच गया। वजीरूद्दीन सिद्दीकी ने अपने पिता शेख अब्दुल समद के नाम पर खरीदी गई 3 एकड़ 30 डेसिमल जमीन पर अधिकार जताया है। यह जमीन रामगढ़ अंचल कार्यालय में जमाबंदी के साथ दर्ज है और इसकी रसीद भी नियमित रूप से अद्यतन हो रही

है। कब्जा दिलाने की मांग को लेकर उन्होंने हाई कोर्ट में केस संख्या 3250/2019 दायर किया था। 14 नवंबर 2023 को हाई कोर्ट ने संबंधित जमीन की मापी कर अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। इसके तहत मौजा रामगढ़ के खाता संख्या 286 के प्लॉट 210, 172, 167 तथा खाता 292 के प्लॉट 165 की विधिवत मापी कराई गई और उसका नक्शा तैयार कर न्यायालय को सौंपा गया। जांच के दौरान प्लॉट 210 में कोई जमीन खाली नहीं पाई गई। वहीं प्लॉट 167 में 75 डेसिमल, प्लॉट 172 में 40 डेसिमल और प्लॉट 165 में 1 एकड़ 50 डेसिमल भूमि खाली पाई गई, जिससे विवाद और गहराता दिखा। जब सिद्दीकी जमीन पर कार्य शुरू करने पहुंचे, तो अमरेश गणक ने इसका विरोध किया। उनका दावा है कि जमीन पर स्पष्ट न्यायिक आदेश नहीं है और यह उनके पूर्वजों की संपत्ति है, जो फिलहाल परती है। घटना के बाद वजीरूद्दीन सिद्दीकी ने जिला प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है, ताकि विवाद का स्थायी समाधान निकल सके और कानून व्यवस्था बनी रहे।

मानदेय बकाया पर भड़का सीटू, भुगतान नहीं हुआ तो स्वास्थ्य व्यवस्था ठप की चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : आउटसोर्सिंग कम्पनी कमांडो इंडस्ट्रियल सिक्युरिटी फोर्स हजारीबाग के अंतर्गत जिला के सदर अस्पताल एवं सभी प्रखण्डों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मियों को तीन माह से मानदेय भुगतान नहीं होने पर सीटू ने कंपनी की निंदा की है। सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने कहा कि जल्द भुगतान नहीं हुआ तो कर्मियों को संगठित कर जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को ठप किया जाएगा। आउटसोर्सिंग कम्पनी कमांडो के अंदर जिला में कम्प्यूटर ओपरेटर, सफाईकर्मी, टेक्नीशियन, एएनएम एवं जीएनएम आदि सैकड़ों कर्मचारी कार्यरत हैं। जिन पर जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था का दारोमदार है। जिन्हें राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मानदेय नहीं दिया जा रहा है और न ही इन कर्मचारियों का ईएसआई कट

रहा है। जो सीधे सीधे श्रम कानूनों का उलंघन है। दुर्भाग्य है कि जिन आला अधिकारियों के दिशा निदेर्शों पर ये कर्मी काम करते हैं। सिविल सर्जन कोडरमा को इन कर्मियों के समस्याओं से कोई मतलब नहीं है। कर्मचारी भूखमरी के कगार पर हैं। जिसके कारण सुदखोर के जाल में फंस रहे हैं। दूसरी तरफ कमांडो के मालिक नवल सिहं द्वारा सरकार के पैसे से ऐस किया जा रहा है। हजारीबाग में अपनी बेटी की शादी में पचास करोड़ से ज्यादा रुपए खर्च किया और बॉलीवुड के अभिनेता गोविंदा को नचाया। लेकिन आउटसोर्सिंग कर्मियों को मानदेय देने के लिए उनके पास पैसा नहीं है। यह सीधा सीधा श्रम कानूनों और सरकार के दिशा निदेर्शों का उल्लंघन है। जिला प्रशासन इस पर संज्ञान लेकर कर्मियों का भुगतान कराये अन्यथा कर्मचारी हड़ताल पर जाने को मजबूर होगें। जिसकी सारी जवाबदेही प्रशासन की होगी।

रामगढ़ में सभी थानों में चौकीदारी परेड का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर रविवार को सभी थाना और ओपी क्षेत्रों में चौकीदारी परेड का आयोजन किया गया। इस पहल का मकसद जमीनी स्तर पर निगरानी तंत्र को सक्रिय करना और आसूचना संग्रह को तेज करना रहा। सभी थाना और ओपी परिसरों में चौकीदारों की उपस्थिति में परेड कराई गई, जहां उनकी भूमिका, जिम्मेदारियों और सतर्कता को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। यह आयोजन पुलिस और चौकीदारों के बीच समन्वय को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। संबंधित थाना और ओपी प्रभारी ने चौकीदारों को अपने-अपने बीट क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहने का निर्देश दिया। साथ ही संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और समय-समय पर पुलिस को सूचनाएं उपलब्ध कराने

पर विशेष जोर दिया गया। परेड के दौरान स्पष्ट रूप से कहा गया कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में किसी भी असामान्य गतिविधि की सूचना तुरंत थाना स्तर पर पहुंचाई जाए, ताकि समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। इससे अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी। पुलिस प्रशासन का मानना है कि चौकीदार जमीनी स्तर पर सबसे अहम कड़ी होते हैं, जो क्षेत्र की छोटी से छोटी जानकारी रखते हैं। ऐसे में उनकी सक्रियता से अपराध पर अंकुश लगाने में काफी मदद मिलती है। परेड के माध्यम से यह भी निर्देश दिया गया कि सभी चौकीदार नियमित रूप से अपने क्षेत्रों का निरीक्षण करें ।

सड़क हादसा में बुलेट सवार दो युवकों की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददतात

गोड्डा : झारखंड के महागामा थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसे में बुलेट सवार दो युवकों की मौत हो गई। यह हादसा गोड्डा-महागामा राष्ट्रीय राजमार्ग-133 पर गम्हरिया के समीप हुआ, जहां तेज रफ्तार हाईवा की चपेट में आने से दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान विपिन कुमार (30 वर्ष), निवासी कटिहार (बिहार) और सत्यम कुमार यादव (21), निवासी नूनाजोर के रूप में की गई है। बताया जाता है कि दोनों आपस में मित्र थे और किसी कार्य से बुलेट पर सवार होकर गोड्डा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार हाईवा ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया, जिससे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। घटना से आक्रोशित लोगों ने क्षेत्र में तेज रफ्तार हाईवा के परिचालन पर रोक लगाने की मांग की। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस स्थान पर पहले भी कई सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें छह से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। सूचना मिलते ही महागामा पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को एंबुलेंस के माध्यम से रेफरल अस्पताल महागामा भेजा । मामले की सूचना मृतक के परिजनों को मिलते ही अस्पताल पहुंचे, जहां उनका रो रो कर बुरा हाल है।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर पत्रकार सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : मारवाड़ी युवा मंच एवं प्रेरणा शाखा के संयुक्त तत्वावधान में विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहर में एक भव्य पत्रकार सम्मान सभा का आयोजन किया गया। इस गरिमामय कार्यक्रम में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ माने जाने वाले 30 पत्रकार बंधुओं को अंगवस्त्र, गुलाब पुष्प एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन मंच के जॉइंट सेक्रेटरी अधिवक्ता विकास जैन ने कुशलतापूर्वक किया। समारोह के दौरान शाखा अध्यक्ष युवा मोहित संघई ने पत्रकारों की साहसिकता, निष्पक्षता एवं समाज के प्रति उनकी अहम भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि मीडिया समाज का आईना है,

जो सच्चाई को सामने लाने का कार्य करता है। उन्होंने अपने उद्बोधन में एक प्रेरणादायक कविता भी प्रस्तुत की– कलम उठी तो सच की कहानी लिखेगी, झूठ के हर चेहरे को बेनकाब करेगी। मीडिया की ताकत को समझो जनाब, ये खामोश रहकर भी बगावत करेगी। कार्यक्रम के दौरान हाल ही में बरगी डैम में हुई दुखद नाव दुर्घटना में दिवंगत लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए एक मिनट का मौन रखा गया। इस अवसर पर कुमार रमेशम, संतोष कुमार, ओमप्रकाश, रविंद्र शांडिल्य, भोला शंकर सिंह, अरुण बर्णवाल, आर्यन श्रीवास्तव, सुजल भदानी, अजय पांडेय, मनोज पाण्डेय, रवि छाबड़ा, पियुष सिंह, अमरेश कुमार, सचीन यादव,सहित अन्य पत्रकारों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डाला।

शिक्षित और संगठित होकर ही मिलेगी हक की लड़ाई में जीत : प्रकाश रजक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा प्रखंड के गरायडीह ग्राम में रविदास समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में दलित उत्पीड़न संघर्ष समिति के जिला उपाध्यक्ष सह कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक ने विशेष रूप से शिरकत की। बैठक की अध्यक्षता समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने की, जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन सुजीत दास ने किया। बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक ने कहा कि लंबे समय से समाज के लोग बिखरे हुए थे, लेकिन अब नई सोच और नई ऊर्जा के साथ एक सशक्त मंच तैयार किया गया है। प्रकाश रजक ने

बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के मंत्र शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो को दोहराते हुए कहा कि समाज को अपने हक और अधिकार के लिए एकजुट होकर लड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों और अंधविश्वास पर प्रहार करते हुए कहा कि जब तक समाज अंधविश्वास की बेड़ियों से बाहर नहीं निकलेगा, तब तक सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। उन्होंने युवाओं से आगे आकर समाज को नई दिशा देने की अपील की। ?बैठक में सर्वसम्मति से समाज की मजबूती के लिए 17 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष राजू दास ने जिम्मेदारी संभालते हुए कहा कि वे समाज को एक सूत्र में बांधने का हर संभव प्रयास करेंगे और आपसी विवादों का निपटारा समाज के बीच बैठकर ही करने की पहल करेंगे। कार्यकारिणी के मुख्य पदाधिकारीः अध्यक्षः राजू दास, उपाध्यक्षः मंजू देवी, सचिवः अनीता देवी, कोषाध्यक्षः विकास दास, संयोजकः रामादास बैठक को संबोधित करने वालों में सोनू दास, महेंद्र दास, संजय दास, अमित दास, विकास दास, कामेश्वर दास और रवि दास प्रमुख रहे। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में समाज को मजबूत बनाने और शिक्षा पर जोर देने की बात कही। कार्यक्रम में रामचंद्र दास, दिनेश दास, बाजू दास, अजय दास, नारायण दास, वीरू दास, उमेश दास, कौशल्या देवी, शीला देवी, चंदवा देवी, केसिया देवी, दुलारी देवी, रेखा देवी, बेबी देवी, रिंकी देवी और कुंती देवी सहित समाज के अन्य सम्मानित सदस्य मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

रामगढ़ की विधायक ममता देवी को बड़ी जिम्मेदारी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी में शामिल

रामगढ़ : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा रविवार को जारी नई सूची में रामगढ़ की विधायक ममता देवी को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें प्रदेश कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी का सदस्य बनाया गया है, जो पार्टी के भीतर एक अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रभावशाली पद माना जाता है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव के सी वेणुगोपाल के हस्ताक्षर से जारी इस सूची में कई प्रमुख नेताओं को जगह दी गई है। इसमें ममता देवी का नाम शामिल होना रामगढ़ के लिए राजनीतिक दृष्टि से अहम उपलब्धि मानी जा रही है। पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी को पार्टी के रणनीतिक और नीतिगत फैसलों का केंद्र माना जाता है। इस कमेटी में शामिल होने के बाद ममता देवी की भूमिका प्रदेश स्तर पर और मजबूत हो जाएगी तथा संगठनात्मक फैसलों में उनकी भागीदारी बढ़ेगी। ममता देवी को यह जिम्मेदारी मिलने पर रामगढ़ जिला कांग्रेस के नेताओं और कार्यकताओं में उत्साह देखा गया। इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया जा रहा है। पूर्व जिला अध्यक्ष मुन्ना पासवान, बलजीत सिंह बेदी, पंकज तिवारी, रणधीर गुप्ता, बजरंग महतो, मुकेश यादव, संजय साहू, बलराम साहू, सुधीर मंगलेश और गौरी शंकर महतो सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने ममता देवी को बधाई दी और उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की। ममता देवी की इस नियुक्ति को रामगढ़ जिले के राजनीतिक प्रभाव में बढ़ोतरी के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं का मानना है कि इससे क्षेत्र के मुद्दों को प्रदेश स्तर पर और मजबूती से उठाने का अवसर मिलेगा, जिससे स्थानीय विकास को भी गति मिल सकती है।

राधा गोविन्द विश्वविद्यालय में 3डी प्रिंटिंग वर्कशॉप, छात्रों को मिला प्रैक्टिकल अनुभव

रामगढ़ : राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग (3डी प्रिंटिंग) पर दो दिवसीय कार्यशाला का रविवार को सफल समापन हुआ। दूसरे दिन का आयोजन पूरी तरह व्यावहारिक सत्र, लाइव डेमोंस्ट्रेशन और छात्रों की सक्रिय भागीदारी पर केंद्रित रहा। इस पहल का लक्ष्य छात्रों को 3ऊ प्रिंटिंग तकनीक के जरिए स्टार्टअप के लिए प्रेरित करना, अनुसंधान के प्रति रुचि विकसित करना और कम लागत में लघु उद्योग स्थापित करने की संभावनाओं से परिचित कराना था। सत्र के दौरान प्रतिभागियों को 3ऊप्रिंटर के विभिन्न घटकों, सामग्री चयन, प्रिंट सेटिंग्स और प्रोटोटाइप निर्माण की प्रक्रिया का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में छात्रों को अपने स्वयं के डिजाइन किए गए मॉडल को प्रिंट करने का अवसर मिला, जिससे उन्हें वास्तविक औद्योगिक अनुभव प्राप्त हुआ। इस दौरान आधुनिक तकनीकों का लाइव प्रदर्शन किया गया, जिसने छात्रों के ज्ञान को व्यावहारिक रूप से मजबूत किया। प्रो. (डॉ) कौशिक कुमार (बीआईटी मेसरा) और डॉ. चिकेश रंजन (एनआईटी राउरकेला) ने 3ऊ प्रिंटिंग के औद्योगिक उपयोग, स्टार्टअप संभावनाओं और करियर विकल्पों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह तकनीक उत्पादन प्रक्रिया को सरल बनाते हुए समय और लागत की बचत में अहम भूमिका निभाती है। कुलाधिपति बी.एन. साह ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यावहारिक कौशल और तकनीकी दक्षता ही सफलता का आधार बनती है।

अमरीका, ईरान, इजराइल, मध्य पूर्व तनाव का असर, लग्न सीजन में 12-25% बढ़ा शादी का बजट

झुमरीतिलैया : लग्न के इस सीजन में शादी-ब्याह का बजट पिछले वर्षों की तुलना में काफी बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव का असर अब स्थानीय बाजारों तक साफ दिखने लगा है। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में उछाल, सप्लाई चेन में बाधा और कच्चे माल की महंगाई के कारण शादी से जुड़े लगभग हर सामान के दाम बढ़ गए हैं। इसके चलते इस बार शादियां पिछले होली पूर्व के सीजन की तुलना में करीब 12 से 25 प्रतिशत तक महंगी हो गई हैं। स्थिति यह है कि जिन परिवारों ने शादी के लिए करीब 15 लाख रुपये का बजट तय किया था, उन्हें अब 2 से 3 लाख रुपये अतिरिक्त खर्च करने पड़ रहे हैं। महंगाई का सबसे ज्यादा असर मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है, जो सीमित बजट में शादी करने की योजना बनाते हैं। बढ़ते खर्च के कारण लोग अब शादी में कटौती के विकल्प अपना रहे हैं। मेन्यू सीमित करना, मेहमानों की सूची घटाना, उपहारों की कीमत कम करना और सजावट को साधारण रखना आम हो गया है। इसके अलावा कई परिवार अब दो-तीन दिन तक चलने वाले कार्यक्रमों को एक ही दिन में पूरा करने का विकल्प भी चुन रहे हैं। महंगाई का असर कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, सराफा, बर्तन, ऑटोमोबाइल, फर्नीचर, मेकअप, ब्यूटी पार्लर, होटल, बैंक्वेट हॉल, कैटरिंग और हलवाई जैसे सभी क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। एसी, फ्रिज, कूलर, एलईडी, फर्नीचर, चार पहिया वाहन, अलमारी, पंखा, घड़ी समेत दहेज में दी जाने वाली वस्तुओं की कीमतों में भी इजाफा हुआ है। महंगाई के बावजूद शादी के सीजन को लेकर बाजारों में भीड़ बढ़ गई है। स्टेशन रोड, रांची-पटना रोड, जैन मंदिर गली, झंडा चौक, पूर्णिमा टॉकीज, महाराणा प्रताप चौक और सुभाष चौक सहित शहर के प्रमुख बाजारों में खरीदारी जोरों पर है। साड़ियां, लहंगे, रेडीमेड परिधान, वेस्टर्न ड्रेस, कुर्ता-पायजामा और सजावटी सामानों की अच्छी खासी वैरायटी उपलब्ध है। व्यापारियों के अनुसार ग्राहकों की संख्या में बढ़ोतरी से बाजार में उत्साह है, लेकिन महंगाई के कारण खरीदारी का पैटर्न बदल गया है। कुल मिलाकर, इस बार का शादी सीजन बढ़ती कीमतों के बीच लोगों के बजट पर भारी पड़ रहा है।

झारखंड में महंगी इलाज व्यवस्था पर सवाल, राज्य स्वास्थ्य संरक्षण कानून लागू करने की मांग तेज

कोडरमा : कोडरमा राज्य में जन स्वास्थ्य की मौजूदा स्थिति को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। निजी अस्पतालों और क्लीनिकों द्वारा मनमाने शुल्क, अनावश्यक जांच, पारदर्शिता की कमी और आपातकालीन सेवाओं में अत्यधिक वसूली से आम जनता आर्थिक और मानसिक संकट झेल रही है। इसी मुद्दे को लेकर भारत ज्ञान विज्ञान समिति, झारखंड ने जन स्वास्थ्य अभियान के तहत राज्य सरकार से सख्त नीति-निर्माण की मांग की है। संगठन ने सरकार से तत्काल प्रभाव से राज्य स्वास्थ्य संरक्षण कानून लागू करने की अपील की है, जिससे निजी स्वास्थ्य संस्थानों में जवाबदेही, पारदर्शिता और दरों का नियमन सुनिश्चित हो सके। साथ ही मांग की गई है कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं—प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज—को मजबूत और सुलभ बनाया जाए, ताकि जनता की निजी अस्पतालों पर निर्भरता कम हो सके। विशेषज्ञों का मानना है कि स्वास्थ्य सेवाओं के निजीकरण से आम नागरिकों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं, इसलिए एक स्वतंत्र स्वास्थ्य विनियामक प्राधिकरण का गठन भी जरूरी है, जो निजी अस्पतालों की दरों, लाइसेंसिंग और शिकायतों पर निगरानी रखे।

एक नजर

नीट परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न, उपायुक्त ने किया निरीक्षण

पश्चिमी सिंहभूम : चाईबासा में रविवार को आयोजित नीट (यूजी)-2026 परीक्षा का संचालन शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त माहौल में रविवार को हुआ। परीक्षा के सफल संचालन को लेकर जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार ने मांगीलाल रुंगटा प्लस टू उच्च विद्यालय स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मनीष कुमार ने अभ्यर्थियों को प्रोत्साहित करते हुए ओएमआर शीट पर मांगी गई सभी जानकारियों को सही ढंग से भरने का निर्देश दिया। उन्होंने परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान सीसीटीवी निगरानी, मेडिकल टीम की उपस्थिति, पेयजल व्यवस्था, परीक्षार्थियों की उपस्थिति सहित अन्य व्यवस्थाओं की जांच की गई। उपायुक्त ने परीक्षा केंद्र पर तैनात दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को अपने-अपने कर्तव्यों के प्रति सतर्क और मुस्तैद रहने का निर्देश दिया। मांगीलाल रुंगटा प्लस टू उच्च विद्यालय केंद्र पर कुल 480 में से 459 परीक्षार्थी उपस्थित थे, जबकि सीएम उत्कृष्ट प्लस टू जिला स्कूल केंद्र पर 125 में से 122 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। जिले में परीक्षा का आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और कहीं से किसी प्रकार की अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली।

फायरिंग मामले में दो बदमाश हथियार के साथ गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के धतकीडीह स्थित कुरैशी मुहल्ले में रविवार दोपहर को दिनदहाड़े हुई फायरिंग की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। बदमाशों ने गामा होटल के पास पहुंचकर हवाई फायरिंग की, जिससे आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया और अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी सुरक्षा के लिए इधर-उधर भागने लगे। घटना की सूचना मिलते ही बिष्टुपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की। फुटेज के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो बदमाशों को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि इस घटना में "गोरा" नामक एक अपराधी का नाम भी सामने आ रहा था। फायरिंग की घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। होटल संचालक की निशानदेही और मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस ने आरोपितों को दबोचा। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार को भी बरामद कर लिया है। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए थे, जिसके बाद पुलिस ने कपाली इलाके में भी छापेमारी की। फिलहाल गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ जारी है और फायरिंग के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। थाना प्रभारी अशोक दुबे का कहना है कि मामले का जल्द ही खुलासा किया जाएगा और मामले में आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पांकी-मेदिनीनगर मार्ग पर युवक से छिनतई बाइक-मोबाइल गायब

पलामू : पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र स्थित हरसईन मोड़ के समीप एक युवक के साथ छिनतई की घटना सामने आई है। घटना के बाद पीड़ित ने थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार शिव प्रकाश पासवान रविवार की अहले सुबह करीब 2 बजे बाइक से ट्रेन पकड़ने के लिए मेदिनीनगर जा रहे थे। इसी दौरान हरसईन मोड़ के पास अपाची बाइक पर सवार 3 अज्ञात लोगों ने उनकी बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिर पड़े और बेहोश हो गए। पीड़ित का कहना है कि जब उन्हें होश आया तो उनकी बाइक और मोबाइल फोन मौके से गायब था।

फ्लड लाइट में सीमा देसाई टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ, महिला क्रिकेट को मिल रहा नया आयाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित महिला वर्ग का प्रतिष्ठित सीमा देसाई टूर्नामेंट एक मई से संजय सिंह स्टेडियम में फ्लड लाइट की रोशनी के बीच भव्य रूप से शुरू हो गया है। हजारीबाग में इस स्तर के आयोजन को लेकर खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। रात्रिकालीन माहौल में खेले जा रहे मुकाबलों ने प्रतियोगिता को और आकर्षक बना दिया है। टूर्नामेंट में झारखंड ग्रीन, झारखंड रेड, झारखंड येलो एवं झारखंड ब्लू चार टीमों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। प्रत्येक टीम में 16-16 खिलाड़ी शामिल हैं,जो अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। प्रतियोगिता के माध्यम से राज्य की उभरती महिला क्रिकेटरों को एक सशक्त मंच प्रदान किया जा रहा है, जिससे वे अपने खेल कौशल को निखारते हुए बड़े स्तर तक पहुंच सकें। टीमों के साथ अनुभवी कोच शुभलक्ष्मी शर्मा, सीमा सिंह, आशा सिंह, कविता रॉय, राजकुमार, प्रकाश मुंडा, सनी गुप्ता एवं जसकरण सिंह खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। खिलाड़ियों की फिटनेस और प्रदर्शन को बेहतर बनाए रखने के लिए प्रशिक्षक महादेव सिंह एवं अनिकेश कुमार की तैनाती की गई है, जबकि फिजियो के रूप में पूजा दत्ता एवं अमना ओबैद अपनी सेवाएं दे रही हैं। मैचों के संचालन की जिम्मेदारी अंपायर सूरज साहू एवं इफ्तेखार अहमद निभा रहे हैं। वहीं स्कोरर के रूप में परंबीर सिंह, ऑब्जर्वर मनोज कुमार सिंह तथा लाइजनिंग ऑफिसर के रूप में सूरज कुमार की उपस्थिति आयोजन को सुव्यवस्थित बना रही है। शनिवार को सांसद मनीष जायसवाल स्वयं संजय सिंह स्टेडियम पहुंचे, जहां उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने की दिशा में इस प्रकार के आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि हजारीबाग में फ्लड लाइट के बीच इस स्तर का टूर्नामेंट आयोजित होना जिले के लिए गौरव का विषय है और इससे स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिलेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यहां से निकली प्रतिभाएं आने वाले समय में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर हजारीबाग का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने आगे कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण और टीम भावना का सशक्त आधार है। इस तरह के आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं और समाज में खेल संस्कृति को मजबूत बनाते हैं। आयोजन को लेकर शहर में उत्साह का माहौल है और इसे हजारीबाग को खेल मानचित्र पर नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

केंदु पत्ता मजदूरों की बढ़ी मजदूरी, 1000 पोला पर मिलेगा 2035 रुपये

पश्चिमी सिंहभूम : राज्य सरकार ने केंदु पत्ता तोड़ने वाले मजदूरों की मजदूरी दर बढ़ा दी है। इस फैसले से मजदूरों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। झामुमो जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सरकार का यह निर्णय मजदूरों के हित में उठाया गया सराहनीय कदम है। नए प्रावधान के अनुसार अब मजदूरों को 1000 पोला (गड्डी) केंदु पत्ता संग्रह करने पर लगभग 2035 रुपये का भुगतान किया जाएगा। यह दर 30 जून 2026 तक लागू रहेगी। बुधराम लागुरी ने कहा कि इस फैसले से राज्य के हजारों आदिवासी और ग्रामीण परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा, जिनकी आजीविका केंदु पत्ता संग्रह पर निर्भर है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह पहल मजदूरों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और वन आधारित रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों से भुगतान में देरी और व्यवस्था संबंधी शिकायतें भी सामने आई हैं। इस पर सरकार ने संबंधित विभागों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय मजदूरों ने मजदूरी बढ़ोतरी के फैसले का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इससे उनकी आय में सुधार होगा।

ज्येष्ठ जतरा पर पश्चिमी सिंहभूम में खेलकूद और क्विज प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले में आदिवासी उरांव समाज के महापर्व "ज्येष्ठ जतरा" के अवसर पर रविवार को बानटोला अखाड़ा में पारंपरिक उत्साह के साथ खेलकूद और क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों, महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। समापन के अवसर पर विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सहदेव किस्पोट्टा और विशिष्ट अतिथि लक्ष्मी कच्छप उपस्थित रहीं। दोनों अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान सहदेव किस्पोट्टा ने कहा कि ह्लज्येष्ठ जतराह्व उरांव समाज का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व का पर्व है, जिसे विजय और परंपरा के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। विभिन्न आयु वर्गों के लिए आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दौड़, बोरा रेस, चम्मच रेस, सुई-धागा रेस, चेयर रेस और बॉल पास जैसी प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं, बुजुर्गों के लिए आयोजित हांडी फोड़ प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही। क्विज प्रतियोगिता में कक्षा पांच से मैट्रिक तक के लगभग 30 प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा बानटोला पुस्तकालय से जुड़े रामेश्वर बोईपाई और युवराज लकड़ा को सिविल कोर्ट में नियुक्ति होने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मोहल्ले के कई गणमान्य लोगों और युवाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस मौके पर लालू कुजूर, दुर्गा कुजूर, मंगरू टोप्पो, फागू खलखो, राजेन्द्र कच्छप, चमरू लकड़ा, सीताराम मुंडा, खुदिया कुजूर सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

चोरों ने टाटा स्टीलकर्मी के घर से नकद और जेवरात उड़ाए

पूर्वी सिंहभूम : सिदगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित अमल संघ के पास एक क्वार्टर में रविवार को चोरों ने दिनदहाड़े चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने क्वार्टर नंबर एल-4/39 में रहने वाले टाटा स्टील के कर्मचारी राकेश कुमार झा के घर को निशाना बनाते हुए करीब 10 से 12 हजार रुपये नकद के साथ-साथ लाखों रुपये के जेवरात चोरी कर लिए। घटना उस समय हुई जब राकेश कुमार झा अपने परिवार के साथ गांव में एक शादी और मुंडन समारोह में शामिल होने गए थे। राकेश कुमार झा ने बताया कि घर की देखरेख की जिम्मेदारी एक परिचित व्यक्ति को सौंपी गई थी। रविवार सुबह वह घर को बंद कर अपनी ड्यूटी पर चला गया। इसी बीच चोरों ने सुनसान घर का फायदा उठाते हुए पीछे के दरवाजे को तोड़कर अंदर प्रवेश किया। घर में घुसते ही उन्होंने अलमारी को तोड़ा और उसमें रखे नकद और कीमती गहनों को समेटकर फरार हो गए। वारदात के तरीके से यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि चोर पहले से घर पर नजर रखे हुए थे और मौके का इंतजार कर रहे थे।
गांव से रविवार को जब राकेश कुमार झा वापस अपने घर लौटे तो दरवाजा टूटा हुआ मिला और अंदर का सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। अलमारी भी क्षतिग्रस्त हालत में थी। यह दृश्य देखकर वे सन्न रह गए और तुरंत सिदगोड़ा थाना को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी फैज अहमद ने बताया कि मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और घटना की जांच की जा रही है।

जिला पुलिस के जवान पर फायरिंग, ससुराल के दरवाजे पर मारी गई गोली

पलामू : मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के सुआ कौड़िया गांव में रविवार को जिला पुलिस के एक जवान पर फायरिंग कर दी गई। यह घटना जवान के ससुराल के दरवाजे पर हुई। उसके हाथ में गोली लगी है। इलाज के लिए उसे मेदनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।
पुलिस जवान की पहचान पवन सिंह (33) के रूप में हुई है। पवन लातेहार जिले के मनिका थाना क्षेत्र के बरवईया चामा के रहने वाले हैं। वह छुट्टी पर घर आए हैं। वह बाईक से ससुराल सुआ गांव में हृदया सिंह के यहां पहुंचे थे। दरवाजे पर पहुंच कर बाइक खड़ी कर रहे थे। इसी क्रम में पीछे से आए दो बाइक सवार अपराधियों ने उन पर गोली चला दी। गोली उनके हाथ में लगी। गोली मारने के तुरंत बाद अपराधी मौके से तेजी से निकल गए। ससुराल के लोगों और स्थानीय ग्रामीणों ने मिलकर उन्हें इलाज के लिए एमएमसीएच में भर्ती कराया। इलाज के बाद उनकी उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

'अर्थ एक प्रयास' टीम ने जरूरतमंदों में कपड़े वितरित कर स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

इचाक : रविवार को अर्थ एक प्रयास की पूरी टीम ने अपने सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाते हुए एक और सफल एवं प्रेरणादायक पहल का आयोजन किया। यह कार्यक्रम इचाक प्रखंड के भुसवा बिरहोर टोला में आयोजित किया गया, जहां टीम द्वारा जरूरतमंद लोगों के बीच पुराने कपड़ों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केवल राहत सामग्री पहुंचाना ही नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता और सकारात्मक बदलाव लाना भी रहा। इसी क्रम में गांव की महिलाओं के बीच स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें विशेष रूप से मासिक धर्म से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। जागरूकता सत्र में महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान होने वाली सामान्य समस्याओं, उससे जुड़ी भ्रांतियों एवं उनके समाधान के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही यह भी समझाया गया कि इस दौरान स्वच्छता बनाए रखना क्यों अत्यंत आवश्यक है, और इससे उनके स्वास्थ्य पर क्या सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
कार्यक्रम के दौरान हजारीबाग एवं अन्य स्थानों से प्राप्त सहयोग के तहत मिले सेनेटरी पैड को महिलाओं के बीच वितरित किया गया। टीम द्वारा यह संकल्प भी लिया गया कि हर महीने नियमित रूप से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा, ताकि महिलाएं अपने मासिक धर्म के दौरान सुरक्षित एवं स्वच्छ जीवन जी सकें। इस अवसर पर अर्थ एक प्रयास की टीम ने अपने मूल उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता को भी विस्तार से साझा किया। ग्रामीणों को शिक्षा के महत्व को समझाया गया और उन्हें अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए शिक्षा को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया गया।

छात्रा सोनाक्षी चन्द्रा को किया गया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल, जमशेदपुर की मेधावी छात्रा सोनाक्षी चन्द्रा को आईसीएसई 10वीं परीक्षा में 97.60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा, पूर्वी सिंहभूम जिला की ओर से सम्मानित किया गया। रविवार को महासभा के जिला कार्यवाहक अध्यक्ष राकेश साहू के नेतृत्व में पदाधिकारियों का दल छात्रा के घाघीडीह स्थित मां तारिणी कॉलोनी स्थित आवास पहुंचा, जहां अंगवस्त्र और सम्मान पत्र देकर उसे सम्मानित किया गया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर राकेश साहू ने कहा कि समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करने से उनका मनोबल बढ़ता है और वे आगे और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष समाज के जितने भी छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, सभी को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही भविष्य में प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष योजनाएं भी बनाई जाएंगी। छात्रा सोनाक्षी चन्द्रा के पिता शैलेन्द्र कुमार साहू समाज के जिला सचिव हैं, जबकि उनकी माता का नाम चन्द्रकला कुमारी है। इस सम्मान समारोह के दौरान परिवार के सदस्यों के साथ समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दो प्राथमिक विद्यालयों की बदहाली, जर्जर भवन और सुरक्षा के अभाव में पढ़ने को मजबूर बच्चे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : झारखंड सरकार भले ही शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के दावे कर रही हो, लेकिन धनबाद के टुंडी प्रखंड से जो तस्वीरें सामने आई हैं, वो इन दावों की पोल खोल रही हैं। बैगनरिया पंचायत के गुवाकोला और सालपहाड़ प्राथमिक विद्यालयों में बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। कहीं जर्जर भवन खतरा बना हुआ है, तो कहीं सुरक्षा के नाम पर कुछ भी नहीं है। टुंडी प्रखंड के गुवाकोला प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक चंदन कुमार ने बताया कि यहां 63 बच्चे शिक्षा हासिल करने आते हैं। लेकिन जिस भवन में ये बच्चे बैठते हैं, वो पूरी तरह जर्जर हो चुका है। छत कभी भी गिर सकती है, दीवारों में दरारें साफ नजर आती हैं। ऐसे में हर दिन यहां पढ़ाई नहीं, बल्कि खतरे के बीच गुजारना पड़ता है।
वहीं दूसरी तरफ सालपहाड़ प्राथमिक विद्यालय की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। विद्यालय के प्रभारी शिक्षक अरविंद टुडू ने बताया कि यहां नया भवन तो बना दिया गया, लेकिन चहारदीवारी नहीं होने के कारण स्कूल पूरी तरह असुरक्षित है। चोरों ने स्कूल की पानी टंकी का मोटर तक चुरा लिया है। 47 बच्चों वाले इस स्कूल में एक ही शिक्षक के भरोसे पढ़ाई चल रही है। ऊपर से पुराना जर्जर भवन अब भी खड़ा है, जो कभी भी गिरकर बड़ा हादसा कर सकता है। एफआईआर के बावजूद चोरी गई मोटर का अबतक कोई सुराग नहीं मिला है, और ना ही सुरक्षा के लिए कोई ठोस कदम उठाया गया है।

कर्णपुरा बचाव संघर्ष समिति के बैनर तले कंपनियों के खिलाफ की गई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रखंड क्षेत्र में कोयला खनन कंपनियों के विरुद्ध कर्णपुरा बचाव संघर्ष समिति कर्णपुरा क्षेत्र के रैयतों की बैठक रविवार को बादम के राउतपारा स्थित पुल पीढ़ीस्थान के पास विकास कुमार उर्फ विनय कुमार की अध्यक्षता में की गई। बैठक में कोल कंपनियों के विरुद्ध संघर्षशील तमाम सदस्यों ने उपस्थित होकर अपना अपना विचार दिया। मौके पर सभा अध्यक्ष विकास कुमार उर्फ विनय कुमार ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हम किसी भी कीमत पर किसी भी कोल कंपनी को अपना एक इंच भी जमीन नहीं देंगे। क्योंकि जमीन हमारी पहचान है। इसी से हमारा घर परिवार चलता है। इसके बिना हमारा जीवन संभव नहीं है। आगे उन्होंने बताया कि जल्द ही एक बड़ा रैली के माध्यम से हजारीबाग उपायुक्त को कोल कंपनियों के विरुद्ध ज्ञापन सौंपा जाएगा। जिसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। और जल्द ही इस कार्यक्रम को लेकर तिथि भी निर्धारित किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से विकाश कुशवाहा, संजय महतो, रवि दांगी, अधिवक्ता अनिरुद्ध दांगी, विकास कुमार, नवीन साव, दिनेश महतो, रणवीर कुमार, हुलास साहू, कुलेश्वर महतो, मनोज पासी, छोटन कुमार, उपेंद्र कुमार, पारस कुमार, जीतन गोप, अशोक यादव, बालेश्वर कुमार, चंदन कुमार,सुरेंद्र कुमार, दिनेश साव, सफदर इमाम, श्याम कुमार, गोविंद महतो, सहित दर्जनों की संख्या में लोग मौजूद थे।

पुलिस ने 282 किलो अवैध डोडा बरामद, तस्कर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : झारखंड के चतरा जिले में पुलिस ने नशे के सौदागरों के खिलाफ एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल की है। चतरा पुलिस ने प्रतापपुर थाना क्षेत्र से भारी मात्रा में अवैध डोडा जब्त किया है। तस्करों ने पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए धान की बोरियों के नीचे डोडा छिपा रखा था, लेकिन पुलिस की सतर्कता ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया।

धान की आड़ में चल रहा था प्रतिबंधित नशे का काला खेल..

एसडीपीओ सदर संदीप सुमन नें बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुंदा की ओर से एक मालवाहक ऑटो में धान की बोरियों के नीचे छिपाकर अवैध डोडा बिहार भेजा जा जा रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद चतरा एसडीपीओ के नेतृत्व में प्रतापपुर थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी व सशस्त्र बल के जवानों की एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने प्रतापपुर थाना क्षेत्र के बलवादोहर गांव के पास घेराबंदी कर चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान कुंदा की तरफ से आ रहे एक भूरे रंग के ऑटो (रजिस्ट्रेशन संख्या JH02BG-2536) को रोका गया। जब ऑटो की सघन तलाशी ली गई, तो ऊपर रखी धान की बोरियों के नीचे से कुल 10 बोरियों में भरा 282 किलोग्राम अवैध डोडा बरामद हुआ। एसडीपीओ नें बताया कि बरामद डोडे का अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 42 लाख रुपये आंकी जा रही है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नें बताया कि चतरा पुलिस नशा मुक्त जिला बनाने की दिशा में निरंतर अभियान चला रही है। यह कार्रवाई उसी का हिस्सा है। हमने अवैध डोडा के साथ एक तस्कर अजय कुमार साव को गिरफ्तार किया है। उन्होंने नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त हर अपराधी को चेतावनी देते हुए कहा कि या तो वे यह धंधा छोड़ दें या जेल जाने के लिए तैयार रहें। पुलिस की पैनी नजर हर संदिग्ध गतिविधि पर है और आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बिहार में खपाने की थी तैयारी, आरोपी गया जेल..!

एसडीपीओ नें बताया कि पूछताछ में पता चला कि इस खेप को ड्राई स्टेट बिहार में खपाने की तैयारी थी, जहां प्रतिबंधित पदार्थों की मांग अधिक रहती है। पुलिस ने मौके से प्रतापपुर थाना क्षेत्र के गोमे निवासी 27 वर्षीय तस्कर अजय कुमार साव को गिरफ्तार किया है। इस मामले में प्रतापपुर थाना में एनडीपीएस एक्ट और 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। चतरा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे इस निरंतर अभियान ने तस्करों के बीच हड़कंप मचा दिया है।

भारतः एकात्म चिंतन की जन्मभूमि

हम सब सोचते हैं। अनेक प्रश्न उठते हैं। प्रश्न स्वयं को जानने का भी है। संसार और स्वयं का बोध जरूरी है। प्रश्न बड़ा है- कैसे जानें इस असीम संसार को। समझ छोटी अति अल्प और संसार बड़ा। प्रश्न और भी हैं। जैसे सृष्टि क्या है? सृष्टि का कोई निमार्ता भी है क्या? यह सृष्टि नहीं थी तो क्या था? जो था वह क्या था? क्या शून्य था? क्या सृष्टि ऊर्जा का खेल है? पृथ्वी जल, अग्नि और आकाश प्रत्यक्ष है। इनका सारभूत क्या हैं? सूर्य चन्द्र और तारागण कहां से प्रकाश पाते हैं? सृष्टि निर्माण का आदि तत्व क्या है? कोई परमतत्व है क्या? क्या एक तत्व से ही यह सृष्टि बनी? या सबका साझा प्रयास यह सृष्टि है? सृष्टि और हमारे सम्बंध क्या हैं? आदि। आखिरकार अस्तित्व को कैसे जाने? कैसे शांत करें जिज्ञासा को? कठिनाई दूसरी भी है- जितना देखते हैं, उतने का सार तत्व कैसे ग्रहण करें? हमारी जीवन दृष्टि क्या हो? इंटरनेट ने लाखों-करोड़ों सूचनाएं भर दी हैं। किसे छोडें.? किसे पढ़ें? क्या शास्त्र पढें.? पढ़ें तो विवेचन विश्लेषण कैसे करें? जानने के लिए सोचना जरूरी है और सोचने के पहले ठीक से देखना भी। देखने की एक दृष्टि वैदिक पूर्वजों ने दी है। बाद के इतिहास और दर्शन में प्रायः उसी विवेक को आधार बनाया गया है। इस समझ को प्राप्त करने का दुनिया का सबसे पुराना ग्रंथ है ऋग्वेद। भारत के लोगों ने ऋग्वेद की रचना के पहले ही वैज्ञानिक चिन्तन प्रारम्भ कर दिया था। ऋग्वेद में इसी सोच-विचार के दर्शन हैं। चिंतन की यह दृष्टि निर्णयात्मक नहीं है। दर्शन और विज्ञान निर्णयात्मक नहीं होते। जहां तक जान लिया, वहीं रूक जाना उचित नहीं होता। सामान्य धारणा है कि विश्व किसी शक्ति द्वारा बनाया गया है। सृष्टि निर्माण "विश्वकर्म" है। सृष्टि निमार्ता को विश्वकर्मा कहा गया है। ऋग्वेद के एक दार्शनिक सूक्त (10.81) के देवता विश्वकर्मा हैं। ऋषि पूछते हैं "सृष्टि निर्माण के पहले वे कहां पर बैठे?" प्रश्न उचित है। जब पृथ्वी, आकाश आदि थे ही नहीं तो विश्वकर्मा ने कहां बैठकर यह सृजन कर्म पूरा किया? पूछते हैं कि "सृष्टि निर्माण का मूल द्रव्य क्या था? वह वन, वृक्ष कौन-सा था? जिससे विश्वकर्मा ने सामग्री ली और विराट विश्व बनाया? यह सब मनीषी लोग जानने का प्रयास करें।" स्तुति है कि "वे विश्वकर्मा मित्र भाव से हमें ज्ञान दें।" ऋग्वेद के एक ऋषि देवताओं के भी पहले का विचार करते हैं कि "देवताओं के पहले युग समय में असत से सत का जन्म हुआ।" (10.72) यह युग विचारणीय है। तब देवता भी नहीं हैं लेकिन "समय" है। ऋग्वेद में सत का अर्थ व्यक्त है और असत का अव्यक्त। नासदीय सूक्त (10.129) में प्रकृति सृष्टि के सम्बंध में और भी गहन चिन्तन हैं "तब न सत्य था और न असत्य। आकाश से परे भी कुछ नहीं था-नो व्योमा परो यत। अंधकार था।" यहां अंधकार प्रकाश का अभाव नहीं है। अंधकार का अस्तित्व है। इसी तरह एक और महत्वपूर्ण अस्तित्व "वह एक" था। ऋषि के अनुसार वह एक-तत्य एकं अपनी शक्ति के दम पर वायुहीन दशा में भी प्राण ले रहा था। ऋग्वेद का "वह एक" सृष्टि के पहले भी है। उस समय जल भी है- अप्रकेत सलिलं। फिर काम उत्पन्न हुआ। इसके बाद प्रकाश की दीप्ति चारों ओर फैल गयी। फिर विसृष्टि हुई।" फिर कहते हैं "क्या पता ऊंचे आकाशें में बैठा सृष्टि का अध्यक्ष सृष्टि रचना की बात जानता है? या वह भी न जानता? यह विवरण रोमांचक है। यहां शुद्ध वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया गया है। क्या अंधकार होता है? या प्रकाश के अभाव का नाम ही अंधकार है। अंधकार सृष्टि के पूर्व भी है। संभवतः आकाश या प्रकाश का सूक्ष्म रूप। "वह एक" बिना वायु ही प्राण ले रहा था। क्या प्राण का विकास वायु हो सकती है। काम का जन्म भी सृष्टि के साथ हुआ। यह ताप या अग्नि ऊर्जा का सूक्ष्म रूप हो सकता है। सबसे अंत में है-विसृष्टि। विसृष्टि-सृष्टि है, इसमें पृथ्वी भी है। भारतीय चिंतन में आकाश सूक्ष्मतम है। आकाश से वायु, वायु के बाद अग्नि, इसके बाद जल और फिर पृथ्वी। सृष्टि का विकास किसी एक तत्व से हुआ है। यहां आकाश प्रमुख तत्व है।

सूडोकु नवताल- 7784

★☆☆☆☆ सरल

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7783 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

हीटवेव की मार से हरियाणा-पंजाब की खेती और किसानों की आय दोनों संकट में

डॉ. सत्यवान सौरभ

जलवायु परिवर्तन के इस निर्णायक दौर में चरम गर्मी अब केवल एक मौसमी विचलन नहीं रह गई है; यह एक गहरे संरचनात्मक संकट के रूप में उभर रही है, जो वैश्विक खाद्य प्रणालियों की बुनियाद को हिला रही है। बढ़ते तापमान और तीव्र होती हीटवेव्स ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य आपूर्ति शृंखलाओं को एक ऐसे दबाव में ला खड़ा किया है, जहां हर कड़ी कमजोर पड़ती दिख रही है। वैज्ञानिक और नीति-निर्माता अब इसे एक "रिस्क मल्टीप्लायर" के रूप में पहचान रहे हैं—ऐसा कारक जो न केवल स्वयं नुकसान पहुंचाता है, बल्कि अन्य जोखिमों को भी कई गुना बढ़ा देता है। यदि अब निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो चरम गर्मी आने वाले दशकों में वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा व्यवस्थित खतरा बन जाएगी।

चरम तापमान का सबसे प्रत्यक्ष और स्पष्ट प्रभाव फसलों पर पड़ता है। यह स्थापित तथ्य है कि 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान गेहूं, चावल और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के लिए प्रतिकूल होता है। अधिक तापमान पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को बाधित करता है, परागण को प्रभावित करता है और दानों के विकास को अधूरा छोड़ देता है। परिणामस्वरूप उत्पादन में गिरावट आती है, जो कई मामलों में 10 से 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह केवल मात्रा की समस्या नहीं है—गर्मी के कारण अनाज का पोषण स्तर भी घटता है, जिससे खाद्य गुणवत्ता प्रभावित होती है। इस प्रकार, यह संकट उत्पादन और पोषण दोनों को एक साथ चोट पहुंचाता है।

पशुपालन क्षेत्र भी इस तापीय दबाव से अछूता नहीं है। उच्च तापमान के कारण पशुओं में हीट स्ट्रेस बढ़ता है, जिससे उनकी उत्पादकता पर सीधा असर पड़ता है। डेयरी पशुओं में दूध उत्पादन में कमी, मुर्गियों में अंडा उत्पादन का घट जाना और सूअरों में वृद्धि दर का धीमा होना इसके प्रमुख उदाहरण हैं। चरम परिस्थितियों में पशुओं की मृत्यु तक हो सकती है, जिससे किसानों की आय पर गंभीर चोट पड़ती है। मत्स्य पालन में स्थिति और भी जटिल हो जाती है—समुद्री तापीय लहरों के कारण जल में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा घटती है, जिससे मछलियां तनावग्रस्त हो जाती हैं और उनका जीवित रहना कठिन हो जाता है। इस तरह, अत्यधिक गर्मी खाद्य उत्पादन के सभी प्रमुख स्त्रोतों को एक साथ प्रभावित कर रही है।

लेकिन असली चुनौती तब सामने आती है जब ये प्रभाव एक-दूसरे को बढ़ाने लगते हैं। चरम गर्मी सूखे को जन्म देती है, जिससे जल संसाधनों पर अभूतपूर्व दबाव पड़ता है। सिंचाई के लिए पानी की कमी फसलों की उत्पादकता को और घटा देती है, जबकि पशुओं और मनुष्यों के लिए जल संकट गंभीर रूप ले लेता है। इसके अलावा, उच्च तापमान कीटों और रोगों के प्रसार के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा करता है। टिड्डी दल जैसी घटनाएं अधिक बार और अधिक तीव्रता से देखने को मिल रही हैं, जो कुछ ही दिनों में विशाल फसल क्षेत्र को नष्ट कर सकती हैं। इस प्रकार, तापमान वृद्धि केवल एक अलग-थलग समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसे चक्र का हिस्सा है जो लगातार खुद को मजबूत करता जाता है।

वन क्षेत्रों में भी इसका गहरा प्रभाव दिखाई देता है। बढ़ती गर्मी और सूखे के कारण जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे जैव विविधता को नुकसान पहुंचता है और कार्बन चक्र बाधित होता है। यह एक खतरनाक दुष्चक्र को जन्म देता है—जंगलों की आग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो आगे तापमान वृद्धि को और तेज करता है, और यह वृद्धि फिर नई आग की घटनाओं को जन्म देती है। इस चक्र का प्रभाव अंततः कृषि और खाद्य प्रणालियों पर ही पड़ता है।

चरम गर्मी का एक महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर अनदेखा पहलू श्रम उत्पादकता पर इसका प्रभाव है। कृषि क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक, विशेषकर विकासशील देशों में, अत्यधिक तापमान के कारण काम करने में असमर्थ हो जाते हैं। जब "गीला बल्ब तापमान" एक निश्चित सीमा से ऊपर पहुंच जाता है, तो मानव शरीर के लिए लंबे समय तक काम करना जानलेवा हो सकता है। यह स्थिति एक प्रकार का "हीट-इकोनॉमी ट्रैप" पैदा करती है, जहां गर्मी सीधे श्रम, उत्पादन और आय—तीनों को सीमित कर देती है। अनुमान है कि दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में साल के सैकड़ों दिन ऐसे हो सकते हैं, जब श्रमिकों के लिए काम करना संभव नहीं रहेगा। इसका सीधा असर किसानों और मजदूरों की आय पर पड़ता है, जिससे आर्थिक असुरक्षा बढ़ती है।

इन सभी प्रभावों का सम्मिलित परिणाम एक "कैस्केडिंग फेल्योर" के रूप में सामने आता है। जब फसलें असफल होती हैं, पशुधन प्रभावित होता है और श्रमिक काम नहीं कर पाते, तो खाद्य आपूर्ति शृंखला टूटने लगती है। इसका सीधा असर बाजार पर पड़ता है—खाद्य कीमतें बढ़ती हैं, जिससे गरीब और कमजोर वर्गों के लिए भोजन तक पहुंच और कठिन हो जाती है। यह स्थिति कुपोषण, गरीबी और सामाजिक अस्थिरता को जन्म देती है। कई क्षेत्रों में यह प्रवासन को भी बढ़ावा देती है, जहां लोग जीविका की तलाश में अपने घर छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इस प्रकार, चरम गर्मी एक पर्यावरणीय समस्या से कहीं अधिक—एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक संकट बन जाती है।

भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह चुनौती और भी गंभीर है। हरियाणा, पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में हाल के वर्षों में हीटवेव्स के कारण गेहूं और चावल की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा गया है। विशेष रूप से देर से बोई गई फसलों पर इसका असर अधिक पड़ता है, जिससे उत्पादन में 10 से 15 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। भारत की हरित क्रांति का केंद्र रहे ये क्षेत्र अब जलवायु अस्थिरता के सबसे बड़े प्रयोगशाला बनते जा रहे हैं। इसके साथ ही, भूजल का अत्यधिक दोहन और बढ़ती गर्मी मिलकर जल संकट को और गहरा कर रहे हैं, जो कृषि की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है। इस संकट का प्रभाव समान रूप से वितरित नहीं है। छोटे और सीमांत किसान, महिलाएं और युवा सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। उनके पास सीमित संसाधन, कम तकनीकी जानकारी और जोखिम उठाने की कम क्षमता होती है। परिणामस्वरूप, वे जलवायु परिवर्तन के इस बढ़ते दबाव के सामने अधिक असुरक्षित हो जाते हैं। इस प्रकार, अत्यधिक गर्मी केवल पर्यावरणीय चुनौती नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को भी गहरा करने वाला कारक बन रही है।

ऐसे में समाधान की दिशा में ठोस और बहुआयामी रणनीतियों की आवश्यकता है। सबसे पहले, अनुकूलन पर ध्यान देना होगा। जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियां—जैसे गर्मी-सहनशील बीजों का उपयोग, फसल विविधीकरण, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई, तथा छायादार खेती—इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इसके अलावा, मौसम पूर्वानुमान और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करना आवश्यक है, ताकि किसान समय रहते अपने निर्णय बदल सकें और नुकसान को कम कर सकें।

पशुपालन के क्षेत्र में भी सुधार की आवश्यकता है। बेहतर वेंटिलेशन वाले शेड, पर्याप्त जल उपलब्धता और चयनात्मक प्रजनन जैसी तकनीकों के माध्यम से पशुओं को गर्मी के प्रभाव से बचाया जा सकता है। साथ ही, बीमा योजनाओं और वित्तीय सहायता के जरिए किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना भी आवश्यक है, ताकि वे जलवायु जोखिमों का सामना कर सकें।

नीतिगत स्तर पर, सरकारों को एक समग्र और दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। जल संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण और सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन और अन्य कृषि योजनाओं को जलवायु परिवर्तन के अनुरूप पुनर्गठित करने की आवश्यकता है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग बढ़ाना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना अनिवार्य है, क्योंकि दीर्घकालिक समाधान केवल शमन के माध्यम से ही संभव है।

अंततः, यह समझना आवश्यक है कि चरम गर्मी का यह संकट एक चेतावनी है—एक ऐसा संकेत जो हमें बताता है कि हमारी विकास प्रणाली प्रकृति की सीमाओं से टकरा रही है। खाद्य प्रणालियों को सुरक्षित रखने के लिए हमें केवल तकनीकी और नीतिगत बदलाव ही नहीं, बल्कि अपने दृष्टिकोण में भी परिवर्तन लाना होगा। सततता, लचीलापन और समावेशिता को केंद्र में रखकर ही हम इस चुनौती का सामना कर सकते हैं।

वक्त साफ है—या तो हम अभी कार्रवाई करें, या भविष्य में खाद्य असुरक्षा की भारी कीमत चुकाएं।

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

महाशक्ति के पतन का कारण बनती मासूमों की शहादत

तनवीर जाफरी

अमेरिका व इस्त्राईल द्वारा गत 28 फरवरी से ईरान पर किये गये संयुक्त हमलों में हालाँकि ईरान में मरने वालों की संख्या सूत्रों द्वारा अलग अलग बताई जा रही है। परन्तु अनुमानतः इन हमलों में अब तक लगभग 6,000 से भी अधिक ईरानी नागरिकों लोगों के मारे जाने की संभावना है। जबकि लगभग 26,500 से भी अधिक लोगों के घायल होने के आंकड़े सामने आये हैं। परन्तु ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह सैय्यद अली खामनेई,अनेक उच्चस्तरीय नेता,अधिकारी व वैज्ञानिकों की हत्या से भी अधिक चर्चा ईरान में हुये जिस एक हमले को लेकर हो रही है वह है दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर के एक प्राइमरी स्कूल पर 28 फरवरी को अमेरिकी वायु सेना द्वारा किया गया वह हमला जिसने हमले के समय स्कूल में पढ़ रहे 168 मासूम बच्चों को शहीद कर दिया। ईरान ने मुख्य रूप से इसी एक हमले को रेखांकित करते हुये विश्वशांति की बात करने वाले अमेरिका को पूरी दुनिया में बेनकाब करने की मुहिम चलाई। इतना ही नहीं बल्कि इसी हमले ने मानवीय संवेदना रखने वाले कई अमेरिकी सांसदों व उच्चाधिकारियों को भी आवाज उठाने को मजबूर किया।

याद कीजिये गत 10 अप्रैल 2026 को जब एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका से बात चीत करने के मकसद से इस्लामाबाद पहुंचा था और अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वार्ता का नेतृत्व कर रहे थे उस समय ईरानी प्रतिनिधिमंडल जिस # Minab 168 अंकित विमान में बैठकर इस्लामाबाद आया था उस विमान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। ईरानी स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ,ईरानी विदेश मंत्री अरागची व ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने इसी # Minab 168 नामक विमान से ही तेहरान से पाकिस्तान की यात्रा की थी। इस विमान में आगे की 168 सीटों पर अमेरिकी हमले में शहीद हुये बच्चों की तस्वीरें रखी गईं। हर सीट पर उनके खून से सने हुये क्षतिग्रस्त स्कूल बैग व शहीद बच्चों के जूते व साथ ही उन्हें श्रद्धांजलि देने हेतु फूल भी रखे गये थे। यह पहला मौका था जबकि ईरान जैसे किसी साहसी देश ने स्वयं को महाशक्ति बताने वाले अमेरिका के वास्तविक क्रूर चेहरे को इस निराले अंदाज से बेनकाब किया था। # Minab 168 विमान केवल पाकिस्तान ही नहीं आया बल्कि अरागची 26-27 अप्रैल को इसी विमान पर सवार होकर इस्लामाबाद और ओमान के दौरे के बाद रूस भी पहुंचे। जहां उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से महत्वपूर्ण मुलाकात की।

अमेरिका में भी मिनाब के शहीद मासूमों का खून सर चढ़कर बोलता दिखाई दे रहा है। इस हमले को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप को राजनीतिक और सड़क स्तर पर भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। डेमोक्रेट्स द्वारा साफ तौर पर इसे गैर जिम्मेदाराना अमेरिकी हमला मानकर ट्रंप प्रशासन से इस हमले की जिम्मेदारी स्वीकार करने की मांग रहे हैं। क्योंकि जांच में अमेरिकी टोमाहॉक मिसाइल इस्तेमाल होने की पुष्टि हो चुकी है। यह मिसाइल केवल अमेरिका के पास ही है। अमेरिकी डेमोक्रेट सांसदों ने पेंटागन से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुये रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से जवाब भी तलब किया है। इन अमेरिकी सीनेटर्स ने इसे हताहत होने वाला दशकों का सबसे बुरा नागरिक मामला बताया है साथ ही ट्रंप प्रशासन पर अपनी जवाबदेही स्वीकार न करने का भी आरोप लगाया गया है। कई सीनेटर्स तो इसे अमेरिकी सेना की "भयानक गलती" भी बता रहे हैं। इसी मिनाब घटना को लेकर अमेरिका में कई जगह सड़कों पर भी प्रदर्शन हुये हैं। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर सैन फ्रांसिस्को, शिकागो और मिल्वौकी तक में कई जगह में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे और उन्होंने "हैंड्स ऑफ ईरान" के नारे लगाए। यहाँ की कैपिटल हिल पर प्रतीकत्मक रूप से बच्चों के स्कूल बैग रखकर विरोध प्रदर्शन हुआ। इसमें कई डेमोक्रेट सांसद भी शामिल हुये थे। हद तो यह है कि व्हाइट हाउस के बाहर इसी अप्रैल में हुए व्यापक प्रदर्शनों में ट्रंप को युद्ध अपराधी बताकर उसे हटाने की भी जोरदार मांग हुई।

बहरहाल,इस्त्राईल हो या उसका संरक्षक अमेरिका,इन दोनों ही देशों ने विश्व अनेक देशों में 'युद्धापराध' अंजाम देने के अनेक क्रूरतम इतिहास लिखे हैं। सही मायने में तो 'युद्धापराध' अंजाम देने के यह आदी हो चुके हैं। याद कीजिये 1960-70 के मध्य लंबे समय तक चले वियतनाम युद्ध को। यही अमेरिका है जिसने बड़ी बेरहमी से यहाँ लाखों लोगों की हत्यायें की थीं। इनमें एक दिल दहलाने वाली घटना दक्षिण वियतनाम के माई लाई गांव में हुई थी जहाँ न केवल 500 से अधिक निहत्थे नागरिकों जिनमें महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग शामिल थे की हत्या की गई थी बल्कि उनका सामूहिक बलात्कार किया गया उनके शवों का जलाया गया व अपमान किया गया था। पूरे के पूरे कई गांव जला दिए गये थे। इसी तरह 2003 के ईराक युद्ध के दौरान अबूगरेब जेल में कैदियों की प्रताड़ना के अलावा इराक में कई नागरिक नरसंहार की घटनाएं हुईं। इसी तरह अफगानिस्तान में भी नागरिक हत्या,बलात्कार जैसे कई कारनामे उजागर हुए थे। अमेरिका की तर्ज पर इस्त्राईल भी लेबनॉन,पश्चिमी किनारे व गजा के इलाकों में मानव नरसंहार के कई इतिहास लिख चुका है। यह तो इतने क्रूर हैं कि भूखे बच्चों को पहले खाने पानी की लालच देकर भीड़ इकट्ठी करते हैं उसके बाद उन मजबूरों को खाना पानी देने के बजाये उनपर बंबारी कर हत्याएं कर देते हैं। इस्त्राईली प्रधानमंत्री तो इस समय अंतर्राष्ट्रीय अदालत का वांछित मुजरिम भी है।

परन्तु इस बार इनका पाला पड़ा था ईरान में मिनाब के मासूमों से। इनकी चीख पुकार व बद्दुआएं पूरे विश्व में इस कद्र गूँज रही हैं कि मानवीय ह्रदय रखने वाले अमेरिकी भी इस घटना से सदमे में हैं तथा वे यह महसूस कर रहे हैं कि यह घटना कहीं वैश्विक अमेरिकी चौधर के पतन का कारण न बन जाये। तभी ट्रंप प्रशासन इस घटना से पल्ला झाड़ने की असफल कोशिश करता भी दिखाई देता है। परन्तु वास्तविकता तो यह है कि मिनाब स्कूल हमले की वजह से और ईरान युद्ध नीति के चलते ही अमेरिका में ट्रंप की लोकप्रियता नकारात्मक 20-23% तक गिर गई है। इसी तरह के विरोध के चलते ट्रंप ने अपने कई अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया जबकि कई ने इस्तीफा देकर अपनी इज्जत बचने में ही अपनी भलाई समझी। कहना गलत नहीं होगा कि मासूमों की शहादत को याद दिलाने वाला प्रतीक # Minab 168 पूरे विश्व में नरसंहार की इबारत लिखने वाली महाशक्ति को बेनकाब कर छोड़ेगा तथा इसके पतन का कारण भी बनेगा।

राजस्व न्यायालयों में लाखों वाद निस्तारण को लेकर राजस्थान की पहल

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देश में राजस्व विवादों से संबंधित लाखों की संख्या में प्रकरण राजस्व न्यायालयों में निस्तारण के अभाव में पेंडिंग पड़े हैं। इनमें से हजारों की संख्या में ऐसे प्रकरण भी मिल जाएंगे जो तीस साल से भी अधिक समय से निर्णय के इंतजार में हैं। राजस्व न्यायालयों में विवाद के ये प्रकरण केवल राजस्व रेकार्ड में संशोधन कर सुधार के हैं क्योंकि मालिकाना हक तय करने के मामले तो सिविल कोर्ट द्वारा निर्णित किये जाते हैं। रेवेन्यू कोर्ट में मुख्यतः म्यूटेशन, भूमि का बंटवारा, जमीन के सीमांकन, भूमि पर अतिक्रमण, दस्तावेजों में सुधार, लगान या इस तरह के विवाद या फिर पट्टेदारी के विवाद से संबंधित विवाद निर्णय के लिए आते हैं। आरसीसीएमएस जैसी कम्प्यूटरीकृत व्यवस्था होने के बावजूद इसमें कोई खास सुधार नहीं देखा जा रहा है। होता यह है कि इस तरह के विवादों या प्रकरणों के निर्णित होने में भी पीढ़ी दर पीढ़ी निर्णय के लिए तारीख दर तारीख न्यायालयों के चक्कर लगाते रहते हैं। यह अपने आप में गंभीर समस्या है पर इसका निराकरण सरकारों की इच्छा शक्ति और व्यवस्था में सुधार से आसानी से किया जा सकता है। खास बात यह कि इस तरह के लाखों की संख्या में विवाद निर्णय के अभाव में पेंडिंग पड़े हैं। राजस्थान की सरकार ने लंबित प्रकरणों को लेकर महत्वपूर्ण पहल की है। अब पीठासीन अधिकारियों को प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक नियमित सुनवाई करने के साथ ही प्रकरणों के निष्पादन की टाइम लाइन और मॉनेटरिंग व्यवस्था को सुदृढ़ किया है। यह कोई अकेले राजस्थान का ही मुद्दा नहीं है अपितु सभी राज्यों में इस तरह के विचाराधीन प्रकरणों की संख्या बहुत चिंतनीय स्थिति में है। गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है और ऐसे भी उदाहरण देखने को मिलता है कि कई राजस्व न्यायालयों में तो सालभर में एक-एक केस का निस्तारण तक देखने को मिलता है। यह अपने आप में गंभीर होने के साथ कहीं-ना-कहीं हमारी व्यवस्था के लिए भी चुनौती से कम नहीं है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अनुसार राजस्व न्यायालयों के सुदृढ़ीकरण और लंबित वादों का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता है। अकेले राजस्थान की ही आंकड़ों में बात की जाए तो इस तरह के 6 लाख 72 हजार वाद रेवेन्यू न्यायालयों में विचाराधीन चल रहे हैं। इनमें से करीब 64 प्रतिशत 4.31 लाख के वाद उपखण्ड अधिकारी के न्यायालयों में निर्णयाधीन है। चिंतनीय यह है कि 6 हजार के करीब वाद तो ऐसे हैं जो 20 से 30 साल के बीच निर्णय के प्रतीक्षा में हैं। राजस्थान के प्रमुख सचिव राजस्व टी. रविकान्त ने इस तरह के प्रकरणों को लेकर गंभीरता दिखाई और रिव्यू के बाद इस तरह की व्यवस्था चाक-चौबंद करने के निर्देश जारी कराने की पहल की है कि राजस्व न्यायालयों में विचाराधीन वादों की समयबद्ध नियमित सुनवाई हो, तारीखों पर तारीखें नहीं दी जाएं और पक्ष-प्रतिपक्ष को समुचित अवसर देते हुए वादों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाएं। प्रमुख सचिव राजस्व राजस्थान टी. रविकान्त ने व्यवस्था में सुधार और संवेदनशील प्रशासन का परिचय देते हुए मुख्य सचिव राजस्थान वी. श्रीनिवास ने परिपत्र जारी कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किये हैं। यह कोई राजस्थान की नहीं अपितु इस तरह की पहल की सभी राज्य सरकारों द्वारा किये जाने की आवश्यकता है।

राजस्व न्यायालयों में विचाराधीन वादों के निस्तारण में मुख्यतः तीन कारण सामने आते हैं। इनमें भी सबसे प्रमुख कारण संबंधित पटवारी, गिरदावर, तहसीलदार द्वारा मौका रिपोर्ट सालों तक प्रस्तुत नहीं करना देखा गया है। एक अन्य कारण राजस्व न्यायालयों से जुड़े कार्मिकों को न्यायिक प्रक्रिया के संबंध में प्रशिक्षित किया जाना आवश्यक हो जाता है। आवश्यक न्यायिक प्रक्रिया की जानकारी के अभाव में भी देरी होती है। इसके अलावा एक अन्य कारण जो कि सर्वविदित है और वह है न्यायालय के नोटिस का तामील नहीं होना भी है। तामीली के अभाव में समय अधिक लग जाता है। इसके अलावा तारीख-पर-तारीख और लंबी तारीख देने की परपंरा भी वादों के निस्तारण की बड़ी बाधा है।

राजस्थान का संदर्भ इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि इन कारणों को गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट निर्देश जारी किये गये हैं। अब राजस्व पीठासीन अधिकारियों को कार्य दिवस में प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक आवश्यक रुप से न्यायालय आयोजित करेंगे। इसमें किसी तरह का अवरोध ना हो इसके लिए यह भी निर्देशित किया गया है कि आवश्यक कार्यों से आयोजित होने वाली वर्चुअल बैठकें वीसी आदि 2 बजे बाद ही आयोजित की जाएगी। यह अपने आप में महत्वपूर्ण और सकारात्मक पहल मानी जानी चाहिए। इसके साथ ही मॉनेटरिंग व्यवस्था को चाक-चौबंद करते हुए संभाग स्तरीय स्थाई एरियर रिव्यू कमेटी का गठन, रिव्यू हेतु 100-100 प्रकरण तय कर विभिन्न स्तर पर निस्तारण प्रगति रिव्यू आदि तय किया गया है।

संभागीय आयुक्त से लेकर जिला कलक्टर आदि द्वारा मासिक बैठकों व दौरों के दौरान समीक्षा की व्यवस्था की गई है। पटवारी, गिरदावर या तहसीलदार द्वारा तीन अवसर देने पर भी मौका रिपोर्ट नहीं भेजने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित करने जैसी व्यवस्था की गई है। इसी तरह से तामील व्यवस्था में एक समय बाद समाचार पत्र में प्रकाशन तक का विकल्प दिया गया है। 15 दिन से अधिक की तारीख भी नहीं देने को कहा गया है। निश्चित रुप से यह व्यवस्था इस तरह के वादों के निस्तारण में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सफल हो सकती है।

दैनिक पंचांग

4 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय
सूर्य	मेष में	वृष 06.06 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मिथुन 08.04 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क 10.18 बजे से
बुध	मेष में	सिंह 12.34 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या 14.46 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला 16.57 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक 19.11 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु 21.27 बजे से
केतु	सिंह में	मकर 23.32 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		कुंभ 01.19 बजे से
		मीन 02.52 बजे से
		मेष 04.22 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 124 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण
तिथि तृतीया अहोरात्र।
नक्षत्र अनुराधा 09.58 बजे को समाप्त।
योग परिघ 23.20 बजे को समाप्त।
करण वणिज 16.13 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 16.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 54'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872699
जूलियन दिन 2461164.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद
तारीख 16

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	05.53 से 07.22 बजे तक	चर	05.43 से 07.14 बजे तक
काल	07.22 से 08.50 बजे तक	रोग	07.14 से 08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से 10.19 बजे तक	काल	08.45 से 10.17 बजे तक
रोग	10.19 से 11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से 11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से 01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से 01.19 बजे तक
चर	01.17 से 02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से 02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से 04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से 04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से 05.43 बजे तक	चर	04.22 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

अज्ञात व्यक्ति ने एक मजदूर को मारकर किया घायल

साहिबगंज : तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत महाराजपुर गदाई दियरा निवासी एक मजदूर को अज्ञात व्यक्ति ने मारपीट कर घायल कर दिया। परिजनों ने घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया अस्पताल में चिकित्सक डॉक्टर प्रभात मलिक ने इलाज प्रारंभ कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार महाराजपुर गदाई दियारा निवासी सुभाष महतो (50) है। वही घायल के पुत्र करण महतो ने बताया कि पापा बाजार करके जा रहा था और हम लोग घर पर ही थे। पता चला कि किसी ने हाथ के कड़े से सिर पर प्रहार कर घायल कर दिया। जब हमलोग घटनास्थल पर पहुंचे तो वहां से वह व्यक्ति फरार हो गया था। आगे घायल ने बताया कि घटनास्थल पर पुलिस पहुंची थी बरहाल घायल का इलाज सदर अस्पताल में डॉक्टर के देखरेख में चल रहा है।

पुराने विवाद में महिला पर चाकू से हमला, हालत गंभीर

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र में पुरानने विवाद में एक महिला पर चाकू से हमला कर किया घायल, बताया जा रहा है कि सोतीचैकी पांगड़ो बड़ा तौफीर मदनशाही में शनिवार की रात पुरानी रंजिश में एक महिला को चाकू से शरीर पर प्रहार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। आसपास के लोगों की मदद से महिला को गंभीर स्थिति में सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। अस्पताल में चिकित्सक डॉ.कुमार अंकित ने इलाज प्रारंभ कर दिया वही महिला सोतीचैकी पांगड़ो बड़ा तौफीर मदनशाही के मुकुल गोंड की पत्नी रिंकी मोसमात(32) है। महिला ने सकरीगली मंगल बाजार के चंद्रकांत पांडे पर चाकू से हमला कर घायल करने का आरोप लगाते हुए बताई कि वे रात को गांव में ही शौंच के लिए गई थी इसबीच चंद्रकांत पांडे व मदनशाही के ही सुनीता मोसमात व एक अन्य महिला ने उसके साथ मारपीट की। इसबीच चंद्रकांत ने उसे चाकू घोंप दिया। महिला का आरोप है कि चंद्रकांत के साथ करीब दो साल से विवाद चल रहा है। महिला ने बताई कि चंद्रकांत उसका भाई का दोस्त है महिला ग्रुप से लोन पर पैसा उठाकर उसे दी थी। लेकिन अब वे पैसा नहीं लौटा रहा। इसे लेकर पहले भी विवाद हो चुका है। केस उठाने को लेकर चंद्रकांत आए दिन मारपीट व जान मारने की धमकी देता है। वहीं इस घटना में महिला को पीछे गर्दन की तरफ जख्म लगी है। जबकि दाहिना हाथ भी जख्मी हो गई है। महिला का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। इधर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मोबाइल की रौशनी में प्रसव कराया सहिया और नवजात शिशु की मौत

सरायकेला-खरसावां : सरायकेला-खरसावां जिला के राजनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कथित तौर पर मोबाइल टॉर्च की रौशनी में प्रसव की कोशिश के दौरान मां और नवजात शिशु की मौत हो गई। घटना बीते 30 अप्रैल (गुरुवार) रात की है। हाथीसिरिंग गांव की रहने वाली विनीता बानरा ने प्रसव के दौरान दम तोड़ दिया। आरोप है कि असुरक्षित प्रसव की वजह से नवजात शिशु की भी मौत हो गई। इस घटना से झारखंड में स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार के दावों की परत उधड़ गई है। इस घटना ने उन दावों की पुष्टि की है जहां कहा जाता है कि अब भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव जैसी गंभीर प्रक्रिया के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है। मृतका विनीता के पति दुर्गाचरण बानरा का आरोप है कि सीएचसी में विशेषज्ञ चिकित्सक नहीं थे। अस्पताल में बिजली नहीं थी और नर्सों ने मोबाइल टॉर्च की रौशनी में प्रसव कराने का प्रयास किया। दुर्गाचरण बानरा बताते हैं कि, बुधवार को दिन में वह अपनी पत्नी विनीता बानरा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, राजनगर लाए। सारी रिपोर्ट नॉर्मल थी।

साहिबगंज में ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर युवक से 20 लाख की ठगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

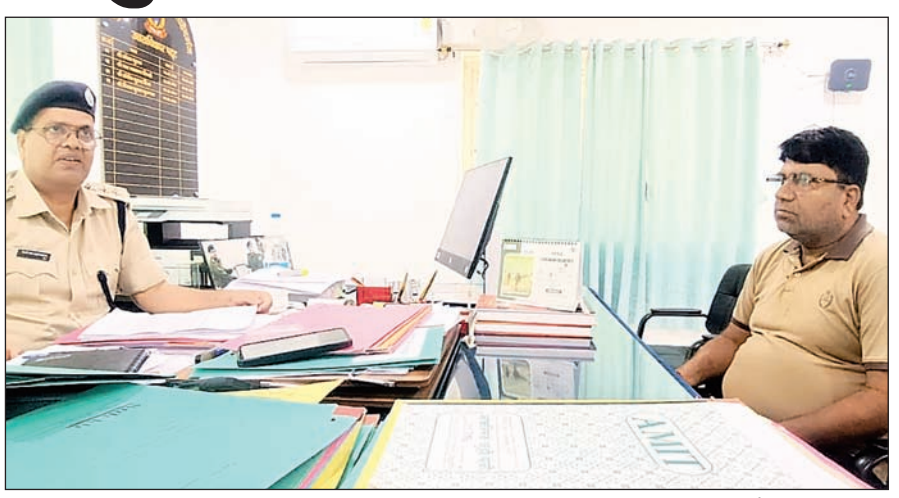

साहिबगंज : जिले में ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है। तालबन्ना निवासी विनय कुमार केसरी से 20 लाख रुपये से अधिक की रकम अलग-अलग बहानों से वसूल ली गई। पीड़ित ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक को लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। आवेदन के अनुसार जुलाई 2025 से पटना और लखनऊ की रहने वाली दिव्या मेहता नामक महिला ने व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से संपर्क कर जली कॉइन में निवेश कराने के लिए प्रेरित किया। शुरूआती दिनों में मुनाफा दिखाकर विश्वास जीत लिया गया। इसके बाद ब्रोकर हर्ष गाइडका मुंबई द्वारा ट्रेडिंग के नाम पर लगातार रकम जमा कराई जाती रही। पीड़ित ने बताया कि मुनाफे का लालच देकर पहले 30 प्रतिशत कमीशन लिया गया और बाद में 22 लाख रुपये के कथित मुनाफे पर 30 प्रतिशत वेरिफिकेशन फीस के रूप में मोटी रकम वसूली गई। इसके बाद भी ठगों का सिलसिला नहीं रुका। समय सीमा समाप्त होने का हवाला देकर 20 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क मांगा गया, जिसे जुटाने में पीड़ित को 20-25 दिन लग गए। फिर क्रेडिट स्कोर डाउन होने का बहाना बनाकर 6 लाख रुपये की और मांग की गई। ब्रोकर द्वारा आंशिक मदद का भरोसा देकर भी पीड़ित से उधार लेकर पैसे जमा कराए गए, लेकिन अंततः और रकम की मांग जारी रही। पीड़ित ने बताया कि अंतिम बार हिज कॉइन कंपनी की ओर से भुगतान कंफर्म होने और विड्रॉल की अनुमति मिलने का संदेश आया, लेकिन जब उसने पैसे निकालने के लिए संपर्क किया तो ब्रोकर का मोबाइल बंद मिला। इसके बाद से सभी आरोपी संपर्क से बाहर हैं और पीड़ित को उसकी पूरी रकम वापस नहीं मिल पाई है। पीड़ित ने प्रशासन से आरोपियों के मोबाइल नंबर के आधार पर पहचान कर कार्रवाई करने और उसकी राशि वापस दिलाने की मांग की है।

क्या कहते हैं डीएसपीः

इस संबंध में डीएसपी विजय कुशवाहा ने बताया कि मामले को पूरी तरह पारदर्शी तरीके से और तकनीकी सेल के माध्यम से जांच कर कार्रवाई की जाएगी। बहुत जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

लिट्टीपाड़ा में रैयतों की बैठक, लगान रसीद निर्गत करने की मांग तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लिट्टीपाड़ा : जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखण्ड क्षेत्र के मोहनपुर गांव में रविवार को रैयती संघर्ष समिति की ओर से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान राजाधन सोरेन ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक हेमलाल मुर्मू उपस्थित रहे। बैठक में बैजनाथपुर एवं मोहनपुर सहित आसपास के गांवों के हजारों रैयतों ने भाग लिया और अपनी जमीन की लगान रसीद कटवाने की मांग को लेकर विधायक को ज्ञापन सौंपा। रैयतों ने बताया कि पिछले कई वर्षों से उनकी जमीन की लगान रसीद निर्गत नहीं की जा रही है, जिससे उन्हें सरकारी कार्यों में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर पढ़े-लिखे युवाओं को विभिन्न प्रमाणपत्र और योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी हो रही है। रैयतों ने कहा कि छोटी-छोटी प्रशासनिक जरूरतों के लिए भी उन्हें बार-बार भटकना पड़ता है। इस गंभीर समस्या को देखते हुए उन्होंने जल्द से जल्द लगान रसीद जारी करने की मांग उठाई। वहीं विधायक हेमलाल मुर्मू ने रैयतों की मांगों को गंभीरता से लेते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि रैयतों की सहमति के बिना कोई भी निर्णय या कानून स्वीकार्य नहीं होगा। जरूरत पड़ने पर इस मुद्दे को विधानसभा में प्रमुखता से उठाया जाएगा, ताकि रैयतों के साथ किसी प्रकार का अन्याय न हो।

महिला आरक्षण बिल केंद्र सरकार जल्द लागू करे : राजद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : महिला आरक्षण बिल लागू कराने को लेकर राजद पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू राज्य के विभिन्न जिला के दौरा कर रहे है, इसी क्रम मे साहिबगंज परिसदन पहुँचने पर राजद के जिला अध्यक्ष सत्यनारायण यादव के नेतृत्व मे राजद कार्यकर्ताओ ने बुके एवं फूल माला पहनाकर स्वागत किया।इसके बाद राजद के जिला अध्यक्ष सत्यनारायण यादव की अध्यक्षता में परिसदन मे बैठक की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए राजद पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू ने केंद्र सरकार पर महिला आरक्षण बिल को लेकर महिलाओं को दिग्भ्रमित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि महिला आरक्षण के नाम पर देश की महिलाओं के साथ धोखाधड़ी की जा रही है।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2023 में महिला आरक्षण बिल पारित किया था,लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया गया है। उनका आरोप है कि सरकार संशोधन के नाम पर केवल चुनावी लाभ के लिए महिलाओं को भ्रमित करने की कोशिश कर रही है। वही राजद के जिला अध्यक्ष सत्यनारायण यादव ने कहा कि देश की महिलाएं सरकार की मंशा को समझती हैं और भाजपा की कथनी और करनी में अंतर स्पष्ट रूप से देख रही हैं। उन्होंने मांग की कि यदि केंद्र सरकार वास्तव में महिलाओं के हित में काम करना चाहती है,तो 2023 में पारित महिला आरक्षण अधिनियम को अविलंब लागू करे।उन्होंने कहा कि इस बिल के लागू होने से देश के संघीय ढांचे के सभी स्तरों पर महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ावा मिलेगा और यह एक ऐतिहासिक कदम साबित हो सकता है। वही बोरिया से चिरंजीवी प्रसाद राम एवं बरहेट से नन्दलाल साह ने अपने समर्थको के साथ राजद का सदस्यता ग्रहण किया, जहाँ प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू एवं जिला अध्यक्ष सत्यनारायण यादव ने फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया। वही सुनील साह को साहिबगंज राजद के पिछड़ा प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष बनाया। मौके पर राजद के प्रदेश सचिव मुन्ना यादव, साहिबगंज जिला उपाध्यक्ष संजय कुमार यादव, दिनेश यादव, विमल यादव, ब्राह्मदेव यादव, चिरंजीवी प्रसाद राम, रामावतार सिंह, सुमन कुमार गुप्ता, संनौल शैख, दिलीप प्रामाणिक, सोनू कुमार यादव, सचिन मंडल, नितेश कुमार यादव, नंदलाल साह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

सदर अस्पताल में डिजिटल हेल्थ सेवाओं को लेकर हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सिविल सर्जन की अध्यक्षता में सदर अस्पताल, साहिबगंज स्थित सिविल सर्जन कक्ष में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला स्तर के पदाधिकारी एवं कर्मी, जिला अकाउंट मैनेजर, जिला डाटा मैनेजर, डीपीएमयू कोऑर्डिनेटर, एबीडीएम कोऑर्डिनेटर, लिपिक एवं अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे। बैठक में सिविल सर्जन द्वारा निर्देशित किया गया कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत सदर अस्पताल साहिबगंज को पूर्णतः डिजिटल एवं पेपरलेस अस्पताल के रूप में विकसित किया जाए। इसके तहत सीडीएसी एचएमआईएस के विभिन्न मॉड्यूल, ओपीडी, आईपीडी, फामेर्सी, लैबोरेट्री, पेमेंट सिस्टम को प्रभावी रूप से लागू करते हुए ई-प्रिस्क्रिप्शन के माध्यम से सभी सेवाओं का डिजिटलीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस दिशा में सिविल सर्जन द्वार आवश्यक कंप्यूटर, प्रिंटर एवं मैनपावर की उपलब्धता सुनिश्चित करने,अस्पताल स्तर पर सभी आवश्यकताओं का असेसमेंट कर शीघ्र व्यवस्था करने,उक्त प्रणाली को दिनांक 06 मई 2026 तक अनिवार्य रूप से लागू करने के लिए एबीडीएम कोऑर्डिनेटर एवं संबंधित कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए। साथ ही निर्देशित किया गया कि जिले के सभी सीएचसी एवं अनुमंडलीय अस्पतालों में भी एबीडीएम के अंतर्गत यह डिजिटल प्रणाली लागू की जाए।

इसके लिए संबंधित प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एवं उनकी टीम से समन्वय स्थापित कर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। निजी क्लीनिक, नर्सिंग होम, अस्पताल, लब, फामेर्सी का एचपीआर, एचएफआर शत प्रतिशत बनाने हेतु निर्देश बैठक में सभी निजी क्लिनिक, अस्पताल एवं लैबोरेट्री में कार्यरत डॉक्टर, स्टाफ नर्स, लैब टेक्नीशियन एवं अन्य कर्मियों इसके साथ साथ रजिस्टर सभी फामेर्सी का एचपीआर सभी स्वास्थ्य संस्थानों का (हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री) तीन दिनों के भीतर पूर्ण करने हेतु पत्र निर्गत करने का निर्देश दिया गया साथ ही इसका का निगरानी एवं फॉलोअप की जिम्मेदारी एबीडीएम कोऑर्डिनेटर को सौंपी गई। बैठक में अस्पताल के सुचारू संचालन साफ-सफाई व्यवस्था गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों को और अधिक सुदृढ़ करने पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

बाइक और टोटो की टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल, रेफर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : तालझारी थाना क्षेत्र के बालापोखर बस पड़ाव के पास एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना उस समय हुई जब एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल और टोटो के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि बाइक और टोटो दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरे। घायलों की पहचान मुंडमाला निवासी 18 वर्षीय विक्की कुमार और नीतीश कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, दोनों युवक महाराजपुर से अपने घर लौट रहे थे तभी यह हादसा हुआ। दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुँचा और ग्रामीणों की मदद से घायलों को मलबे से बाहर निकाला। प्राथमिक उपचार के बाद, दोनों युवकों की नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और उसे उठाने के लिए कई लोगों की मदद लेनी पड़ी। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हिरणपुर में एएनएम प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न, वंचित बेटियों को मिला आत्मनिर्भर बनने का सुनहरा अवसर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हिरणपुर : झारखण्ड सरकार की विशेष पहल के तहत हिरणपुर स्थित बेसिक स्कूल में गरीब एवं वंचित वर्ग की बेटियों के लिए एएनएम (नर्सिंग) कोर्स की तैयारी हेतु आयोजित प्रथम चरण की प्रवेश परीक्षा रविवार को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई। परीक्षा के सफल संचालन में शिक्षक सैमुअल सोरेन, सुधीर कर्माकर, मो. सनीफ अंसारी सहित अन्य शिक्षकों की अहम भूमिका रही। यह महत्वाकांक्षी कार्यक्रम राज्य सरकार के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है, जिसमें प्रेझा फाउंडेशन का सहयोग प्राप्त हो रहा है। पहल का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं सामाजिक रूप से पिछड़े वर्ग की बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं के लिए पूरी तरह आवासीय कोचिंग की व्यवस्था की गई है, जहां रहने, खाने और पढ़ाई की सभी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। अनुभवी शिक्षकों द्वारा नियमित कक्षाओं के साथ मॉक टेस्ट, कम्युनिकेशन स्किल, करियर गाइडेंस और प्रोफेशनल ट्रेनिंग भी दी जाएगी। इसके अलावा व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व क्षमता बढ़ाने के लिए सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों द्वारा विशेष सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। चयनित छात्राओं को राज्य नर्सिंग पंजीकरण परिषद (एसएनआरसी) से मान्यता प्राप्त दो वर्षीय एएनएम कोर्स में नामांकन का अवसर मिलेगा, जिससे वे स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अपना भविष्य संवार सकेंगी। इस कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं उत्तीर्ण तथा आयु सीमा 17 से 30 वर्ष निर्धारित की गई है। 3 मई 2026 को आयोजित पात्रता परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को निःशुल्क कोचिंग के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इसके बाद काउंसलिंग एवं दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कर अंतिम नामांकन किया जाएगा। खास बात यह है कि आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क रखी गई है। इच्छुक छात्राएं https://app.prejha.org पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकती हैं तथा अधिक जानकारी के लिए www.prejha.org वेबसाइट पर विजिट कर सकती हैं।

संक्षिप्त खबरें

गंगा स्वच्छता अभियान का हुआ आयोजन

साहिबगंज : निर्मल गंगा, अविरल गंगा के संकल्प को साकार करने हेतु राष्ट्रीय गंगा मिशन के राष्ट्रीय महासचिव प्रह्लाद रॉय गोयनका की प्रेरणा से एवं मॉडल कॉलेज राजमहल के संयुक्त तत्वावधान में गंगा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत एक विशेष श्रमदान कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान में नगर परिषद साहिबगंज की सक्रिय सहभागिता रही। यह कार्यक्रम प्रातः 06:30 बजे मुक्तेश्वर धाम गंगा घाट, साहिबगंज में प्रारंभ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने पहले गंगा घाट की सफाई किया श्रमदान कर उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गंगा तट की सफाई, जलीय जीवों का संरक्षण तथा जल प्रदूषण के प्रति शिक्षित, जन-जागरूकता फैलाना था। इस अवसर पर शिक्षा केंद्र निदेशक अनिकेत कुमार सिंह, सिटी मैनेजर रवि कुमार, वार्ड पार्षद रंजीत प्रसाद साहा, डॉ. रणजीत कुमार सिंह, डॉ. रमजान अली, डॉ. अमित कुमार (एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी, मॉडल कॉलेज राजमहल) एवं डॉ. शैलेश कुमार मिश्रा सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने गंगा तट की सफाई करते हुए महत्वपूर्ण संदेश दिया कि गंगा में कचरा, प्लास्टिक एवं पूजन सामग्री प्रवाहित न करें। जल संरक्षण को जीवन का आधार मानते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे सुरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। स्वच्छ जल ही जलीय जीवों के संरक्षण का मूल आधार है। यह सफल आयोजन समाज में स्वच्छता, जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हुआ। कार्यक्रम का समापन सामूहिक संकल्प के साथ हुआ कि गंगा की स्वच्छता हेतु यह अभियान निरंतर जारी रखा जाएगा।

बरहरवा आरपीएफ ने एक नाबालिक बालिका को सकुशल किया रेस्क्यू

साहिबगंज : मालदा मंडल रेल अंतर्गत आरपीएफ पोस्ट बरहरवा के इंस्पेक्टर/संजीव कुमार द्वारा एएसआई/सुरेश पासवान, कांस्टेबल/अनिल कुमार साह, एलसी/अर्पण कुमार एवं एलसी/काजल कुमारी के साथ बरहरवा रेलवे स्टेशन पर रात्रि 20:10 बजे से असामाजिक तत्वों, मानव तस्करी, यात्री संबंधी अपराधों एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम हेतु सघन चेकिंग एवं सर्च अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 01 से प्लेटफॉर्म संख्या 02 साहिबगंज छोर की ओर जाते समय प्लेटफॉर्म संख्या 02 पर एक नाबालिग बालिका अकेले संदिग्ध अवस्था में घूमती हुई पाई गई। संदेह के आधार पर उससे पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपनी उम्र 14 साल और थाना काशीचक बिहार की रहने वाली बताया। आगे पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह काशीचक रेलवे स्टेशन (बिहार) से अपनी नानी के घर पिंजारी, शेखपुरा (बिहार) जाने के लिए ट्रेन पकड़ने आई थी, लेकिन गलती से गलत ट्रेन में सवार हो गई और बरहरवा रेलवे स्टेशन पर उतर गई। अपरिचित स्थान होने के कारण वह भयभीत होकर इधर-उधर भटक रही थी। उक्त नाबालिग बालिका को सुरक्षित आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया तथा तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन, साहिबगंज को सूचित किया गया। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत चाइल्ड हेल्पलाइन/मंथन के प्रतिनिधि पोस्ट पर पहुंचे एवं बालिका की काउंसलिंग की गई। तत्पश्चात विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत नाबालिग बालिका को चाइल्ड हेल्पलाइन/मंथन की प्रतिनिधि अंशु मालाकर को अग्रिम कार्रवाई हेतु सुपुर्द किया गया।

खाद्यान्न वितरण में पाकुड़ बना नंबर वन बैठक में अधिकारियों को दी गई बधाई

पाकुड़ : जिला आपूर्ति पदाधिकारी, पाकुड़ कुमार अभिषेक सिंह की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग की समीक्षात्मक बैठक गूगल मीट के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, प्रभारी सहायक गोदाम प्रबंधक, उठाव प्रभारी, सभी कंप्यूटर ऑपरेटर तथा परिवहन-सह-हथालन अभिकर्ता शामिल हुए। बैठक की शुरूआत में जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने माह अप्रैल 2026 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत खाद्यान्न वितरण में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि टीमवर्क, सतत निगरानी और जिम्मेदारीपूर्वक कार्य निष्पादन का परिणाम है। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों एवं प्रभारी सहायक गोदाम प्रबंधकों को निर्देश दिया कि माह मई 2026 एवं जून 2026 के खाद्यान्न का अग्रिम उठाव सुनिश्चित करते हुए शत-प्रतिशत डोर स्टेप डिलिवरी कर निर्धारित समय तक खाद्यान्न वितरण कराया जाए। खाद्यान्न के समय पर उठाव एवं डोर स्टेप डिलिवरी का कार्य पूर्ण करने हेतु परिवहन-सह-हथालन अभिकर्ता को आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही वाहन क्षमता कम होने की स्थिति में वाहनों की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया गया, ताकि खाद्यान्न उठाव में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने नमक, चना दाल, धोती-साड़ी एवं अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण भी ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया। सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को कहा कि क्षेत्र भ्रमण कर यह सुनिश्चित करें कि विभाग द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ लाभुकों तक समय पर पहुंच रहा है या नहीं। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने कहा कि योजनाओं की सफलता के लिए नियमित अनुश्रवण एवं निगरानी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि क्षेत्र में लगातार निगरानी रखते हुए पात्र लाभुकों को समय पर योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

कमलैन बगीचा में हरिनाम संकीर्तन का हुआ भव्य आयोजन

साहिबगंज : जिले के राजमहल प्रखंड के कमलैन बगीचा (कन्हैयास्थान) गांव में बुद्ध पूर्णिमा से शुरू हुआ पांच दिवसीय हरिनाम संकीर्तन सह मेला रविवार को तीसरे दिन भी पूरे उत्साह और भक्ति भाव के साथ जारी रहा। गांव का माहौल हरे कृष्ण, हरे राम के जयघोष से गूंजता रहा, जिससे पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। रविवार को विभिन्न क्षेत्रों से आए कीर्तन कलाकारों ने श्रीराधा-कृष्ण की लीलाओं का सजीव वर्णन कर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर की शेफाली दासी ने ह्यसजान गोष्ठ, अलीपुरद्वार की गायत्री देवी ने सुबोल मिलन, साहिबगंज के भोलानाथ पांडेय ने अन्न भिक्षा, दक्षिण दिनाजपुर की दिनोवाला दासी ने ह्यदान लीला, रायगंज की राधा दासी ने कलंक भंजन तथा मुर्शिदाबाद की दुलाली सिंह ने ह्यउत्तर गोष्ठ लीला का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। इन धार्मिक प्रस्तुतियों को सुनने के लिए आसपास के गांवों से सैकड़ों श्रद्धालु संकीर्तन स्थल पर पहुंचे। हरिनाम संकीर्तन के आयोजन ने पूरे गांव को भक्ति और उल्लास के रंग में रंग दिया है। इस संबंध में समिति के अध्यक्ष कालीचरण मंडल ने बताया कि इस परंपरा की शुरूआत वर्ष 1952 में स्थानीय मजदूरों द्वारा अनावश्यक खर्चों को रोककर की गई थी। तब से यह आयोजन हर साल बुद्ध पूर्णिमा से आरंभ होकर निरंतर चलता आ रहा है। आज भी दर्जनों गांवों के ग्रामीणों के आर्थिक सहयोग से यह आयोजन शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न होता है।

एक नजर

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

धनबाद : धनबाद के तेतुलमारी स्टेशन के पास पोल संख्या 280/6 के समीप एक युवक की अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान सुबोध कुमार सिंह (40) के रूप में हुई है, जो बिहार के गया जिले के टिकारी थाना क्षेत्र के लाव गांव के निवासी थे। शव लेने धनबाद पहुंचे मृतक के परिज सूरज कुमार के अनुसार, सुबोध शनिवार सुबह करीब 9 बजे अपने घर से निकले थे, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटे। काफी देर तक खोजबीन करने के बाद भी जब उनका कोई पता नहीं चला, तो परिजनों ने स्थानीय थाना में इसकी सूचना दी। इसी बीच धनबाद जीआरपी थाना से सूचना मिली कि तेतुलमारी स्टेशन के पास एक व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत हो गई है, जिसकी पहचान बाद में सुबोध के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि सुबोध सूरत में प्राइवेट नौकरी करते थे और कुछ दिन पहले ही अपने घर गया आए थे। परिजनों ने बताया कि वह पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद और घरेलू क्लेश के कारण मानसिक तनाव में रह रहे थे। जानकारी के अनुसार, सुबोध बस के जरिए गया स्टेशन पहुंचे और वहां से ट्रेन पकड़कर धनबाद आए। तेतुलमारी स्टेशन के पास किसी समय वह ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद जीआरपी पुलिस के अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

टाटा स्टील क्वार्टर में गैस सिलेंडर में लगी आग

पूर्वी सिंहभूम : साकची थाना क्षेत्र स्थित कब्रिस्तान के समीप टाटा स्टील के एक क्वार्टर में रविवार को गैस सिलेंडर में आग लगने की घटना से इलाके में अफरातफरी मच गई। घटना के दौरान गैस रिसाव के कारण आग तेजी से फैलने लगी, जिससे आसपास के लोग दहशत में आ गए। हालांकि समय रहते फायर ब्रिगेड की टीम के पहुंचने से एक बड़ा हादसा टल गया, लेकिन इस घटना में किचन के अंदर रखे सारे सामान जल गए और एक बिल्ली बच्चे की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, क्वार्टर के अंदर रखे गैस सिलेंडर के नोजल के पास अचानक रिसाव शुरू हो गया, जिसके बाद आग लग गई। आग लगते ही आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए और तुरंत इसकी सूचना टाटा स्टील फायर ब्रिगेड को दी गई। सूचना मिलते ही टाटा स्टील फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायरमैनों ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया। इस दौरान सुरक्षा के मद्देनजर गैस सिलेंडर को बाहर निकालकर स्थिति को नियंत्रित किया गया।

सीएनआई मंडली के स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए विधायक

खूंटी : रनिया प्रखंड के ताम्बा पेरिस अंतर्गत हालोम सी.एन.आई. मंडली के स्थापना दिवस के 21वें वर्षगांठ समारोह में शनिवार को विधायक सुदीप गुड़िया बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए । इस अवसर पर उन्होंने कहा, मंडली के सभी श्रद्धालुओं, पादरी एवं प्रचारकों के बीच उपस्थित होकर आत्मीय स्वागत और सम्मान पाकर हृदय भावविभोर हो गया। विधायक ने कहा कि स्थापना दिवस केवल एक उत्सव नहीं, दरअसल विश्वास, सेवा, प्रेम और समाज के प्रति समर्पण की निरंतर यात्रा का प्रतीक है। प्रभु की कृपा से यह मंडली आगे भी समाज में शांति, सद्भाव और मानव सेवा का संदेश देती रहे, यही कामना है। मौके पर जिला परिषद सदस्य बिरेन कंडुलना, पेरिस कौंसिल ताम्बा एवं हालोम मंडली के पादरी, प्रचारक सहित अन्य उपस्थित रहे।

ओवरब्रिज पर अनियंत्रित होकर बाइक रेलिंग से टकराई, दो युवक की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू जिला मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के रेडमा ओवरब्रिज पर शनिवार देर रात एक मोटरसाइकिल रेलिंग से टकरा गई, जिससे उसपर सवार दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवक चैनपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर और चैनपुर के रहने वाले थे। घटना के बाद से उनके परिजनों में चीख पुकार मची हुई है। उनकी पहचान शाहपुर निवासी अजय राम के 22 वर्षीय पुत्र मिनसू कुमार और चैनपुर के रहने वाले प्रभु ठाकुर के 21 वर्षीय पुत्र बिट्टू उर्फ गोपी अनंत के रूप में हुई है। दोनों शव का पोस्टमार्टम एमएमसीएच में करने के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार बिट्टू उर्फ गोपी के नाना बौद्ध ठाकुर के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के कोट गांव में शादी समारोह था। शनिवार रात बिट्टू और मिनसू शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाइक से गए हुए थे। वापस लौट रहे थे। इसी क्रम में उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर रेडमा ओवरब्रिज की रेलिंग से टकरा गई। सूचना मिलने पर शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस से दोनों घायलों को इलाज के लिए एमएमसीएच में भर्ती कराया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। मृत मिनसू के दो भाई और एक बहन है , जबकि बिट्टू मां-बाप का एकलौता पुत्र था। पांच बहन है। दोनों स्नातक के छात्र थे। घटना की जानकारी मिलने पर शाहपुर इलाके से जिला नाजिर रामराज राम, सामाजिक कार्यकर्ता महेश पासवान जन वितरण प्रणाली के विक्रेता मोहन चंद्रवंशी सहित बड़ी संख्या में लोग रविवार को एमएमसीएच पहुंचे और घटना पर दुख व्यक्त किया।

मारवाड़ी युवा मंच ने खूंटी में लगाए आठ अमृत धारा प्याऊ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : भीषण गर्मी के बीच राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से मारवाड़ी युवा मंच, खूंटी नगर शाखा की ओर से रविवार को शहर के विभिन्न स्थानों पर एक साथ 8 अस्थाई अमृत धारा प्याऊ का उद्घाटन किया गया। इन प्याऊ का उद्घाटन नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टूटी एवं महावीर अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया। शहर के मेन रोड, कर्रा रोड, तोरपा रोड, बाजार टांड़, चाईबासा रोड और रांची रोड सहित कुल आठ स्थानों पर प्याऊ की स्थापना की गई है, जहां राहगीरों को निःशुल्क ठंडा पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टूटी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि भीषण गर्मी में इस तरह का सेवा कार्य बेहद सराहनीय है। उन्होंने मारवाड़ी समाज और मंच के सदस्यों को जनसेवा के इस कार्य के लिए धन्यवाद दिया और भविष्य में भी ऐसे कार्यों से जुड़े रहने की अपील की। कार्यक्रम में मंच के अध्यक्ष राजेश मिश्रा, सचिव गौरव जैन, पूर्व अध्यक्ष उदय लाल भाला, संजय अग्रवाल, अखिल सरावगी, निवर्तमान अध्यक्ष अंकित जैन, अमृत धारा संयोजक तन्मय जैन, मुकुल पीपुरिया सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

टाटानगर स्टेशन पर मोबाइल चोरी का खुलासा, शातिर चोर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : टाटानगर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के सामान और खासकर मोबाइल फोन की सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सुरक्षा बलों को शनिवार रात एक अहम सफलता हाथ लगी। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक शातिर मोबाइल चोर को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान बागबेड़ा के गांधीनगर निवासी सोनू कुमार राव उर्फ गडजला के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। पूछताछ और जांच में सामने आया कि यह मोबाइल महाराष्ट्र निवासी यात्री ऋषिकेश अशोक घोराड़े का है, जिसे आरोपित ने स्टेशन परिसर या ट्रेन के भीतर मौका पाकर चुरा लिया था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार सोनू कुमार राव का आपराधिक इतिहास पहले से रहा है। वह पूर्व में भी चोरी और रेल से जुड़े अन्य अपराधों में संलिप्त रह चुका है। उसकी गिरफ्तारी को रेलवे स्टेशन क्षेत्र में सक्रिय मोबाइल चोर गिरोह पर बड़ी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इससे ऐसे अपराधों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। यह पूरी कार्रवाई वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त (आरपीएफ) चक्रधरपुर और रेल पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार जमशेदपुर के निर्देश एवं मार्गदर्शन में अंजाम दी गई। संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर स्टेशन परिसर में निगरानी बढ़ाई और संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखते हुए आरोपी को धर दबोचा। चक्रधरपुर रेल थाना प्रभारी अवधेश कुमार के अनुसार गिरफ्तारी के बाद आरोपित को आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी कर रेल थाना टाटानगर के सुपुर्द कर दिया गया है।

मुनीडीह कोलवाशरी हादसा मामला मुआवजा और नौकरी पर बनी सहमति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद में एक बार फिर कोयला खदानों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। बीसीसीएल के मुनीडीह कोलवाशरी में कोयला डस्ट (स्लरी स्त्रि) लोडिंग के दौरान बड़ा हादसा हुआ, जिसमें चार मजदूरों की दबकर मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर हंगामा हुआ, जिसके बाद देर रात प्रबंधन और परिजनों के बीच वार्ता में मुआवजा और नौकरी पर सहमति बनी। मामला मुनीडीह ओपी क्षेत्र स्थित बीसीसीएल मुनीडीह कोलवाशरी का है, जहां शनिवार शाम सैलरी डंपिंग स्थल पर लोडिंग के दौरान यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि करीब 40 फीट ऊंचे स्लरी डंप के नीचे मजदूरों को ट्रक लोडिंग के लिए भेजा गया था। इसी दौरान अचानक सैलरी भरभराकर गिर गया, जिसमें 6 मजदूर दब गए। इस हादसे में माणिक बाउरी, दिनेश बाउरी, दीपक बाउरी और हेमलाल गोप की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना के बाद आक्रोशित परिजन और ग्रामीणों ने कोलवाशरी गेट के सामने शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। देर रात बीसीसीएल प्रबंधन, पुलिस, यूनियन और परिजनों के बीच वार्ता हुई, जिसमें मृतक आश्रितों को 20-20 लाख रुपये मुआवजा, आउटसोर्सिंग कंपनी में नौकरी, बच्चों को डीएवी स्कूल में दाखिला और अंतिम संस्कार के लिए 75-75 हजार रुपये देने पर सहमति बनी। सूत्रों के अनुसार, मजदूरों पर बेहतर गुणवत्ता का सैलरी लोड करने का दबाव था। मना करने पर नौकरी से हटाने की धमकी दी गई थी। आरोप है कि इसी दबाव में मजदूर असुरक्षित स्थान पर काम करने गए और हादसा हो गया। सुरक्षा में भारी लापरवाही को लेकर कोलवाशरी जीएम अरिंदम मुस्तफी, एजेंट, प्रोजेक्ट ऑफिसर राजेंद्र पासवान और सेफ्टी अधिकारी विद्यासागर बर्णवाल जांच के घेरे में हैं।

पीएम आवास के लाभार्थियों ने छह मई को गृहप्रवेश का किया एलान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : बिरसानगर में बन रहे प्रधानमंत्री आवास योजना के सैकड़ों लाभार्थियों का सब्र अब जवाब देने लगा है। रविवार सुबह 200 से अधिक लाभार्थी जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय के बिष्टुपुर स्थित आवास पहुंचे और अपनी परेशानियों से उन्हें अवगत कराया। लोगों ने बताया कि पूरी राशि जमा करने के बावजूद उन्हें अब तक अपने घर की चाबी नहीं मिली है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। लाभार्थियों ने कहा कि वे मजबूरी में किराये के मकानों में रह रहे हैं, जबकि दूसरी ओर बैंक से लिए गए कर्ज की किस्तें भी लगातार चुकानी पड़ रही हैं। दोहरी मार झेल रहे इन परिवारों का कहना है कि अब उनके पास इंतजार करने की गुंजाइश नहीं बची है। मामले को गंभीरता से लेते हुए सरयू राय ने बताया कि बिरसानगर में कुल 21 ब्लॉक बनने थे, लेकिन अब तक केवल दो ब्लॉक ही तैयार हो सके हैं। इन ब्लॉकों में आवंटन भी हो चुका है और कई लाभार्थियों ने बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन भी दे दिया है, फिर भी उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं मिल रही है। उन्होंने प्रशासनिक प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि उप नगर आयुक्त ने उन्हें बताया है कि अभी तक जुडको ने आवासों को जेएनएसी को हैंडओवर ही नहीं किया है। वहीं, विभागीय मंत्री ने इस देरी को सामान्य बताते हुए इसे सरकारी कामकाज का हिस्सा बताया, जिस पर सरयू राय ने कड़ा विरोध जताया और कहा कि यह मामूली नहीं बल्कि अत्यधिक विलंब है। इस बीच लाभार्थियों ने 6 मई को शुभ मुहूर्त मानते हुए उसी दिन अपने घरों में गृहप्रवेश करने का निर्णय लिया है। सरयू राय ने भी उनका समर्थन करते हुए कहा कि यदि सरकार की ओर से कोई पहल नहीं होती है, तो वे खुद लाभार्थियों के लिए पूजा-पाठ, पंडित, शामियाना, कुर्सी-टेबल और पूजन सामग्री की व्यवस्था करेंगे।

स्वर्णरेखा नदी में हजारों मछलियों की मौत, जांच की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : शहर की जीवनरेखा मानी जाने वाली स्वर्णरेखा नदी एक बार फिर चिंताजनक स्थिति में नजर आई,जब डोबो पुल के नीचे हजारों की संख्या में मृत मछलियां पाई गईं। रविवार तड़के करीब तीन बजे मछुआरे जब नदी में मछली पकड़ने पहुंचे,तो उन्हें बिना जाल के ही मछलियां हाथ लगने लगीं,लेकिन सभी मछलियां मृत थीं। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग मृत मछलियां लेकर जाने लगे।

घटना की जानकारी मिलने पर जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। हालांकि तब तक अधिकांश मछलियां लोग ले जा चुके थे और कुछ ही मृत मछलियां वहां बची थीं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि इतनी बड़ी संख्या में मछलियों का मरना गंभीर पर्यावरणीय खतरे का संकेत है। सरयू राय ने मौके पर मौजूद लोगों से बातचीत के बाद बताया कि जहां मछलियां मरी मिली हैं,उसके पास से एक सीवेज नाला गुजरता है,जो सोनारी क्षेत्र की ओर से आ रहा है। उन्होंने बताया कि कुछ वर्ष पूर्व यहां जल शोधन के लिए कुंड बनाए गए थे,लेकिन वे अब बेकार होकर गंदगी के स्रोत बन गए हैं। इन कुंडों में जमा गंदा पानी सीधे नदी में गिर रहा है,जिससे प्रदूषण बढ़ रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि सीवेज के साथ कोई जहरीला या दूषित पदार्थ नदी में मिल रहा है,जिसके कारण मछलियों की मौत हो रही है। नदी के आसपास बड़ी मात्रा में उगी जलकुंभी भी इस बात का संकेत है कि पानी में प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ चुका है। विधायक ने कहा कि शहर की गंदगी सीधे नदी में बहाई जा रही है,जो न सिर्फ जलीय जीवों के लिए बल्कि आम लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बनती जा रही है। उन्होंने चिंता जताई कि इसी पानी का उपयोग लोग नहाने जैसे कार्यों में कर रहे हैं,जिससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। सरयू राय ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,टाटा स्टील और नगर निकाय से इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि जांच के बाद सच्चाई को सार्वजनिक किया जाना चाहिए,ताकि लोगों को मछलियों की मौत के वास्तविक कारणों की जानकारी मिल सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

संक्षिप्त खबरें

नशीला पदार्थ खिलाकर चालक को किया बेहोश, कार लेकर फरार हुए अपराधी

खूंटी : ओडिशा जिले की अंगुल जिले के डेराजंगा, जरापाड़ा से भाड़े पर कार लेकर निकले दो अपराधी कार चालक को नशीला पदार्थ खिलाकर कार लेकर चंपत हो गए। खूंटी थाना की पुलिस ने चुकरु मोड़ के पास बेहोश पड़े चालक को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ओड़िशा के अंगुल जिले के डेराजंगा, जरापाड़ा से दो व्यक्तियों ने एक ट्रैवल एजेंसी के माध्यम से अर्टिका कार चालक दुश्मंता साहू की कार बुक की थी। उन्होंने चालक को बताया था कि उन्हें रांची से करीब 30 किलोमीटर आगे जाना है और वहां से अपने परिवार के कुछ सदस्यों को लेकर वापस ओड़िशा लौटना है। चालक उन्हें लेकर रांची पहुंचा। रिंग रोड स्थित दलादिली चौक के पास एक होटल से मीट-भात पैक कराया गया और दूसरी दुकान से मिठाइयां खरीदी गईं। इसके बाद तीनों चुकरू मोड़ के पास पहुंचे, जहां पेड़ के नीचे बैठकर तीनों लोगों ने खाना खाया। खाना खाने के बाद जैसे ही चालक दुश्मंता साहू कार में बैठा, वह अचानक बेहोश हो गया। इसके बाद की घटना उसे याद नहीं है। आशंका जताई जा रही है कि अपराधियों ने बेहोशी की हालत में उसकी पिटाई की और उसे मृत समझकर मौके पर छोड़ दिया तथा उसकी कार लेकर फरार हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अवस्था में पड़े चालक दुश्मंता साहू को उठाकर खूंटी सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही झारखंड राज्य ड्राइवर संघ ने इसे गंभीरता से लिया है। संघ के अध्यक्ष के निर्देश पर चार सदस्यीय टीम खूंटी पहुंची है, जिसमें आकाश सिंह, अजय सिंह, सुनील प्रजापति और सूरज मुंडा शामिल हैं। टीम अस्पताल में घायल चालक का हालचाल लेने के साथ पुलिस से भी संपर्क कर मामले की जानकारी जुटा रही है। खूंटी के पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह ने रविवार को घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि घायल कार चालक की स्थिति खतरे से बाहर है। पूरे मामले की जांच कर रही है।

लोगों में जागरूकता फैलाने न्यायाधीश उतरे सड़क पर

धनबाद : झारखंड राज्य विधिक प्राधिकरण के निर्देश पर लोगों में कानूनी साक्षरता और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 90 दिवसीय व्यापक आउटरीच कार्यक्रम का शुभारंभ रविवार को प्रभात फेरी निकाल कर किया गया। प्रभात फेरी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा दुर्गेश चंद्र अवस्थी के नेतृत्व में सिविल कोर्ट धनबाद से निकलकर रणधीर वर्मा चौक तक गई, जिसके बाद प्रभात फेरी वहां से वापस सिविल कोर्ट आई। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए न्यायाधीश ने कहा कि 90 दिनों तक न्यायिक पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम हर एक क्षेत्र में जाकर कानूनी जागरूकता फैलाएगी। उन्होंने बताया कि नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, डायन बिसाही मामले को लेकर हेल्पलाइन नंबर 181 सहित अन्य हेल्पलाइन नंबर के विषय में लोगों को बताया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन हेल्पलाइन नंबर पर एक बार जरूर कॉल करें और जानने का प्रयास करें कि यह काम करता है या नहीं। वहीं, कार्यक्रम के विषय में जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि इस 90 दिनो के कार्यक्रम के दौरान न्यायिक पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम जिसमें लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम की टीम, एनजीओ, पैनल अधिवक्ता, पीएलवी शामिल हैं, डोर टू डोर जाकर लोगों को कानून व विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी देंगे। साथ ही विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्र छात्राओं के बीच वाद विवाद, निबंध, पेंटिंग, भाषण, प्रभात फेरी का आयोजन किया जाएगा। बाल विवाह, साइबर ठगी, ड्रग, डायन बिसाही, बाल मजदूरी के बारे लोगों को जागरूक किया जाएगा। साथ ही महिला, दिव्यांगजन, एसटी-एससी, वृद्धजन आदि की मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी पीएलवी एक दूसरे के सहयोग से कार्य को पूरा करेंगे। उन्होंने बताया कि नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर अपर प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय, ए मोईज, जिला एवं सत्र न्यायाधीश पारस कुमार सिन्हा, प्रफुल्ल कुमार, कुमार साकेत, बिकेश, अवर न्यायाधीश निर्मला बारला, समा रोशनी कुल्लू , परमानंद उपाध्याय, संतोषिनी मुर्मु, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी अभिजीत पांडे, रेलवे के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी मनोज कुमार, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी ऋषि कुमार, शिवानी शर्मा, अर्पिता नारायण तमाम न्यायिक पदाधिकारी एवं एलएडीसीएस चीफ कुमार विमलेंदु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, एनसीसी की पांचवीं वाहिनी टीम, मीडिएटर अधिवक्ता की टीम, पारा लीगल वालंटियर सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

श्रावणी मेला 2026 की तैयारी तेज, मंत्री ने की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

देवघर : आगामी श्रावणी मेला को लेकर तैयारियां अब तेज हो गई हैं। इसी क्रम में रविवार को झारखंड सरकार के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने देवघर परिसदन में देवघर और दुमका के वरीय अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य श्रावणी मेला के दौरान आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा, सुरक्षा और सुगम जलार्पण सुनिश्चित करना रहा। मंत्री ने सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मंत्री ने कहा कि श्रावणी मेला झारखंड की पहचान है, जिसमें देश-विदेश से श्रद्धालु देवघर पहुंचते हैं। ऐसे में सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा, ताकि मेला भव्य, सुरक्षित और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 31 जुलाई से श्रावणी मेला का शुभारंभ प्रस्तावित है और इसकी तैयारी को लेकर तीन माह पूर्व ही समीक्षा शुरू कर दी गई है। पिछले वर्ष के अनुभवों से सीख लेते हुए इस बार व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि श्रद्धालु सुखद अनुभव लेकर लौटें। ओवरब्रिज निर्माण को लेकर मंत्री ने कहा कि डीपीआर की प्रक्रिया जारी है और डिजाइन पर काम चल रहा है। यह लंबी प्रक्रिया है, लेकिन प्रयास है कि इसे जल्द पूरा किया जाए। बैठक में प्रमंडलीय आयुक्त संजय सिंह, देवघर उपायुक्त शशि शेखर सिंह, दुमका उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर, डीडीसी पीयूष सिन्हा, जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर, सारठ विधायक उदय शंकर सिंह, देवघर महापौर रवि राउत, उपमहापौर टिप चैटर्जी सहित कई विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में पेयजल, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, यातायात प्रबंधन और आवास व्यवस्था जैसे अहम बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

संक्षिप्त डायरी

ताड़ के पेड़ से गिरकर पूर्व उपमुखिया की मौत, मुसहरी में पसरा मातम

पटना (एजेंसी) मुजफ्फरपुर के मुसहरी में ताड़ के पेड़ से गिरकर रजवाड़ा भगवान पंचायत के पूर्व उपमुखिया सुरेंद्र चौधरी की मौत हो गई. संतुलन बिगड़ने से यह हादसा हुआ. घटना के बाद से पूरे इलाके में शोक की लहर है. मुजफ्फरपुर जिले के मुसहरी प्रखंड अंतर्गत रजवाड़ा भगवान पंचायत से एक बेहद दुखद घटना सामने आई है. यहाँ पंचायत के पूर्व उपमुखिया सुरेंद्र चौधरी की ताड़ के पेड़ से गिरकर मौत हो गई. इस हृदयविदारक घटना के बाद से मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और पूरे गांव में सन्नाटा पसरा है. पेड़ पर चढ़ने के दौरान बिगड़ा संतुलन मिली जानकारी के अनुसार, पूर्व उपमुखिया सुरेंद्र चौधरी रविवार को अपने खेत की ओर गए थे. खेत के पास ही स्थित एक ताड़ के पेड़ पर वे किसी काम से चढ़े थे. इसी दौरान अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे अनियंत्रित होकर काफी ऊंचाई से सीधे जमीन पर आ गिरे. जमीन पर गिरते ही वे गंभीर रूप से जख्मी हो गए और अचेत हो गए. अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने किया मृत घोषितआस-पास मौजूद स्थानीय लोग आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले गए. हालांकि, चोट इतनी गंभीर थी कि अस्पताल पहुँचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. सुरेंद्र चौधरी मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे और पूर्व में उपमुखिया के पद पर रहते हुए उन्होंने सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई थी. उनकी असामयिक मौत की खबर मिलते ही पंचायत के दर्जनों लोग उनके आवास पर जुट गए. घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दे दी गई है.

मानसून से पहले ही बदलते मौसम ने वैशाली में नगर परिषद की व्यवस्था की खोली पोल

पटना (एजेंसी) रविवार को मौसम में अचानक बदलाव के साथ महुआ में तेज हवा और झमाझम बारिश हुई. बारिश के कारण नगर परिषद बाजार सहित कई जगहों पर जलजमाव हो गया, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. जल निकासी की खराब व्यवस्था को लेकर नगरवासियों में नाराजगी देखी जा रही है. रविवार की सुबह मौसम ने अचानक करवट ली. तेज हवा के साथ शुरू हुई झमाझम बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दी. लेकिन इसके साथ ही कई इलाकों में जनजीवन भी प्रभावित हो गया. सुबह से जारी बारिश के कारण जगह-जगह पानी भरने की समस्या सामने आई. वैशाली में सुबह से ही हो रही बारिश ने लोगों की समस्या बढ़ा को दिया है. जहां महुआ में झमाझम बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दी.वहीं शहर की व्यवस्था की पोल भी खोल दी. बारिश के कारण नगर परिषद बाजार समेत कई प्रमुख स्थानों पर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई. जिससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. बाजार इलाकों में जलजमाव से बढ़ी मुश्किलें बारिश के बाद नगर परिषद बाजार और आसपास के प्रमुख मार्गों पर पानी जमा हो गया. सड़कें जलमग्न हो जाने से लोगों का आवागमन बाधित हो रहा. खासकर पैदल चलने वाले और छोटे दुकानदारों को ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है. कई जगहों पर नालियों का पानी सड़कों पर बहता नजर आ रहा. जिससे स्थिति और गंभीर हो गई. मानसून से पहले ही उजागर हुई व्यवस्था की कमी मानसून आने से पहले ही हुई इस बारिश ने नगर परिषद की तैयारियों ने हकीकत सामने ला दी है. जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण थोड़ी ही बारिश में सड़कों पर पानी भर जा रहा है. स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल बारिश के दौरान यही स्थिति बन जाती ह.लेकिन स्थायी समाधान नहीं हो पाता. नगरवासियों में बढ़ा आक्रोश लगातार हो रही जलजमाव की समस्या को लेकर नगरवासियों में नाराजगी देखी जा रही है. लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है.ताकि आने वाले मानसून में ऐसी परेशानी का सामना न करना पड़े. मानसून से पहले ही बढ़ी चिंता बारिश ने एक ओर मौसम को सुहावना बना दिया है.लेकिन दूसरी ओर नगर परिषद की लापरवाही ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं.

लखनदेई को पुनर्जीवित करने उतरे जिलाधिकारी, नदी से साफ किया कचरा

पटना (एजेंसी) सीतामढ़ी में डीएम रिची पाण्डेय के नेतृत्व में लखनदेई नदी की स्वच्छता के लिए महा-अभियान चलाया गया. कचरा हटाकर नदी को पुनर्जीवित करने की कोशिश की गई और लोगों से आस्था की इस प्रतीक को स्वच्छ रखने की अपील की गई. जानिए खबर विस्तार से... शहर की जीवनरेखा और आस्था का केंद्र मानी जाने वाली लखनदेई नदी को पुनर्जीवित करने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है. रविवार को जिलाधिकारी रिची पाण्डेय के नेतृत्व में नदी की साफ-सफाई के लिए एक विशाल विशेष अभियान चलाया गया. इस अभियान में विभिन्न विभागों के सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकताओं ने भी श्रमदान किया. नारकीय स्थिति से मुक्ति दिलाने की कोशिश लंबे समय से उपेक्षा, प्रदूषण और अवैध अतिक्रमण के कारण लखनदेई नदी की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी थी. नदी का प्रवाह रुकने और कचरे के अंबार ने इसके अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया था. इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने न सिर्फ सफाई कार्य शुरू किया, बल्कि लोगों को भावनात्मक रूप से नदी से जोड़ने की पहल की है. डीएम ने खुद नदी किनारे जमा कचरे को हटाने में हाथ बंटाया और स्वच्छता का संकल्प दिलाया. साफ-सफाई करते डीएम रिची पांडेय धार्मिक आस्था और पर्यावरण का संगम अभियान के दौरान जिलाधिकारी रिची पाण्डेय ने कहा कि लखनदेई नदी सीतामढ़ी की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान है. इसे स्वच्छ रखना केवल प्रशासन का काम नहीं, बल्कि हर नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है. उन्होंने चेतावनी दी कि नदी में गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. अधिकारियों ने नदी तट पर रहने वाले लोगों से कूड़ा-कचरा सीधे जलधारा में न फेंकने की अपील की. सौंदर्यीकरण और स्थायी प्रबंधन की मांग मौके पर मौजूद सामाजिक कार्यकताओं और जनप्रतिनिधियों ने नदी की दुर्दशा पर चिंता जाहिर करते हुए इसके स्थायी सौंदर्यीकरण की मांग उठाई. विशेषज्ञों का सुझाव है

तेज रफ्तार का कहर, ठेला चलाने वाले व्यक्ति की सड़क हादसे में मौत

पटना (एजेंसी) दरभंगा के बिरौल में अज्ञात वाहन की टक्कर से 50 वर्षीय ठेला चालक मो. हसीम की मौत हो गई. मृतक पिछले 20 सालों से ससुराल में रहकर ठेला चलाता था. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. दरभंगा जिले के बिरौल-कुशेश्वरस्थान मुख्य सड़क पर शनिवार की देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ. . सामान डिलीवर कर चाय पीने जा रहा था मृतक जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम करीब 7 बजे हसीम अपना ठेला लेकर जेके कॉलेज के पास एक फर्नीचर दुकान पर सामान पहुंचाने आया था. सामान डिलीवर करने के बाद वह सड़क पार कर चाय पीने जा रहा था. इसी दौरान सुपौल बाजार की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार गाड़ी ने उसे अपनी चपेट में ले लिया. टक्कर मारने के बाद चालक वाहन समेत कुशेश्वरस्थान की ओर फरार हो गया. स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. 20 वर्षों से ससुराल में ही रह रहा था हसीम मो. हसीम पिछले 20 वर्षों से अकबरपुर बेंक स्थित अपने ससुराल में रहकर ठेला चलाकर परिवार का भरण-पोषण कर रहा था.

पटना मेट्रो और टाउनशिप परियोजनाओं की समीक्षा, सीएम ने समय सीमा में काम का दिया आदेश

पटना मेट्रो रेल परियोजना को समय सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश

पटना (एजेंसी) पटना में कई परियोजनाओं पर काम किए जा रहे हैं. ऐसे में सीएम सम्राट चौधरी ने अलग-अलग परियोजनाओं की समीक्षा की. इस दौरान उन्होंने पटना मेट्रो का काम जल्द निपटा लेने, समग्र उद्यान को तैयार करने और सैटेलाइट टाउनशिप को लेकर कई आदेश दिए. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नगर विकास विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद कई आदेश दिए. सम्राट चौधरी ने कहा, सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के अंदर ही पूरा करें. मेट्रो निर्माण में जो भी कठिनाइयां हैं, उन्हें जल्द दूर करें. लोगों की सुविधाओं को देखते हुए सीएम सम्राट चौधरी ने यह आदेश दिया. पटना एयरपोर्ट से होगा मेट्रो का जुड़ाव पटना मेट्रो के बारे में बताया गया कि पटना एयरपोर्ट को मेट्रो से जोड़े जाने की योजना है. पटना एयरपोर्ट को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ने के लिए पर्सनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम डेवलप किया गया है. जानकारी के मुताबिक, यह सिस्टम एयरपोर्ट आने-जाने वाले यात्रियों के लिए सुगम और निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा. समग्र उद्यान पर मिलेंगी ये सुविधाएं इसके साथ ही दीघा से सभ्यता द्वार तक 6 किलोमीटर लंबा उद्यान 25 सितंबर 2027 तक बनकर तैयार होगा. इसमें पार्किंग, उद्यान, पैदल पथ, साइकिल ट्रैक, छह खेल मैदान, महिला हाट और शहरी समूह का निर्माण होगा. सीएम सम्राट ने कहा कि पर्यावरण के अनुकूल रखते हुए इसे समय से योजनाबद्ध ढंग से पूरा करें. पार्किंग व्यवस्था और खेल मैदान सहित अन्य अवयवों का इस ढंग से निर्माण करें. सैटेलाइट टाउनशिप को लेकर क्या कहा? मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य में शहरीकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित 11 सैटेलाइट टाउनशिप के निर्माण की योजना बनाई गई है. इन टाउनशिप के विकास के लिए तेजी से कार्य करें. परियोजनाओं को पूरा करने के लिए फेज वाइज काम करने का निर्देश दिया. जेपी गंगा पथ समग्र उद्यान को लेकर सीएम ने कहा, सौंदर्यीकरण और विकास कार्य इस ढंग से कराएं, जिससे लोग सुरक्षित रहे और आनंद भी उठा सकें.

खगड़िया में विवाहिता की संदिग्ध मौत, मां का आरोप ससुराल वालों ने जहर देकर मारा

पटना (एजेंसी) खगड़िया से बेहद मार्मिक और दिल को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है. ससुराल में विवाहिता की संदिग्ध मौत हो गई है. मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए जहर देकर हत्या करने का आरोप लयाया है. पुलिस की जांच जारी है. खगड़िया थाना इलाके से एक बेहद मार्मिक और दिल को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है. जहां एक विवाहिता की संदिग्ध मौत के बाद मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए जहर देकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है. पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दिया है.

हथियार के साथ दो शातिर गिरफ्तार, बड़ी साजिश नाकाम

पटना (एजेंसी) दरभंगा की बिरौल पुलिस ने गुप्त सूचना पर छापेमारी कर दो बदमाशों को पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया है. पकड़े गए अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे. पुलिस फिलहाल उनके आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है. दरभंगा जिले की बिरौल पुलिस को अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दो शातिर बदमाशों को पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया है. हालांकि, पुलिस की ओर से इस मामले की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है, लेकिन इस कार्रवाई से क्षेत्र के अपराधियों में हड़कंप मच गया है. थानाध्यक्ष के नेतृत्व में हुई छापेमारी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, थानाध्यक्ष चंद्रमणि को इलाके में संदिग्धों की मौजूदगी की गुप्त सूचना मिली थी. सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया और चिन्हित स्थान पर घेराबंदी कर छापेमारी की गई. इस दौरान पुलिस ने दोनों बदमाशों को रंगे हाथ दबोच लिया. तलाशी के दौरान उनके पास से अवैध पिस्तौल और कुछ अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किए जाने की चर्चा है. बड़ी घटना को अंजाम देने की थी फिराक प्रारंभिक पूछताछ और छानबीन में यह बात सामने आ रही है कि गिरफ्तार किए गए दोनों बदमाश किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे. समय रहते पुलिस की सक्रियता ने एक संभावित अपराध को टाल दिया है. फिलहाल पुलिस इन दोनों को गुप्त स्थान पर रखकर कड़ी पूछताछ कर रही है ताकि इनके गिरोह और अन्य सहयोगियों का पता लगाया जा सके. जांच में जुटी पुलिस टीम इस संबंध में जब थानाध्यक्ष चंद्रमणि से मोबाइल पर संपर्क किया गया, तो उन्होंने बताया कि मामले की गहनता से जांच चल रही है. उन्होंने कहा कि पुलिस फिलहाल बदमाशों के आपराधिक इतिहास को खंगाल रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वे पहले किन-किन घटनाओं में शामिल रहे हैं. जांच प्रक्रिया पूरी होने और ठोस साक्ष्य मिलने के बाद ही पुलिस इस मामले का विधिवत खुलासा करेगी.

डिप्टी सीएम बनने के बाद समस्तीपुर पहली बार पहुंच रहे विजय चौधरी

पटना (एजेंसी) समस्तीपुर के लोहिया आश्रम में डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी के अभिनंदन समारोह की भव्य तैयारी की गई है. उपमुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार पार्टी कार्यालय पहुंच रहे विजय चौधरी के स्वागत में एनडीए के दिग्गज और कार्यकर्ता एकजुट हुए हैं. जदयू के जिला कार्यालय लोहिया आश्रम में आज उत्सव जैसा माहौल है. बिहार के उपमुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार विजय कुमार चौधरी समस्तीपुर स्थित पार्टी कार्यालय पहुंच रहे हैं. उनके आगमन को लेकर आयोजित अभिनंदन समारोह में एनडीए घटक दलों के तमाम बड़े नेता और कार्यकताओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई है. जिले के कोने-कोने से पहुंचे कार्यकर्ता अपने चहेते नेता के भव्य स्वागत के लिए पूरी तरह उत्साहित हैं. सुरक्षा के कड़े इंतजाम, एनडीए एकजुट कार्यक्रमस्थल पर पुलिस फोर्स की मौजूदगी कार्यक्रम स्थल और उसके आसपास सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं. एनडीए घटक दलों के सभी जिलाध्यक्ष, स्थानीय विधायक और पदाधिकारी कार्यक्रम स्थल पर मौजूद हैं. यह पहला अवसर है जब विजय चौधरी डिप्टी सीएम का पद संभालने के बाद औपचारिक रूप से पार्टी कार्यालय आ रहे हैं. कार्यकताओं ने पूरे परिसर को बैनर-पोस्टर और फूलों से सजाया है. अपनों के बीच पहुंच रहे विजय चौधरी स्थानीय कार्यकताओं का कहना है कि विजय चौधरी का डिप्टी सीएम बनना जिले के लिए गर्व की बात है. थोड़ी ही देर में उनका आगमन होने वाला है, जहाँ वे कार्यकताओं को संबोधित करेंगे और आने वाली राजनीतिक चुनौतियों पर चर्चा करेंगे. ढोल-नगाड़ों और नारों के साथ उनके स्वागत की तैयारी अंतिम चरण में है.

मुकेश कुमार बने कोटवा के नए थानाध्यक्ष, एसपी स्वर्ण प्रभात ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

पटना (एजेंसी) पूर्वी चंपारण एसपी स्वर्ण प्रभात ने बंजरिया के दरोगा मुकेश कुमार को कोटवा का नया थानाध्यक्ष बनाया है. 2018 बैच के तेज-तर्रार अधिकारी मुकेश कुमार शराबबंदी और अपराध नियंत्रण को अपनी मुख्य प्राथमिकता मानते हैं. पूर्वी चंपारण के पुलिस महकमे में एक बार फिर बड़ा फेरबदल देखने को मिला है. पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने जिले की कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मुकेश कुमार को कोटवा का नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया है. मुकेश कुमार की कार्यकुशलता और उनकी तेज-तर्रार छवि को देखते हुए एसपी ने उन पर भरोसा जताया है. 2018 बैच के अफसर हैं मुकेश कुमार कोटवा के नए थानाध्यक्ष नियुक्त किए गए मुकेश कुमार 2018 बैच के सब-इंस्पेक्टर हैं. इस नई जिम्मेदारी से पहले वे बंजरिया थाना में दरोगा के पद पर तैनात थे. बंजरिया में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई जटिल मामलों को सुलझाने और अपराधियों पर नकेल कसने में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं. उनकी इसी कार्यशैली को देखते हुए उन्हें अब स्वतंत्र प्रभार सौंपा गया है. शराबबंदी और क्राइम कंट्रोल पर रहेगा फोकस पदभार ग्रहण करने के बाद मुकेश कुमार ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कर दी हैं. उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम करना और अपराध पर पूरी तरह लगाम लगाना उनका मुख्य लक्ष्य होगा. एसपी स्वर्ण प्रभात के निदेर्शानुसार, बिहार में लागू शराबबंदी कानून को क्षेत्र में सख्ती से प्रभावी बनाना और लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन करना उनकी विशेष कार्ययोजना में शामिल है. करण कुमार के लाइन क्लोज होने के बाद मिली कमान विदित हो कि कोटवा के पूर्व थानाध्यक्ष करण कुमार को शनिवार को पुलिस अधीक्षक ने तत्काल प्रभाव से लाइन क्लोज कर दिया था. इस कार्रवाई के बाद से ही कोटवा थानाध्यक्ष का पद रिक्त चल रहा था. पुलिस महकमे में मुकेश कुमार की नियुक्ति को संगठन की मजबूती और अपराधियों के खिलाफ सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है.

पिता से आशीर्वाद लेकर यात्रा पर निकले निशांत कुमार, बोले- मेरी पहली राजनीतिक यात्रा है

पटना (एजेंसी) निशांत कुमार आज से सद्भाव यात्रा पर निकलने वाले हैं. लेकिन यात्रा की शुरूआत से पहले उन्होंने अपने पिता नीतीश कुमार का आशीर्वाद लिया. इस दौरान जेडीयू ऑफिस के बाहर पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं की भारी भीड़ जुटी. पश्चिम चंपारण के बगहा से निशांत कुमार सद्भाव यात्रा की शुरूआत करेंगे. इसके लिए वे पटना से रवाना हो चुके हैं. निश्चय रथ पर सवार होकर निशांत कुमार बगहा के लिए निकले. लेकिन इससे पहले उन्होंने अपने पिता नीतीश कुमार के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया. इस दौरान जेडीयू ऑफिस के बाहर जेडीयू नेताओं और कार्यकताओं की भारी भीड़ दिखी. यात्रा पर निकलने से पहले निशांत ने क्या कहा? निशांत यात्रा पर निकलने से पहले जेडीयू ऑफिस पहुंचे थे. इस दौरान मौजूद कार्यकताओं ने जमकर नारे लगाए. यात्रा की शुरूआत से पहले निशांत कुमार ने कहा, आज से मेरी यात्रा की शुरूआत हो रही है. यह मेरी पहली राजनीतिक यात्रा है. महात्मा गांधी ने भी अपनी सत्याग्रह की शुरूआत चंपारण की धरती से ही शुरू की थी. इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी के छोटे-छोटे वर्कर से मैं संवाद करूंगा. मेरी कोशिश रहेगी कि मैं जनता और पार्टी के कार्यकताओं की सेवा करूं. जो पिताजी ने किया है, उसे जन-जन तक पहुंचाऊं. जनता की समस्या का समाधान निकालने की कोशिश करूंगा. पिताजी से मैंने आशीर्वाद लिया है, उन्होंने मुझे आशीर्वाद दिया. एमएलसी नीरज कुमार ने क्या कहा? निशांत कुमार की सद्भाव यात्रा को लेकर एमएलसी नीरज कुमार ने कहा, निशांत कुमार जी की यात्रा जनता दल यूनाइटेड के नई पीढ़ी के हाथ में है. पार्टी के सर्वमान्य नेता के रूप में उन्हें स्वीकृति मिल चुकी है. बिहार की तस्वीर नीतीश जी ने बदली और अब जेडीयू की तकदीर निशांत के हाथों में है. इस तरह से यात्रा की शुरूआत से पहले पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं के बीच काफी उत्साह दिखा. अशोक चौधरी ने क्या कहा? निशांत कुमार के निश्चय रथ को फूलों से सजाया गया था. यात्रा से पहले पूर्व मंत्री अशोक चौधरी ने कहा, हम सबकी शुभकामना है. निशांत जी ये पहली यात्रा है. उनकी यात्रा से संगठन को ताकत मिलेगी. यात्रा संगठन को धारदार बनाने के लिए किया जा रहा है.

औरंगाबाद में शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई : 240 लीटर स्पिरिट के साथ दो गिरफ्तार

पटना (एजेंसी) औरंगाबाद में एरका चेकपोस्ट पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उत्पाद विभाग ने 240 लीटर स्पिरिट बरामद किया गया. बोलेरो से तस्करी कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. जानकारी के अनुसार स्पिरिट का इस्तेमाल अवैध शराब बनाने में होना था, पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है. औरंगाबाद जिले में अवैध शराब के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत उत्पाद विभाग ने बड़ी कार्रवाई की.इस कार्रवाई में विभाग को सफलता हाथ लगी है. शनिवार रात टीम ने एरका चेकपोस्ट पर सघन वाहन जांच किया. इस दौरान मौके से 240 लीटर स्पिरिट बरामद की. जांच के दौरान मौके से दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया. साथ ही इस्तेमाल में लाई जा रही बोलेरो गाड़ी को भी जब्त कर लिया गया है. वाहन जांच के दौरान पकड़ी गई खेप जानकारी के अनुसार, उत्पाद विभाग को पहले से गुप्त सूचना मिली थी कि शराब निर्माण में इस्तेमाल होने वाली स्पिरिट की बड़ी खेप इस रास्ते से गुजरने वाली है. जिसके बाद विभाग ने जांच अभियान शुरू किया. सूचना मिलते ही विभाग की टीम ने औरंगाबाद-डाल्टेनगंज मुख्य मार्ग स्थित एरका चेकपोस्ट पर जांच अभियान को तेज कर दिया. इसी दौरान एक संदिग्ध बोलेरो को रोककर तलाशी ली गई. तलाशी के समय वाहन में रखे छह गैलन से कुल 240 लीटर स्पिरिट बरामद हुई. दो तस्कर गिरफ्तार, पूछताछ जारी कार्रवाई के दौरान बोलेरो में सवार दो लोगों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया. अधिकारियों के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में में दोनों आरोपियों से पूछताछ की गई. जिसमें स्पिरिट के स्रोत और इसके स्थान के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है. यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं. पुलिस का कहना है कि इस नेटवर्क में कई लोग शामिल है.जिनकी तलाशी जारी है और जल्द हि उनका पता लगा लिया जाएगा. अवैध शराब निर्माण में इस्तेमाल की आशंका उत्पाद विभाग के अधिकारियों का मानना है कि बरामद की गई स्पिरिट का इस्तेमाल अवैध शराब बनाने में किया जाना था. बिहार में शराबबंदी लागू होने के बाद इस तरह की तस्करी की घटनाएं सामने आती रहती हैं. जिन पर रोक लगाने के लिए विभाग लगातार सख्ती बरत रहा है. अभियान जारी, तस्करों में हड़कंप उत्पाद विभाग ने साफ किया है कि जिले में अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा. इस बड़ी कार्रवाई के बाद इलाके में तस्करों के बीच हड़कंप मच गया ह. विभाग ने आम लोगों से भी अपील की है

औरंगाबाद में झोपड़ी में चल रही थी शराब की मिनी फैक्ट्री, भारी मात्रा में शराब बरामद

पटना (एजेंसी) : औरंगाबाद जिले के ओबरा थाना इलाके के रतवार बिगहा में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. एक झोपड़ी में गुप्त रूप से शराब की मिनी फैक्ट्री चलाई जा रही थी. छापेमारी के दौरान मौके से भारी मात्रा में तैयार शराब,खाली प्लास्टिक बोतल,ढक्कन,स्टीकर,मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं. औरंगाबाद ओबरा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है. धंधेबाजों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है. घटना औरंगाबाद जिले के ओबरा थाना इलाके के रतवार बिगहा की है. जहां अवैध शराब के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. तालाब किनारे एक झोपड़ी में गुप्त रूप से चल रही शराब की मिनी फैक्ट्री का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है. छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में तैयार शराब और शराब निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री भी बरामद की गई है. जानकारी के अनुसार, दो मई की रात दो बजे ओबरा थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली की गांव में तालाब के समीप स्थित,एक झोपड़ी में शराब का निर्माण और बिक्री किया जा रहा है. घटना पर थानाध्यक्ष ने क्या कहा? सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने थानाध्यक्ष नीतीश कुमार के नेतृत्व में घटनास्थल पर पहुंचकर त्वरित छापेमारी की गई . छापेमारी के दौरान शराब बनाने वाले लोग पुलिस को देखते ही फरार हो गए. पुलिस ने मौके से बड़ी मात्रा में शराब और अन्य सामग्री जब्त कर ली है . बरामद सामग्री देख उड़े पुलिस के होश जप्त सामानों में कुल 852 बोतल विदेशी शराब शामिल है. जिनमें प्रत्येक बोतल 300 एमएल की है. कुल मिलाकर 255.6 लीटर बरामद हुई है. इसके अलावा दो गैलन में करीब 100 लीटर स्पिरिट भी बरामद किया गया है. इसका उपयोग शराब निर्माण में किया जा रहा था. पुलिस ने 300 एमएल के लगभग 500 खाली प्लास्टिक बोतल, 500 काले रंग की ढक्कन के साथ 300 स्टीकर और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं. पुलिस ने इन धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की जप्त सामानों के आधार पर पुलिस आगे की जांच कर रही है. इस संबंध में ओबरा थाना कांड संख्या 171/26 के रुप में प्राथमिकी दर्ज की गई है. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस अवैध कारोबार से जुड़े लोगों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है. इस कार्रवाई के बाद धंधेबाजों में हड़कंप मच गया है. पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा.

घर ले आएं लक्ष्मी चरण पादुका

न-संपदा की प्राप्ति हेतु लक्ष्मी के पूजन का विधान है। ऐसा माना जाता है कि दीपावली की रात लक्ष्मी जी घर में आती हैं। इसीलिए लोग दहलीज से लेकर घर के अंदर जाते हुए लक्ष्मी जी के पांव बनाते हैं। इसी मान्यता के चलते हम लक्ष्मी जी को स्थाई करने हेतु घर में लक्ष्मी जी के चरणों का प्रतीक लक्ष्मी चरण पादुका स्थापित करते हैं।

लक्ष्मी जी के चरणों का रहस्य : शास्त्रों के अनुसार महालक्ष्मी के चरणों में सोलह शुभ चिन्ह होते हैं। यह चिन्ह अष्ट लक्ष्मी के दोनों पावों से उपस्थित 16 (षोडश) चिन्ह है जो के 16 कलाओं का प्रतीक हैं। शास्त्रों में मां लक्ष्मी को षोडशी भी कहकर पुकारा जाता है। ये सोलह कलाएं हैं 1.अन्नमया, 2. प्राणमया, 3.मनोमया, 4.विज्ञानमया, 5. आनंदमया, 6.अतिशयिनी, 7. विपरिनाभिमी, 8.संक्रमिनी, 9.प्रभवि, 10. कुंथिनी, 11 विकासिनी, 12.मर्यादिनी, 13. सन्हालादिनी, 14.आह्लादिनी, 15.परिपूर्ण, 16.स्वरुपवस्थित।

शास्त्रों में चंद्रमा की सोलह कलाओं का भी वर्णन आता है। चंद्रमा की सोलह कलाएं हैं अमृत, मनदा, पुष्प, पुष्टि, तुष्टि, ध्रुति, शाशनी, चंद्रिका, कांति, ज्योत्सना, श्री, प्रीति, अंगदा, पूर्ण और पूर्णामृत का उल्लेख है। वास्तवकिता में ये सोलह कलाएं सोलह तिथियां हैं जिसके क्रम में अमावस्या एकम से लेकर चतुर्दशी तथा पूर्णिमा। लक्ष्मी चरण पादुका के लक्ष्मी के षोडशी रूप के 16 चिन्ह इस प्रकार हैं 1 प्राण, 2.श्री, 3.भू, 4.कीर्ति, 5.इला, 5 लीला, 6.कांति, 7.विद्या, 8 विमला, 8.उत्कर्शिनी, 9.ज्ञान, 10 क्रिया, 11. योग, 12.प्रहवि, 13. सत्य, 14. इसना 15. अनुग्रह, 16. नाम। अष्ट लक्ष्मी के दोनों चरणों में इस सोलह कलाओं के प्रतीक चिन्ह स्थापित होते है। सोलह कलाओं वाली श्री लक्ष्मी षोडशी का रहस्य : जो श्री विद्या सोलह कलाएं प्रदान करे वही षोडशी है। लक्ष्मी का यह स्वरुप ऐश्वर्य, धन, पद जो भी चाहिए सभी कुछ प्रदान करता है। इनके श्री चक्र को श्रीयंत्र कहा जाता है। इनका एक नाम श्री महा त्रिपुरा सुंदरी यां ललिता भी है। त्रिपुरा समस्त भुवन मे सर्वाधिक सुन्दर है। महालक्ष्मी का यह स्वरुप जीव को शिव बना देता है। यह श्री कुल की विद्या है। इनकी पूजा से साधक को पूर्ण समर्थ प्राप्त होता है। लक्ष्मी चरण पादुका इन्हीं ललिता श्री देवी के चरणों का प्रतीक है जिसमें सोलह चिन्ह बने होते हैं। लक्ष्मी चरण पादुका जहां भी स्थापित कि जाती है वहां से समस्याओं का नाश होता है। इसकी स्थापना से धनाभाव खत्म होकर स्थाई धन संपत्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। इसे मकान, दुकान, आफिस या कहीं भी दरवाजे पर चिपकाना भी शुभ होता है। अष्ठ धातु से निर्मित यह चरण पादुका सुख-समृद्धि हेतु निश्चित ही उपयोगी सामग्री है।

घर-कार्यस्थल पर न रखें श्रीगणेश की ये मूर्तियां

भगवान श्रीगणेश मंगलकारी देवता हैं। जहां श्रीगणेश का नित पूजन-अर्चन होता है, वहां रिद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ का वास होता है। वास्तु शास्त्र में भगवान श्रीगणेश को महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया गया है। धन से संबंधित जो भी बाधाएं आती हैं उसका दोष घर अथवा दुकान में ही मौजूद होता है। बहुत कुछ ऐसा होता है जिनकी अनजाने में अनदेखी हो जाती है। वास्तु दोष-विघ्न दूर करते हैं विनायक।

जिस घर के मुख्य द्वार पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर होती है, वहां रहने वालों की दिनों-दिन उन्नति होती है। आम, पीपल और नीम से बनी श्रीगणेश की मूर्ति घर के मुख्य दरवाजे पर लगाएं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

घर के मुख्य द्वार पर चौखट के ऊपर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर लगानी चाहिए। उनके आस-पास सिंदूर से उनकी दोनों पत्नियों के नाम रिद्धि-सिद्धि लिखने की परम्परा है। घर में पूजा के लिए भगवान श्रीगणेश की शयन या बैठी हुई मुद्रा में मूर्ति शुभ मानी जाती है। कार्यस्थल पर खड़ी हुई मुद्रा में भगवान श्रीगणेश की मूर्ति लगाएं। इससे स्फूर्ति और उमंग बनी रहती है। ध्यान रहे कि खड़े हुए श्रीगणेश जी के दोनों पैर जमीन को स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आती है। घर में भगवान श्रीगणेश का चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। घर में भगवान श्रीगणेश की ज्यादा मूर्तियां या तस्वीरें नहीं होनी चाहिए।

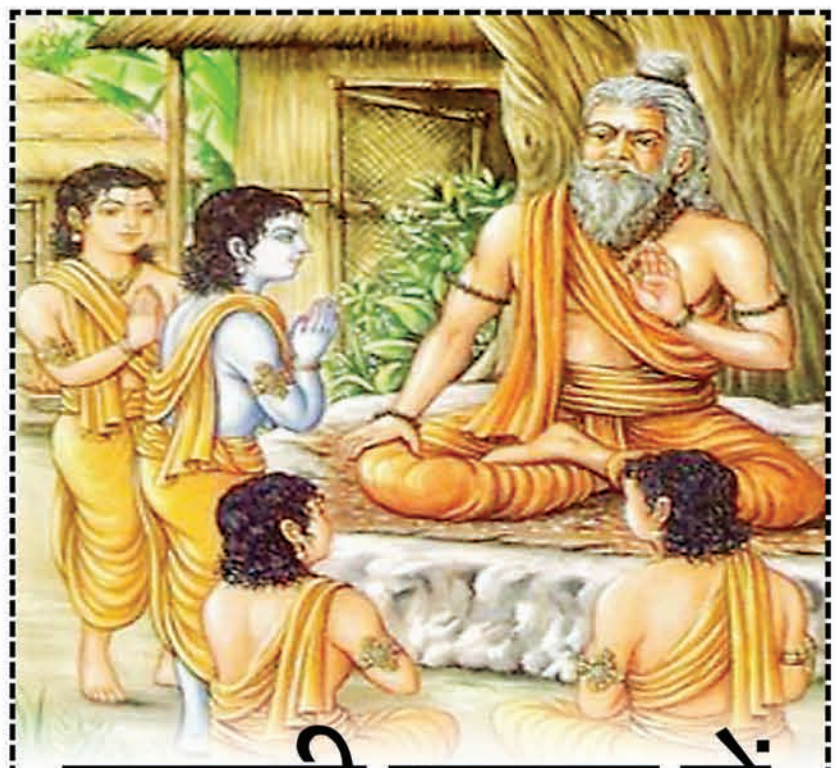

इनकी शरण में गए थे भगवान के ये अवतार

भगवद् गीता जी में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, विगतेच्छा भय क्रोधो य : सदा मुक्त एव स : जो इच्छा, भय और क्रोध से रहित है वह सदा मुक्त ही है। इस उपरोक्त ज्ञान रूप तप से पवित्र होकर बहुत से भक्त भगवान के स्वरूप को प्राप्त कर चुके हैं। जो मनुष्य सदैव कामनाओं के अधीन रहता है उसमें सदैव भय व्याप्त रहता है। कामनाओं में विघ्न पड़ने से क्रोध उत्पन्न होता है और क्रोध से विवेक रूपी ज्ञान शक्ति का नाश होता है।

इसलिए हे अर्जुन। न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र करने वाला नि :संदेह कुछ भी नहीं है। भगवान के नाम का आश्रय लेने वाला सदैव भय मुक्त रहता है। असुरराज रावण, जिसे ब्रह्मा जी से वर प्राप्त था, भगवान शिव की जिस पर विशेष कृपा थी, समस्त देवतागण, नवग्रह जिसके अधीन थे। केवल भगवान श्री राम नाम का आश्रय लेकर ज्ञानियों में अग्रगण्य श्री हनुमान जी ने उसकी लंका को भस्मीभूत कर दिया। बाली पुत्र अंगद ने अपने प्रभु के नाम के बल पर ही रावण की सभा में बड़े-बड़े योद्धाओं को अपने पृथ्वी पर जमाए हुए पैर को हिलाने के लिए आमंत्रित किया। भय मुक्त अंगद के मुख पर जो आत्मविश्वास था, वह केवल भगवद् नाम की ही कृपा थी जिस कारण रावण सहित सभी योद्धाओं को अपमानित होना पड़ा था। जब तक मनुष्य के मन में भय समाया रहता है तब तक उसमें निश्चयात्मिका बुद्धि का अभाव रहता है। जब तक अर्जुन के मन में युद्ध के प्रति भय था, कि कहीं उसके हाथों अपने गुरुजनों का वध हो जाने से, अधर्म न हो जाए, वह इस निर्णय को लेने में अक्षम थे कि युद्ध करने, अथवा न करने में सही विकल्प कौन-सा है। भगवान की शरण प्राप्त करने से ही वह श्रेष्ठ निर्णय लेने में सफल रहे, जब उन्होंने स्वयं को भगवान का शिष्य मान लिया। शिष्यस्तेहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम। इस प्रकार अर्जुन ने सभी प्रकार से भगवान की शरण प्राप्त कर ली।

मनुष्य जीवन में निर्णय-अनिर्णय की स्थिति सदैव बनी रहती है। विवेक शक्ति से युक्त होकर ही मनुष्य सही निर्णय का चुनाव करता है। भय से युक्त मन में विवेक शक्ति का अभाव होता है। मार्कण्डेय ऋषि मां भगवती से अभय प्रदान करने के लिए स्तुति करते हैं : सर्व स्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्ति समन्विते। भयभयस्त्राहि नो देवि दुर्गे देवि नमोस्तुते। हे मां! आप सर्वस्वरूपा, सर्वेश्वरी, सभी शक्तियों से सम्पन्न हैं। आप मुझे भय से मुक्त करें। हे देवि! आपको नमस्कार है। मां आदि शक्ति सभी प्रकार के भय का नाश करने वाली है।

षोड वर्ष के बालक मार्कण्डेय ने मृत्यु को समीप जान, जब मृत्युंजय भगवान शिव जी की चंद्रशेखरमाश्रय मम किं करिष्यति वै यम : से स्तुति कर भगवान शिव को प्रसन्न कर न केवल आश्रय प्राप्त किया अपितु भगवान शिव से अमरत्व भी प्राप्त किया। भय नाम अंधकार का है। यह अंधकार अज्ञानता, अश्रद्धा और संशययुक्त बुद्धि से उत्पन्न होता है। इसी से जीव का नाश होता है।

योगी और भोगी दोनों को अंतिम समय का भय होता है परन्तु दोनों के भय में अंतर है। भोगी जीवन भर सांसारिक पदार्थों का संग्रह करता है ताकि बुढ़ापे के समय उसका जीवन कष्टमय न हो। योगी जीवन पर्यन्त यह अभ्यास करता है कि प्रयाण काल (शरीर छोड़ते समय) में उसकी चित्त वृत्ति परमात्मा में स्थिर रहे क्योंकि यह नियम है कि परमेश्वर के ध्यान के अभ्यास रूप योग से युक्त, दूसरी ओर न जाने वाले चित्त से निरंतर चिंतन करता हुआ मनुष्य परम प्रकाश रूप दिव्य पुरुष को अर्थात परमेश्वर को ही प्राप्त होता है। जटायु, बाली, भीष्म पितामह ने अंतिम समय में अपनी चित्त वृत्तियों को भगवान के श्रीमुख पर स्थिर कर परमधाम प्राप्त किया।

श्री राम चंद्र कृपालु भज मन।
हरण भव भय दारूणम

भगवान श्री राम अत्यंत कृपालु हैं तथा सांसारिक बंधनों के भय से मुक्त करने वाले हैं इसलिए हे मन। तू केवल उनका नाम ही भज।

वंदे विष्णुं

सभी लोकों के एकमात्र स्वामी भव भय हरने वाले भगवान विष्णु की हम वंदना करते हैं। उपरोक्त स्तुतियों में भय से मुक्ति हेतु ही भगवान की वंदना भक्तों द्वारा की जाती है। काक भुशुण्डि जी श्रीराम की कृपा से, भागवत प्रवक्ताओं में अग्रगण्य शुकदेव मुनि जी भगवान श्री कृष्ण जी की कृपा से ही निर्भय होकर इस संसार में विचरण करते हैं। माया के बंधन में बंधा जीव सदैव भय से युक्त रहता है। केवल भगवद् नाम का आश्रय ही जीव की बुद्धि को निर्भय बनाता है। उसके लिए आवश्यक है कि मनुष्य भगवान की दिव्य लीलाओं का स्वाध्याय करे अथवा श्रवण परायण होकर रसास्वादन करे। कलिकाल में केवल गोविंद नाम ही सब प्रकार के भय का नाश करने वाला है।

पीपल की पूजा का रहस्य

दधीचि पुत्र पिप्पलाद ने जब माता से अपने पिता की देवताओं द्वारा अस्थियां मांगे जाने और उनसे बने वज्र से अपने प्राण बचाने का पौराणिक विवरण सुना तो उनके मन में देवताओं के प्रति घृणा उपजी। मैं इनसे पिता को 'सताने' का बदला लूंगा। ऐसा संकल्प करके पिप्पलाद तप करने लगे। कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और बोले, वर मांगो।

पिप्पलाद ने नमन किया और बोले, प्रभु! अगर आप मुझ पर प्रसन्न हैं तो कृपा करके अपना रौद्र रूप प्रकट कीजिए और इन देवताओं को जलाकर भस्म कर दीजिए। शिव यह अनुरोध सुन कर स्तब्ध रह गए, परंतु वचन तो पूरा करना ही था। देवताओं को जलाने के लिए तीसरा नेत्र खोलने का उपक्रम करने लगे। इस आरंभ की प्रथम परिणति यह हुई कि पिप्पलाद का रोम-रोम जलने लगा। वह चिल्लाए और बोले, प्रभु! यह क्या हो रहा है? देवता नहीं, उल्टा मैं ही जला जा रहा हूं। शिव ने कहा, देवता तुम्हारी देह में ही समाए हुए हैं। अवयवों की शक्ति उन्हीं की सामर्थ्य है। देव जलें और तुम अछूते बचे रहो यह तो संभव नहीं है। पिप्पलाद ने अपनी याचना वापस ले ली तो शिव ने कहा, देवताओं ने त्याग का अवसर देकर तुम्हारे पिता को कृत-कृत्य और तुम्हें गौरवान्वित किया है। मरण तो होता ही है, न तुम्हारे पिता बचते और न काल के ग्रास से वृत्रासुर बचा रहता। यश, गौरव प्राप्त करने का लाभ प्रदान करने के लिए देवताओं के प्रति कृतज्ञ होना ही उचित है। पिप्पलाद का भ्रम दूर हो गया। उनकी तपस्या आत्म-कल्याण की दिशा में मुड़ गई। पिप्पलाद को ही पीपल कहते हैं। उनके त्याग, साधना और परोपकार की भावना के कारण उन्हें पूजा जाने लगा। पीपल समस्त वृक्षों में सबसे पवित्र इसलिए माना गया है क्योंकि स्वयं भगवान श्रीहरि विष्णु पीपल में निवास करते हैं। श्रीमद् भागवत गीता में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपने श्रीमुख से उच्चारित किया है कि,वृक्षों में मैं 'पीपल' हूं।

स्कंद पुराण के अनुसार पीपल के मूल (जड़) में विष्णु, तने में केशव, शाखाओं में नारायण, पत्तों में भगवान हरि और फलों में समस्त देवताओं से युक्त भगवान सदैव निवास करते हैं। ऑक्सीजन 'प्राण-वायु' कही जाती है। प्रत्येक जीवधारी ऑक्सीजन लेता है व कार्बन डाईआक्साइड छोड़ता है। ऑक्सीजन देने के अतिरिक्त पीपल में अनेक विशेषताएं हैं जैसे इसकी छाया सर्दी में गर्मी देती है और गर्मी में शीतलता देती है। इसके अतिरिक्त पीपल के पत्तों से स्पर्श करने से वायु में मिले संक्रामक वायरस नष्ट हो जाते हैं। इसकी छाल, पत्तों और फल आदि से अनेक प्रकार की रोगनाशक दवाएं बनती हैं। इस दृष्टि से भी पीपल पूजनीय है।

भगवान शिव ने कब, कहां और किसे दिया अमरत्व का वरदान

भारत विभिन्न संस्कृति और धर्मों का घर है। हमारे देश में भिन्न-भिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। भारत के प्रसिद्ध धार्मिक पूजा स्थलों में से एक अमरनाथ धाम है। अमरनाथ हिंदुओं का प्रमुख तीर्थस्थल है। कश्मीर राज्य के उत्तर पूर्व से 135 हजार मीटर की दूरी पर अमरनाथ की गुफा स्थित है। अमरनाथ गुफा भगवान शिव के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। कहा जाता है कि इसी गुफा में भगवान शिव ने मां पार्वती को अमर कथा का रहस्य बताया था। एक बार पार्वती द्वारा अमर होने की कथा सुनने की जिद्द करने पर भगवान शिव पार्वती को अमर कथा सुनाने के लिए समुद्रतल से 13,600 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस स्थान पर लाए। गुफा में प्रवेश करने से पहले भगवान शिव ने अपने गले में सुशोभित नाग और सिर पर सजे चांद को उतार दिया। ताकि माता पार्वती के अलावा कोई और कथा न सुन सके। यहां आकर उन्होंने माता पार्वती को कथा सुनानी आंरभ की लेकिन माता को कथा के मध्य में ही नींद आ गई। इस दौरान इस गुफा में कबूतरों के दो बच्चों ने जन्म लिया, जिन्होंने अमर कथा सुन अमरता प्राप्त की। जब शिव जी को यह ज्ञात हुआ तो वह क्रोधित हो गए और उन्हें मारने के लिए आगे बढ़े। तभी कबूतरों ने भगवान शिव को कहा कि अगर वे उन्हें मारेंगे तो अमर कथा झूठी साबित हो जाएगी। तब शिव जी ने अपने क्रोध को शांत कर उन्हें वरदान दिया कि युगों-युगों तक तुम दो कबूतरों का जोड़ा शिव-पार्वती का प्रतीक बन कर इस गुफा में निवास करेगा। उसी समय से यह स्थान अमरनाथ गुफा के नाम से प्रचलित हुआ। मान्यता है कि इन कबूतरों के दर्शन करने से शिव-पार्वती के दर्शनों जितना पुण्य मिलता है। इनके दर्शनों से वंचित रहने वाले हर व्यक्ति की यात्रा असफल मानी जाती है।

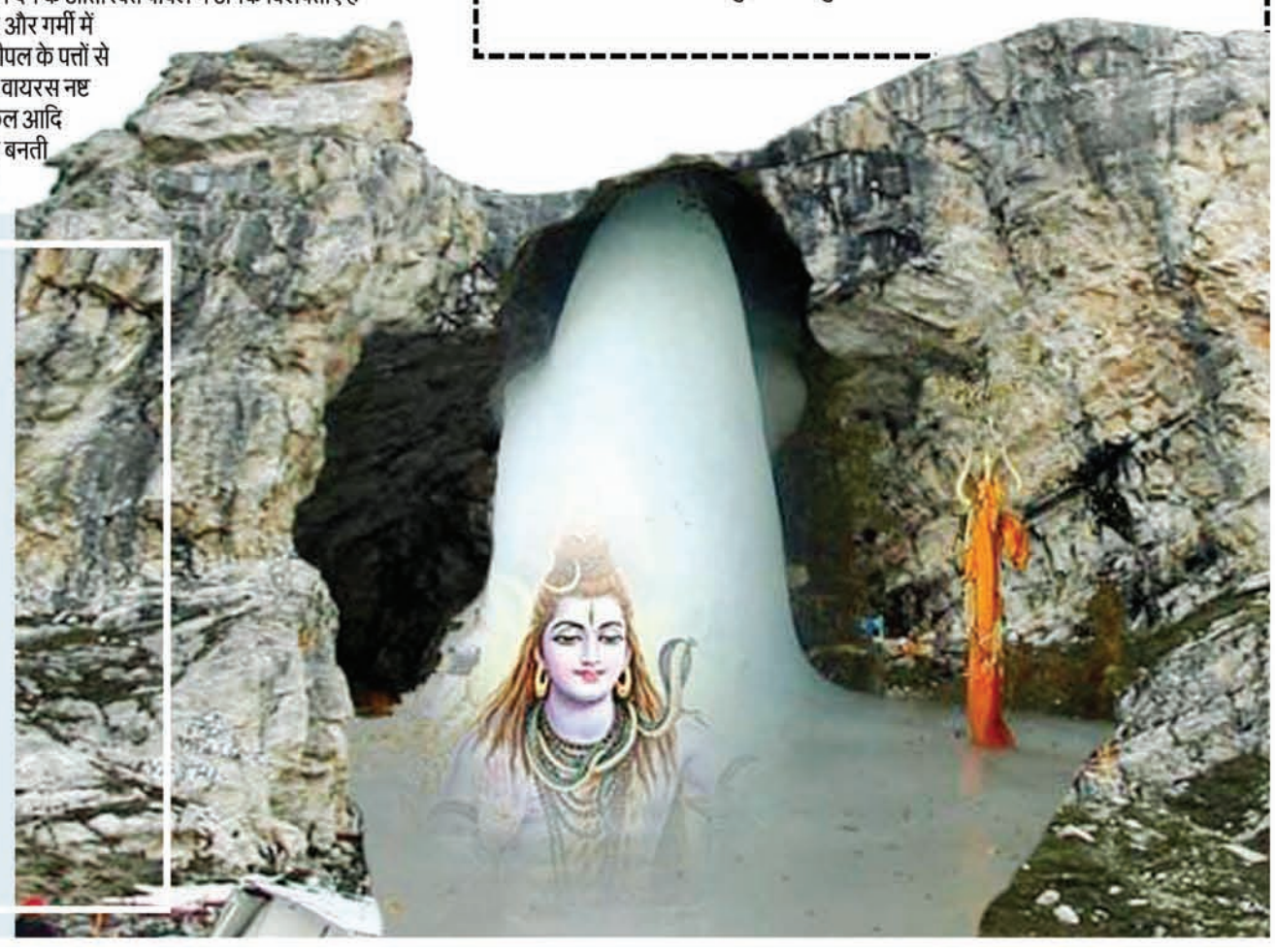

कोच जयवर्धने ने बुमराह, सूर्यकुमार सहित सीनियर खिलाड़ियों का बचाव किया

चेन्नई ।

आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे लगातार हार झेलने पड़ी है। सीएसके के खिलाफ अहम मैच में भी टीम हार गयी। इससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की राह तकरीब बंद हो गयी है। टीम के खराब प्रदर्शन का कारण स्टार खिलाड़ियों का असफल होना भी रहा है, जिससे वे प्रशंसकों के निशाने पर है हालांकि टीम के मुख्य कोच मेहेला जयवर्धने टीम के शीर्ष खिलाड़ियों का बचाव करते हुए कहा कि टीम की हार के लिए जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव जैसे स्टार खिलाड़ियों को दोष देना गलत है। साथ ही कहा कि फार्म हासिल करने के लिए इन खिलाड़ियों के लिए एक ही मैच भी पर्याप्त है। इस सत्र में मुम्बई 9 में से 7 मैच हारकर टीम अंक तालिकाा में 8वें पायदान पर है। उसे सीएसके के खिलाफ मैच में भी हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं। प्रशंसक जानना चाहते हैं कि आखिर क्यों फ्रेंचाइजी अपने शीर्ष खिलाड़ियों बुमराह, सूर्यकुमार और तिलक वर्मा से अच्छा प्रदर्शन नहीं ले पा रही है। इसी को लकर जयवर्धने ने इन खिलाड़ियों का बचाव किया है।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई इंडियंस और सुपर जायंट्स में मुकाबला

मुंबई ।

मुम्बइ इंडियंस आईपीएल में सोमवार को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से मुकाबला करेगी। मुंबई इंडियंस का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। मुम्बई अभी नौवे नंबर पर है और उसके केवल चार अंक हैं। मुम्बई अभी अंक तालिका में नौवें स्थान पर है, जिसने नौ मैचों में से सिर्फ दो में जीत हासिल की है।

उसके लिए जीत हालांकि आसान नहीं होगी क्योंकि पिछले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से टीम को 8 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था जिससे वह दबाव में है। उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें तभी बनी रहेंगी जब वह बचे हुए सभी मैच बड़े अंतर से जीते।

मुम्बई के लिए ये आसन नहीं होगा उसके बल्लेबाजसूर्यकुमार यादव फार्म में नहीं है, तिलका वर्मा का प्रदर्शन ही केवल अच्छा रहा है। कप्तान हार्दिक पंड्या भी गेंद औ बल्ले दोनो से ही विफल रहे है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह भी फ्लॉप साबित हुए हैं जिससे टीम बड़े स्कोर का भी बचाव नहीं कर पा रही।

वहीं दूसरी ओर इस बीच, सुपरजायंट्स की टीम आठ मैचों में दो जीत के साथ ही अंक तालिका में सबसे नीचे है। अब टीम का लक्ष्य किसी प्रकार ये मैच जीतकर अपनी प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने पर रहेंगी। उसके लिए ये आसान नहीं रहेगा क्योंकि टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी अब तक विफल रही है। आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 8 मुकाबले हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 2 जबकि लखनऊ ने 6 जीते हैं। दोनो की ही संभावित टीमें इस प्रकार हैं मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), विल जैक, रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार

यादव, नमन धीर, तिलक वर्मा, रॉबिन मिंज, ट्रेंट बोल्ट, कृष भगत, जसप्रीत बुमराह, एएम गजनफर। इम्पैक्ट प्लेयर- शार्दुल ठाकुर लखनऊ सुपर जायंट्स- ऋषभ पंत (कप्तान/विकेटकीपर), मुकुल चौधरी, जोश इंग्लिस, आयुष बडोनी, मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, जॉर्ज लिंडे, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान

इम्पैक्ट प्लेयर- हिम्मत सिंह

आईपीएल सीएसके मुम्बई को सबसे अधिक बार हराने वाली पहली टीम बनी

चेन्नई ।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। अब सीएसके की टीम मुंबई इंडियंस को 20 वीं बार हराने वाली पहली टीम बन गयी है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 41 आईपीएल मैच खेले गए हैं, जिसमें से सीएसके ने 20 में जीत हासिल की है, जबकि मुंबई इंडियंस ने 21 मैचों जीत हासिल की है। मुंबई के खिलाफ सर्वाधिक जीत दर्ज करने वाली टीमों की सूची में चेन्नई के बाद पंजाब किंग्स का नाम आता है, जिसने 35 मैचों में 17 जीत दर्ज की हैं, जिसमें एक सुपर ओवर की जीत भी शामिल है। इस जीत ने चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंचा दिया है। अब नौ मैचों में 8 अंकों के साथ ही सीएसके प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है।

अगर वह अपने बचे हुए पांच मैचों में से चार में जीत हासिल कर लेते हैं, तो उनके लिए प्लेऑफ की राह बन सकती है। वहीं मुंबई इंडियंस को इस हार से करारा झटका लगा है। वह अब नौवें स्थान पर बनी हुई है। आईपीएल 2024 में खेले गए नौ मैचों में से उसे केवल सिर्फ दो में जीत मिली है। इससे अब उसके

शीर्ष-4 में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं। अगर मुंबई इंडियंस अपने बाकी बचे सभी पांच मैच भी जीत जाती है, तो लीग स्टेज के अंत में उनके पास केवल 14 अंक होंगे। हालांकि, पिछले चार आईपीएल सीजन के आंकड़ों पर गौर करें तो सिर्फ एक बार ऐसा हुआ है जब किसी टीम ने लीग स्टेज में 14 अंक लेकर प्लेऑफ में जगह बनाई हो।

भारतीय टीम शायद ही बांग्लादेश दौरे पर जाये - सैकिया

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का बांग्लादेश दौरा संकट में पड़ता नजर आ रहा है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के बांग्लादेश दौरे को लेकर ताजा बयान से ये ही संकेत मिले हैं। सैकिय ने कहा, आईपीएल के बाद हमारा घरेलू शेड्यूल काफी व्यस्त है। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज है, उसके बाद इंग्लैंड का दौरा है। इस दौरे के बाद हम सत्र के बाकी हिस्से पर विचार करेंगे।

बीसीसीआई सचिव के इस बयान को भारतीय टीम के आगामी व्यस्त कार्यक्रम से और बल मिलता है। आईपीएल 2026 के 31 मई को समाप्त होने के बाद, भारत का शेड्यूल इस प्रकार है- 6 से 10 जून तक मोहाली में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट। इसके बाद 14 से 20 जून के बीच धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज होगी। फिर टीम इंडिया जून के अंत में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच और 1 से 19 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलने के लिए इंग्लैंड एगी। इंग्लैंड में व्हाइट-बॉल सीरीज के बाद, भारत 23 से 26 जुलाई तक जिम्बाब्वे में तीन टी20 मैच खेलेगा। भारत का घरेलू सीजन 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों की सीरीज से शुरू होगा, और इससे पहले श्रीलंका दौरे पर भी जाने की संभावना है।

यह स्पष्ट है कि भारतीय टीम का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है, और ऐसे में बांग्लादेश के साथ सीरीज के लिए समय निकाल पाना एक बड़ी चुनौती होगी। इससे साफ है कि जिस प्रकार बांग्लादेश बोर्ड ने बीसीसीआई से संबंध खराब किये थे। उसे अब उनकी कीमत अदा करनी पड़ेगी।

राजस्थान रॉयल्स को त्तलसमूह और अदार पूनावाला ने 13,750 करोड़ रुपये में खरीदा

मुम्बई ।

आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स का मालिकाना अधिकार अब स्टील किंग के नाम से लोकप्रिय लक्ष्मी निवास मित्तल, उनके बेटे आदित्य मित्तल और वैक्सीन निर्माता अदार पूनावाला समूह को मिला है। मित्तल और पूनावाला ने इस फ्रेंचाइजी और इसकी सहयोगी टीमों का अधिग्रहण किया है। यह सौदा लगभग 1.65 अरब डॉलर (लगभग 13,750 करोड़ रुपये) में हुआ है, जिससे टीम को एक नया मालिक मिला है।

इससे पहले अमेरिका के एक भारतीय मूल के कारोबारी काल सोमानी ने 1.63 अरब डॉलर (15,290 करोड़ रुपये) में रॉयल्स को खरीदने के लिए सौदा किया था पर धन जुटाने के साथ ही नियामक अनिश्चितताओं और अन्य बाधाओं के कारण यह करार पूरा नहीं हो पाया। इससे अब मित्तल परिवार और अदार पूनावाला रॉयल्स को खरीदे सामने आये।

इस सौदे के 2026 की तीसरी तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है।

इसके लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई), भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की मंजूरी मिलना जरुरी रहेगा। नये मालिकाना ढांचे के तहत मित्तल परिवार के पास टीम की लगभग 75 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि अदार पूनावाला के पास लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा रहेगा। वहीं वर्तमान मालिक मनोज बडाले सहित मौजूदा निवेशक शेष हिस्सेदारी अपने पास रखेंगे।

नए बोर्ड में लक्ष्मी मित्तल, आदित्य मित्तल, वनीशा मित्तल-भाटिया, अदार पूनावाला और मनोज बडाले शामिल होंगे। मनोज बडाले, जिन्होंने 2008 में मात्र 67 मिलियन डॉलर में टीम खरीदी थी, अब एक सलाहकार की भूमिका में टीम से जुड़े रहेंगे।

इस अधिग्रहण पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए लक्ष्मी एन मित्तल ने कहा कि उन्हें क्रिकेट से बेहद प्यार है और उनका परिवार राजस्थान से जुड़ा है, ऐसे में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बनकर वे बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया कि वे बचपन से क्रिकेट खेलते और इस खेल को देखते आ रहे हैं।

वहीं आदित्य मित्तल ने भी आईपीएल टीम का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी व्यक्त की है जबकि अदार पूनावाला, जिन्होंने

पहले आरसीबी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) के लिए बोली लगाई थी, उन्होंने आदित्य मित्तल के साथ साझेदारी करने पर प्रसन्नता जताई। पूनावाला ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स एक शानदार आईपीएल टीम है और वे इसकी भविष्य की तरक्की में अपना योगदान देने के लिए उत्सुक हैं।

टी20 विश्व कप टीम के लिए टीम चयन से संतुष्ट हैं हरमनप्रीत अमनजोत की कमी खलेगी

मुम्बई ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि आईसीसी टी20 विश्कप के लिए जो टीम उन्हें मिली है। वह अच्छी टीम है और अब उनका लक्ष्य टी20 विश्व कप 2026 जीतना रहेगा। विश्वकप 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में शुरु हो रहा है। हरमनप्रीत ने कहा कि पिछले साल एकदिवसीय विश्वकप में मिली जीत से प्रेरित होकर उनकी टीम इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करेगी। भारतीय टीम ग्रुप ए में है और विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, नीदरलैंड्स और दक्षिण अफ्रीका जैसी काफी अच्छी टीमें भी शामिल हैं।

हरमनप्रीत ने टीम की घोषणा के बाद कहा, मैं निश्चित रूप से इस टीम को जीत का प्रबल दावेदार मानती हूं। आज हमने जिस टीम को चुना है, उसमें चैंपियन बनने की पूरी क्षमता है। किसी पर कोई दबाव नहीं, कोई अति-आत्मविश्वास नहीं। टी20 क्रिकेट का मतलब सिर्फ अच्छा क्रिकेट खेलना है।

इस टीम के चयन में सबसे बड़ी चुनौती ऑलराउंडर अमनजोत कौर की अनुपस्थिति रही, जो पिछले कुछ महीनों से क्रिकेट से दूर हैं। हरमनप्रीत ने कहा कि ये एक बड़ा झटका बताया क्योंकि इस खिलाड़ी का विकल्प तलाशना बेहद कठिन हालांकि, टीम संतुलन बनाए रखने के लिए अनुभवी स्पिनर राधा यादव को टीम में शामिल किया गया है।

राधा ने हाल के महीनों में इंडिया ए टीम के साथ खेलते हुए प्रभावी प्रदर्शन किया था। हरमनप्रीत ने कहा, अमनजोत हमारी एक अहम खिलाड़ी हैं, लेकिन वह अभी उपलब्ध नहीं हैं। वह पिछले 4-5 महीनों से क्रिकेट से दूर हैं। उनकी जैसी खिलाड़ी ढूंढना मुश्किल था पर हम कोशिश कर रहे हैं। हमने राधा को टीम में वापस बुलाया है, वह भी एक ऑलराउंडर हैं।

वहीं इसके अलावा हरलीन देओल के स्थान पर भारती फुलमाली को शामिल किया गया है। टीम ने मध्यक्रम में अधिक आक्रामक बल्लेबाजी के लिए भारती को अवसर दिया है। हरमनप्रीत ने कहा कि टी20 मे मध्यक्रम की जरुरतों को देखते हुए ही भारती को शामिल करना अधिक सही रहेगा। हरलीन हालांकि अभी भी टेस्ट टीम का हिस्सा बनी हुइ हैं।

हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज हारने के बावजूद, कप्तान का ध्यान खेल के महत्वपूर्ण चरणों में अपनी रणनीति को सही ढंग से लागू करने पर है। उन्होंने टी20 में पावरप्ले की भूमिका को अहम बताया, जहाँ बल्लेबाजी करते हुए अधिकतम रन बनाना और गेंदबाजी करते हुए विकेट लेना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, हम पावरप्ले और मिडिल-ओवर्स, दोनों के लिए कड़ी मेहनत करना चाहते हैं, क्योंकि ये भी खेल में बड़ी भूमिका निभाते हैं। हमारे पास एक योजना है और हमने दक्षिण अफ्रीका के दौरे से जो कुछ भी सीखा है, उसे हम यहां लागू करेंगे। हरमनप्रीत ने टीम चयन में निरंतरता बनाए रखने पर भी जोर दिया और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी खिलाड़ियों का समर्थन करते हुए कहा कि वे आगे भी अच्छा प्रदर्शन करती रहेंगी।

अब प्लेऑफ में पहुंचने मुम्बई इंडियंस को खेल से अधिक चमत्कार की जरुरत

मुम्बई ।

आईपीएल के 19 सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली आठ विकेट की करारी हार से मुम्बई इंडियंस की टीम को एक और बड़ा झटका लगा है।

इससे अब टीम के पलेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं भी तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। ऐसे में प्रशंसक ये जानना चाहते हैं कि क्या टीम की अब भी कोई संभावना बची है तो उसका जवाब है कि ये राह बेहद कठिन ओर संशयपूर्ण है।

इस हार के बाद अब टीम को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए किसी चमत्कार और अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भरता की जरूरत है। यह मौजूदा सीजन में मुंबई इंडियंस की नौ मैचों में सातवीं हार थी, जिसने वह अंक तालिका में नौवे स्थान पर फिसल गयी है।

इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, प्लेऑफ के लिए उनका गणितीय समीकरण बेहद कठिन हो गया है। यदि मुंबई इंडियंस अपने बाकी बचे सभी पांचों मैच जीत भी लेती है, तब भी वे लीग चरण में उसके अधिकतम 14 अंकों ही हो पाएंग। ऐसे में आईपीएल के 10-टीम फॉर्मेट में 14 अंक के साथ शीर्ष 4 में जगह बनाना संभव नहीं है। इसलिए, मुंबई को न केवल अपने सभी मैच जीतने होंगे, बल्कि उन्हें यह भी उम्मीद करनी होगी कि कोई अन्य टीम 14 अंकों के साथ बेहतर नेट रन रेट के साथ उनसे आगे न निकले। मुंबई इंडियंस के लिए आने वाले दिन किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं हैं।

उनका अगला मुकाबला 4 मई को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े में लखनऊ सुपरजायंट्स से है, जो उनके लिए 'करो या मरो' की स्थिति है।

यदि वे यह मैच हार जाते हैं, तो वे आधिकारिक तौर पर आईपीएल 2024 प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन सकते हैं। लखनऊ के बाद उनका सफर और भी कठिन होने वाला है। 10 मई को उन्हें मौजूदा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना करना है, जिनसे वे इस सीजन में पहले ही 18 रनों से हार चुके हैं।

इसके बाद, मुंबई को अपने अंतिम तीन मैचों में 14 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ धर्मशाला में, 20 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स में, और 24 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर खेलना है। इन मैचों में कप्तान हार्दिक पंड्या और उनकी टीम जीत पाती है या नहीं ये देखना होगा।

साइ ने राष्ट्रीय शिविर से करीब 40 मुक्केबाजों का नाम हटाया

चयन ट्रायल में भाग नहीं ले सकेंगे

नई दिल्ली । भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने राष्ट्रीय शिविर से करीब 40 मुक्केबाजों के नाम हटा दिये हैं। इससे अब इनके राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए चयन ट्रायल में भाग लेने पर संशया छा गया है। इससे खिलाड़ियों के साथ ही भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएआई) की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। बीएआई की पिछले साल दिसंबर में जारी चयन नीति के अनुसार, 30 मार्च से 5 अप्रैल तक आयोजित चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कप में 20 भार वर्गों (पुरुष और महिला दोनों में 10-10) में शीर्ष दो स्थान हासिल करने वाले कुल 40 मुक्केबाजों को राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया जाना था। वहीं इन मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और विश्व मुक्केबाजी कप दो के लिए भारतीय टीमों के चयन हेतु मूल्यांकन परीक्षणों के लिए पात्र माना गया था। इन सभी खिलाड़ियों ने महासंघ द्वारा तय की गई प्रक्रिया का पालन करते हुए शिविर में अपनी जगह बनायी थी। महासंघ ने माना है कि सूची में 40 नाम नहीं हैं और वे इस मामले को सुलझाने के लिए साइ के साथ लगातार संपर्क में हैं पर अभी तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। इस गंभीर स्थिति के कारण 5 मई को शुरू होने वाली मूल्यांकन प्रक्रिया को एक दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है, और अब यह 6 मई से शुरू होगी। यह देरी सीधे तौर पर इन मुक्केबाजों के भविष्य पर असर डाल रही है, क्योंकि चयन प्रक्रिया की समय-सीमा नजदीक आ रही है। वहीं जिन मुक्केबाजों में से एक ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, हमें बताया गया था कि सीओएएस कप जीतने पर हमें शिविर में जगह मिल जाएगी। पिछले साल भी यही नीति थी, इसलिए मुझे समझ नहीं आ रहा कि समस्या क्या है। चोट के कारण राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाने के बाद, शिविर में शामिल होना और राष्ट्रमंडल व एशियाई खेलों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मेरे लिए एकमात्र तरीका है। यह स्थिति उन एथलीटों के लिए सबसे बड़ी मुश्किले है जिन्होंने इन बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीदें पाल रखी हैं।यह घटना ऐसे समय में हुई है जब राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से 2 अगस्त तक बर्मिंघम, इंग्लैंड में होने वाले हैं, जबकि एशियाई खेल 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के आइची और नागोया में निर्धारित हैं।

सीएसके की जीत के बाद कार्तिक ने धोनी के अंदाज में किया गन सेलिब्रेशन

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से नये खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने आईपीएल के 19 वें सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए मुम्बई इंडियंस के खिलाफ अपनी टीम की आठ विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई है। कार्तिक ने इस मैच में तेजी से खेलते हुए शानदार अर्धशतक लगाया। इस युवा बल्लेबाज ने न केवल अपना पहला आईपीएल अर्धशतक लगाया बल्कि जीत के बाद पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के ही अंदाज में गन सेलिब्रेशन किया। कार्तिक ने 40 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाकर अपनी टीम को जीत के लक्ष्य तक पहुंचाया। अपनी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न उन्होंने एक अनोखे अंदाज में मनाया, जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है। उन्होंने बताया कि यह सेलिब्रेशन उन्होंने पहले से ही सोच रखा था हालांकि, धोनी के इस जेस्चर से प्रेरित होने की अटकलों को इस युवा बल्लेबाज ने खारिज करते हुए कहा कि ये उनका अपना ही अंदाज था। इस बल्लेबाज ने कहा, मैंने पहले ही तय कर लिया था कि अगर आज रन बनाऊंगा तो ऐसे ही जश्न मनाउंगा। उनके अनुसार, यह उनकी कड़ी मेहनत और व्यक्तिगत सफलता का जश्न मनाने का उनका तरीका था, जिसमें किसी और का कोई प्रभाव नहीं था।

विनेश ने राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में बृजभूषण से सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी बोली किसी भी अप्रिय घटना के लिए सरकार होगी जिम्मेदार

नई दिल्ली ।

खेल में वापसी कर रहीं शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाट ने कहा है कि गोंडा में होने वाले आगामी राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट के दौरान वह अपनी और अपनी टीम की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। विनेश के अनुसार वह उन छह महिला पहलवानों में से एक हैं जिन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप में मामला दर्ज कराया था। गोंडा क्षेत्र में बृजभूषण का प्रभाव है और ऐसे में वह उनके या उनकी टीम के खिलाफ कोई किसी प्रकार की साजिश रच सकता है। विनेश ने सरकार को चेताया है कि अगर प्रतियोगिता के दौरान कोई भी अप्रिय घटना घटती है, तो इसके लिए केन्द्र सरकार जिम्मेदार होगी। डेढ़ साल के बाद संन्यास से वापसी कर रही विनेश ने एक वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि गोंडा में बृजभूषण का दबदबा है। उन्होंने आशंका जतायी की बृजभूषण के करीबी व्यक्ति प्रतियोगिता में गड़बड़ी कर परिणामों को बदल सकते हैं, जिसमें रेफरी की नियुक्ति, अंकों का निर्धारण और मैट चेयरमैन का चुनाव जैसी महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। विनेश ने कहा, यह टूर्नामेंट ऐसी जगह आयोजित किया जा रहा है जहां उनका (बृजभूषण का) काफी प्रभाव है। किसी मुकाबले में कौन रेफरी होगा, कितने अंक दिए जाएंगे, मैट चेयरमैन कौन होगा, सब कुछ उनके और उनके लोगों के नियंत्रण में है। विनेश ने कहा, मैं उन छह महिला पहलवानों में से एक हूं जिन्होंने ब्रजभूषण के शिकायत दर्ज कराई है। मामला अभी अदालत में है और गवाहों से पूछताछ चल रही है। उससे जुड़े किसी स्थान पर प्रतिस्पर्धा करना, जहां अधिकतर लोग उससे संबंधित हो सकते हैं, मुझ पर अत्याधिक मानसिक दबाव बनाता है। उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि ऐसे माहौल में वह अपना सौ फीसदी प्रदर्शन कर पाएंगी।

विनेश ने कहा कि वह देश के लिए फिर से पदक जीतना चाहती हैं पर वापसी की इस स्पर्धा में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को लेकर उन्हें संदेह है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी विशेष विशेषाधिकार की अपेक्षा नहीं है, केवल यह चाहती हैं कि परिणाम उनके प्रदर्शन के अनुकूल हों। विनेश ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मीडिया और खेल समुदाय से आयोजन स्थल पर उपस्थित रहने का आग्रह किया। विनेश गोंडा में महिलाओं के 57 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जबकि इससे पहले वह 50 किलोग्राम और 53 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर चुकी हैं।

पांड्या ने माना मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन हर क्षेत्र में खराब रहा

चेन्नई ।मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में मिली हार पर निराशा जतायी है। पांड्या ने ये भी माना है कि इस हार से उनकी टीम की प्लेऑफ की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। सीएसके से मिली 8 विकेट की हार से मुम्बई के अब प्लेऑफ में पहुंचने बचे हुए सभी मैच जीतने के अलावा रन रेट को भी काफी बेहतर बनाना होगा। इसके अलावा अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजरें रखनी होंगी। इस हार के साथ ही मुम्बई अब तक खेले गए नौ मैचों में केवल दो जीत ही पाई है। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, टीम के कप्तान पांड्या ने माना है कि उनकी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। पांड्या ने कहा कि उनकी टीम हर क्षेत्र में सीएसके से पीछे रही। उन्होंने कहा, सीएसके ने हमसे बेहतर गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग की। पांड्या ने हालांकि ये भी दिया कि टीम ने पूरे सत्र में खराब नहीं खेला। उन्होंने कहा कि इस पिच पर 180-190 का स्कोर एक अच्छा प्रतिस्पर्धी लक्ष्य माना जाता पर हमारी टीम शुरुआती ओवरों से ही पिछड़ गयी और पूरे मैच के दौरान दबाव में रही। अभी तक के मैचों में टी के खराब प्रदर्शन को भी ये एक कारण रहा है।वहीं अपनी टीम की रणनीति को सही बताते हुए हार्दिक ने कहा कि उन्होंने उपलब्ध गेंदबाजी विकल्पों के साथ ही योजना बनाई थी पर उस योजना को मैदान पर सही तरीके से अमल में नहीं लाया जा सका। यह एक गंभीर समस्या है, जो न केवल योजना बनाने पर बल्कि उसे निष्पादित करने की टीम की क्षमता पर भी सवाल उठाती है। उन्होंने निराशा के साथ कहा, गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में वे हमसे बेहतर थे। हमने जो विकल्प थे, उसी के साथ गए, लेकिन अमल सही नहीं हो पाया। इस हार ने मुंबई इंडियंस के लिए प्लेऑफ में पहुंचने के गणितीय समीकरण को लगभग असंभव बना दिया है।

एक नजर

कांग्रेस ने गैस सिलेंडर के दामों की वृद्धि के विरोध में किया प्रदर्शन

जगदलपुर : बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर-ग्रामीण के द्वारा शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य के मार्गदर्शन एवं पूर्व विधायक रेखचंद जैन के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकताओं ने भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण देश व प्रदेश में घरेलू-कमर्शियल गैस सिलेंडर के लगातार बढ़ते दामों की वृद्धि के विरोध में आज रविवार को भाजपा सरकार के खिलाफ गोलबाजार चौक में विरोध प्रदर्शन किया।
पूर्व विधायक रेखचंद जैन ने कमर्शियल गैस के सिलेंडर की लगातार बढ़ते दामों की व्याख्या करते हुए बताया कि एक साथ सिलेंडर के भाव में एक हजार रुपए बढ़ने से इसका प्रभाव व्यापक रूप से पढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार पांच सौ रुपए में महिलाओं को घरेलू गैस सिलेंडर देने का वादा किया था, आज तक भाजपा की सरकार ने अपना वादा पूरा नही किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार एक तरफ बड़े-बड़े उद्योगपतियों को करोड़ों रुपए की सब्सिडी दे रही है वहीं गैस सिलेंडर पर सब्सिडी देने देकर राहत पहुंचाने का काम नहीं करती है।

नेपाल के राष्ट्रपति ने संवैधानिक परिषद से संबंधी अध्यादेश सरकार को वापस किया

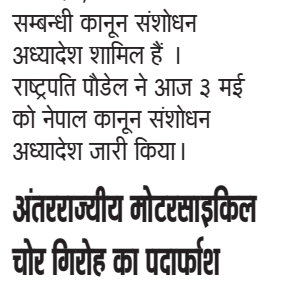

काठमांडू: नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने सरकार की ओर से सिफारिश किए गए 8 विभिन्न अध्यादेशों में से 7 अध्यादेश रविवार अपराह्न तक जारी कर दिए हैं। एक अध्यादेश को पुनर्विचार के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय को वापस भेज दिया है। राष्ट्रपति पौडेल ने सरकार की सिफारिश के आधार पर संविधान की धारा 114 की उपधारा 1 के तहत पिछले चार दिनों में ये अध्यादेश जारी किए हैं। उन्होंने ३० अप्रैल को सार्वजनिक खरीद अध्यादेश और सहकारी अध्यादेश जारी किया। इसी तरह १ मई को संपत्ति शुद्धीकरण (मनी लॉन्ड्रिंग) निवारण (तृतीय संशोधन) अध्यादेश जारी किया। राष्ट्रपति ने २ मई (शनिवार) को एक साथ तीन अध्यादेश जारी किए, जिनमें स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान सम्बन्धी कानून संशोधन अध्यादेश, सार्वजनिक पदाधिकारियों की पदमुक्ति सम्बन्धी विशेष व्यवस्था अध्यादेश, और विश्वविद्यालय सम्बन्धी कानून संशोधन अध्यादेश शामिल हैं । राष्ट्रपति पौडेल ने आज ३ मई को नेपाल कानून संशोधन अध्यादेश जारी किया।

अंतरराज्यीय मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पदार्फाश पंजाब के दो आरोपी गिरफ्तार

सिरसा : पुलिस ने अंतरराज्यीय मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पदार्फाश करते हुए गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 17 चोरीशुदा वाहन भी बरामद किए हैं। पकड़े गए आरोपियों की पहचान पंजाब के फाजिल्का निवासी मनजीत सिंह व मक्खन सिंह के रूप में हुई है। डीएसपी योगेश कटारिया ने रविवार को डबवाली में पत्रकार वार्ता में इसका खुलासा करते हुए बताया कि आरोपियों ने राजस्थान, पंजाब व हरियाणा में कई वारदातों को अंजाम देने की बात कबूल की है।
डीएसपी ने बताया कि डबवाली निवासी विकास कुमार की शिकायत पर पुलिस ने बाइक चोरी का मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान महत्वपूर्ण सुराग जुटाकर पुलिस ने मनजीत सिंह व मक्खन को पंजाब के फाजिल्का क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

मप्र के बरगी क्रूज हादसे में आखिरी शव भी मिला, मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हुई

एजेंसी

जबलपुर : मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में नर्मदा नदी पर बने बरगी बांध में हुए क्रूज हादसे के बाद से चल रहे राहत एवं बचाव कार्य के बीच रविवार को एक और लापता व्यक्ति का शव भी बरामद कर लिया गया। इसके बाद हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है।
बरगी सिटी सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि जबलपुर के बरगी क्रूज हादसे में रविवार सुबह 9.40 बजे कामराज आर. का शव निकाला गया। इससे पहले सुबह करीब 6 बजे उनके 8 साल के भतीजे मयूरन की शव मिला था। वह त्रिची से आया था। हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है।
हादसे के पहले दिन 30 अप्रैल को 4 शव, दूसरे दिन 5, तीसरे दिन 2 और रविवार को चौथे दिन दो शव

मिले। मृतकों में चार बच्चे और आठ महिलाएं शामिल हैं। सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि एहतियात के तौर पर आज दिनभर सर्चिंग अभियान चलाया जाएगा।
गौरतलब है कि बाते गुरुवार को शाम तेज आंधी-तूफान के चलते मप्र टूरिज्म का पर्यटकों से भरा क्रूज बरगी डैम में डूब गया था। क्रूज में करीब 47 पर्यटक सवार थे। जानकारी मिलते ही पुलिस और जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की मदद से शुरूआत दो दिनों में तक चले राहत एवं बचाव अभियान के दौरान 29 लोगों को बचा लिया गया था। कुछेक पर्यटक तैरकर भी किनारे आ गए थे। इस दौरान नौ लोगों के शव बरामद हुए थे। इसके बाद शनिवार (2 मई) शाम 6 बजे दो बच्चों के शव मिले थे।
भारी बारिश और आंधी तूफान की वजह से शनिवार को राहत एवं बचाव कार्य रोक दिया गया था। एनडीआरएफ-एसडीआरएफ के साथ सेना के जवानों ने रविवार सुबह पुनः सर्चिंग शुरू की। इस दौरान सुबह करीब 6 बजे घटना स्थल से कुछ दूर पर एक और बच्चे का शव मिला है। मृतक का नाम मयूरन है, जो कि त्रिची का रहने वाला था। इसके बाद सुबह 9.40 बजे कामराज आर. का शव भी बरामद कर लिया गया।
इस हादसे में कुल 13 लोगों की मौत हुई है। मृतकों में नीतू सोनी (43) निवासी कोतवाली, जबलपुर, सौभाग्यम अलागन (42) निवासी अन्नानगर, वेस्ट तारापुरम, तमिलनाडु, मधुर मैसी (62) निवासी खाजन बस्ती, नई दिल्ली, काकुलाझी (38) पत्नी कामराज निवासी वेस्ट लैंड खमरिया, जबलपुर, रेशमा सैयद (66) निवासी सिविल लाइन, भसीन आर्केड, जैक्सन होटल के पास, शमीम नकवी (68), निवासी डेरखी, भोपाल, मरीना मैसी (39) पत्नी प्रदीप मैसी निवासी दिल्ली, त्रिशान (4 वर्ष) पुत्र प्रदीप मैसी निवासी दिल्ली और ज्योति सेन, निवासी फूटाताल, घमापुर के आगे जबलपुर, श्रीतमिल (5) पुत्र कामराज निवासी जबलपुर और विराज (5) पुत्र कृष्ण सोनी, मयूरम (9 वर्ष) पुत्र परिमल निवासी त्रिची-तमिलनाडु और कामराज आर. पुत्र श्रीरामालिंगम निवासी जबलपुर शामिल हैं। बरगी सिटी सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि बरगी क्रूज हादसे में जान गंवाने वाले तमिलनाडु के पर्यटकों के शव उनके गृह राज्य भेजे जा रहे हैं। जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट से कार्गो विमान के जरिए शवों को त्रिची रवाना किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

केंद्र ने अंतरराष्ट्रीय सूर्य दिवस पर 'रन फॉर सन' मैराथन की आयोजित

नई दिल्ली : केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय सूर्य दिवस के अवसर पर रविवार को 'रन फॉर सन' मैराथन का आयोजन किया। इस दौरान अप्रैल में 2.7 लाख रूफटॉप सौर संयंत्र स्थापित करने की उपलब्धि का भी उत्सव मनाया गया। मंत्रालय के अनुसार, यहां मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित इस मैराथन में 2 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर मंत्रालय के सचिव संतोष कुमार सारंगी ने कहा कि 'रन फॉर सन' केवल एक मैराथन नहीं, बल्कि सतत और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सामूहिक प्रयास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के विस्तार के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा का लाभ प्रत्येक घर तक पहुंचाने पर सरकार का विशेष जोर है। मंत्रालय ने बताया कि यह उपलब्धि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत हासिल की गई है। इस योजना के अंतर्गत अब तक 30 लाख से अधिक रूफटॉप सौर संयंत्र लगाए जा चुके हैं, जिससे देशभर में 45 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं। कार्यक्रम के दौरान देश की सौर ऊर्जा क्षमता में हुई वृद्धि को भी रेखांकित किया गया। 31 मार्च तक भारत की कुल सौर क्षमता 150 गीगावाट तक पहुंच गई है, जो वर्ष 2014 में 2.82 गीगावाट थी। इस प्रकार पिछले वर्षों में सौर ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। मंत्रालय ने बताया कि देश की कुल स्थापित विद्युत क्षमता का लगभग 50 प्रतिशत अब गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से आ रहा है, जो वर्ष 2030 के लक्ष्य से पहले ही हासिल कर लिया गया है। भारत वर्तमान में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में विश्व में तीसरे स्थान पर है। यह कार्यक्रम देश में सौर ऊर्जा के प्रसार और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

जमैका दौरे पर किंग्स्टन पहुंचे विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर शीर्ष नेतृत्व और भारतीय समुदाय से करेंगे मुलाकात

किंग्स्टन : विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर जमैका की राजधानी किंग्स्टन पहुंच गए, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने जमैका की विदेश मंत्री कामिना जॉनसन स्मिथ के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि वह जमैका की अपनी पहली यात्रा पर मिले स्वागत से अभिभूत हैं। अगले दो दिनों में वह जमैका के शीर्ष नेतृत्व, व्यापारिक समुदाय और भारतीय मूल के लोगों से संवाद करेंगे। किंग्स्टन में उनके आगमन पर भारतीय मूल के लोगों और बच्चों ने विशेष रूप से उनका स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि विदेशमंत्री का यह दो दिनों का दौरा है, जिसके दौरान विदेश मंत्री जमैका के वरिष्ठ नेताओं, व्यापारिक प्रतिनिधियों और भारतीय समुदाय से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा व्यापक कैरेबियाई दौरे का हिस्सा है। डॉ. जयशंकर जमैका के अलावा सूरीनाम तथा त्रिनिदाद और टोबैगो की भी आधिकारिक यात्रा पर हैं। यह दौरा 10 मई तक चलेगा। इस दौरान विदेश मंत्री तीनों देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात करेंगे। इन बैठकों में द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं के साथ-साथ पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा होगी।

टॉप 10 में शामिल 4 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.20 लाख करोड़ से अधिक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल छह कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई, जबकि चार कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई। शीर्ष स्थान पर मौजूद इन दस कंपनियों में से छह के मार्केट कैप में सोमवार से गुरुवार तक के कारोबार के बाद 1.24 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान आईसीआईसीआई बैंक को हुआ, जबकि देश में सार्वजनिक क्षेत्र का सबसे बड़ा बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) नुकसान उठाने के मामले में दूसरे स्थान पर रहा। दूसरी ओर, टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल कंपनियों में शेष बची चार कंपनियों के मार्केट कैप में पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद 2.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक का उछाल आ गया। मार्केट कैप में बढ़ोतरी हासिल करने वाली यानी फायदा उठाने वाली चारों कंपनियों में देश में सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज रही, जबकि मार्केट कैप में बढ़ोतरी के मामले में दूसरे स्थान पर भारतीय एयरटेल रही। इस सप्ताह के कारोबार के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में 2,20,161.46 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और लार्सन एंड टूब्रो के मार्केट कैप में 1,24,060.61 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई।
सोमवार से गुरुवार के बीच हुए कारोबार के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,39,655.80 करोड़ रुपये बढ़ कर 19,36,303.30 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 43,503.51 करोड़ रुपये उछल कर 11,49,222.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 27,569.83 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 8,94,933.95 करोड़ रुपये के स्तर पर और बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 9,432.32 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 5,83,123.13 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंचा हुआ नजर आया। दूसरी ओर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 45,364.62 करोड़ रुपये कम होकर 9,04,980.78 करोड़ रुपये के स्तर तक आ गया।

कौशांबी में मिट्टी का टीला ढहने से मां-बेटी समेत तीन की मौत

एजेंसी

कौशांबी : उत्तर प्रदेश में जनपद कौशांबी के मंझनपुर थाना क्षेत्र में रविवार को खुदाई के दौरान मिट्टी का टीला ढहने से उसके मलबे में छह से अधिक लोग दब गए। जब तक ग्रामीणों ने सभी को निकालकर अस्पताल पहुंचाया तब तक मां-बेटी सहित तीन लोगों की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने घटना की जांच पड़ताल की। सीओ सदर शिवांक सिंह ने बताया कि कौशाम्बी जनपद के मंझनपुर तहसील अंतर्गत चाकथामा गांव की कुछ महिलाएं रविवार को अपने मकान और चुल्हे की पुताई के लिए गांव के पास बने तालाब में मिट्टी की खुदाई करने गई थी। खोदते समय मिट्टी का एक बड़ा हिस्सा भरभराकर

गिर गया, जिसमें कई लोग दब गए। चीख-पुकार मचते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू कर सभी लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया है। अन्य को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। सीओ ने बताया कि इस घटना में गांव के रहने वाली गीता देवी (35) उसकी बेटी अंकिता (6) और पड़ोसी महिला उत्तरा देवी (55) की मौत हो गई है।

हिंदू संस्कृति में प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना नहीं : हर्षवर्धन त्रिपाठी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

उदयपुर : वरिष्ठ पत्रकार हर्षवर्धन त्रिपाठी ने कहा कि हिंदू संस्कृति और सभ्यता में प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। सनातन परंपरा में नदी, वृक्ष और पर्यावरण के प्रत्येक अंग को पूजनीय मानकर जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का धर्म भी केवल सूचना देना नहीं, बल्कि समाज को संतुलित दृष्टि देना है, जिसमें विकास और पर्यावरण संरक्षण दोनों का समन्वय आवश्यक है।
वे रविवार को विश्व संवाद केंद्र चित्तौड़ प्रांत की ओर से सुखाड़िया विश्वविद्यालय के बप्पा रावल सभागार में आयोजित देवर्षि नारद जयंती एवं प्रांत स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पत्रकार को दरबारी नहीं, बल्कि सत्य का पक्षधर होना चाहिए। बदलते भारत की सटीक तस्वीर प्रस्तुत करना भी पत्रकारिता का महत्वपूर्ण दायित्व है। त्रिपाठी ने देश की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि कोविड महामारी और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भारत ने मजबूत प्रगति की है। सड़क, रेल और हवाई परिवहन के क्षेत्र में तेजी से विस्तार हुआ है, जिससे समय और ईंधन की बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिला है। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं के विरोध के पीछे छिपे पहलुओं को भी पत्रकारों को समझकर जनता तक पहुंचाना चाहिए। समारोह में मुख्य अतिथि महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर के कुलगुरु प्रो. सुरेश अग्रवाल ने कहा कि पत्रकारों को नारदजी की तरह निर्भीक होकर सत्य कहना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. महावीर कुमावत ने सामाजिक समरसता को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया।
कार्यक्रम में पांच श्रेणियों में उत्कृष्ट पत्रकारों को देवर्षि नारद सम्मान प्रदान किए गए। प्रांत के 13 जिलों से प्राप्त 132 प्रविष्टियों में से चयनित पत्रकारों को स्मृति चिन्ह, पुस्तक और 21-21 हजार रुपए की सम्मान राशि दी गई।

भारत-कंबोडिया द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास 'सिनबैक्स' के लिए भारतीय दल रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली : द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास 'सिनबैक्स' के लिए भारतीय सेना का दल कंबोडिया रवाना हो गया है। यह अभ्यास 04 से 17 मई तक कंबोडिया साम्राज्य के कम्पोंग स्पेयू प्रांत स्थित टेको सेन फनोम थॉम ग्रीस प्रॉव रॉयल कंबोडियन एयर फोर्स प्रशिक्षण केंद्र (कैंप बेसिल) में होगा। भारत के रक्षा सहयोग के अंतर्गत कंबोडिया के साथ यह द्विपक्षीय अभ्यास 'सिनबैक्स-द्वितीय' वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के बदलते परिदृश्य के संदर्भ में महत्वपूर्ण है।
रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह अभ्यास संयुक्त राष्ट्र के अधिदेश के अध्याय VII के ढांचे के अंतर्गत होगा, जिसमें उप-पारंपरिक वातावरण में अभियानों के संचालन

का संयुक्त प्रशिक्षण प्रदर्शन किया जाएगा। भारतीय सेना के दल में 120 सैन्य कर्मी हैं, जिनमें अधिकांश मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट की एक बटालियन से हैं। कंबोडियाई दल 160 कार्मिकों का है, जो रॉयल कंबोडियन आर्मी से हैं। यह संयुक्त अभ्यास उन आतंकवाद-रोधी अभियानों की वर्तमान कार्य-प्रक्रिया के अनुरूप होगा, जिनका सामना संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों के दौरान शांति-रक्षक बल करते हैं।
इस द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास के उद्देश्य की प्राप्ति विभिन्न व्यावहारिक एवं व्यापक विचार-विमर्शों तथा सामरिक अभ्यासों के माध्यम से की जाएगी। अभ्यास के अंतर्गत ड्रोन संचालन, मोर्टार तथा स्नाइपर रणनीतियों सहित विशेष कौशल प्रशिक्षण भी होगा। इसका मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के दलों के बीच अंतर-संचालन क्षमता, समन्वय तथा परिचालन तालमेल को सुदृढ़ करना है। यह अभ्यास न केवल वैश्विक शांति बनाए रखने के प्रति दोनों देशों की क्षमता को प्रदर्शित करेगा, बल्कि अर्ध-शहरी परिदृश्य में शत्रुतापूर्ण बलों के विरुद्ध विभिन्न अभियानों के दौरान प्राप्त परिचालन अनुभवों के आदान-प्रदान और सर्वोत्तम पद्धतियां साझा करने को भी प्रोत्साहित करेगा।

पीएमजीएसवाई के तहत निर्मित कई महत्वपूर्ण सड़क और पुल परियोजनाओं का उद्घाटन

इटानगर : अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चोवना मीन ने लोहित जिला के वाक्रो सर्कल में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्मित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़क और पुल परियोजनाओं की एक श्रृंखला का उद्घाटन किया। राज्य सरकार की ओर से रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में बताया गया है कि उपमुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल विकास मंत्री दासंगलू पुल और तेजू विधायक डॉ. महेश चाई के साथ मिलकर बीते शनिवार को कहरे-तिल्लई सड़क पर बने 193.05 मीटर लंबे कामफाई पुल का उद्घाटन किया। यह पुल अरुणाचल प्रदेश में पीएमजीएसवाई के तहत निर्मित सबसे लंबा पुल है। उन्नत तकनीक का उपयोग कर निर्मित यह परियोजना, तिल्लई, कंबन, तुम्बा और कथान जैसे काठन बेल्ट गांवों तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार करता है।

मप्र के विकास का मजबूत आधार बनेगी इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर परियोजना : मंत्री विजयवर्गीय

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर परियोजना देश की सर्वश्रेष्ठ योजनाओं में शामिल होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विशेष प्रयासों से आकार ले रही यह परियोजना प्रदेश के विकास का मजबूत आधार बनेगी। यह कॉरिडोर प्रदेश के विकास को नई दिशा देगा और औद्योगिक विस्तार का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।
मंत्री विजयवर्गीय रविवार को इंदौर जिले में ग्राम नैनोद में इन्दौर-उज्जैन मेट्रोपोलिटन एरिया की अत्यंत

महत्वपूर्ण परियोजना के तहत 2360 करोड़ की लागत से विकसित होने वाले इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के पहले चरण के कार्यों का भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कॉरिडोर का भूमि पूजन किया।
मंत्री विजयवर्गीय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि औद्योगिकीकरण के लिए सरकार ने हमेशा किसानों के हितों को सर्वोपरि रखा है। किसानों को उनकी संतुष्टि के अनुसार उचित मुआवजा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसान देश का अन्नदाता है और उसकी जमीन के बदले ऐसा मुआवजा मिलना चाहिए कि वह बेहतर विकल्प प्राप्त कर सके। इस योजना के तहत लाभान्वित किसानों को इतना लाभ मिला है कि वे आर्थिक रूप से सशक्त हुए हैं। मंत्री विजयवर्गीय ने बताया कि इस कॉरिडोर से न केवल औद्योगिक विकास होगा, बल्कि लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। आईटी सेक्टर के साथ ग्रीन इंडस्ट्री का भी विस्तार होगा। यह कॉरिडोर पीथमपुर तक विकसित होगा और एक नया विकसित इंदौर आकार लेगा। यह कॉरिडोर गुजरात और मुंबई से बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जिससे व्यापार और परिवहन को नई गति मिलेगी। उन्होंने परियोजना से जुड़े सभी हितधारकों, प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की सराहना की और आभार व्यक्त किया।

कॉरिडोर बनेगा प्रगति और रोजगार का नया आधार : मंत्री सिलावट

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि यह परियोजना देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश तेजी से विकास की ओर अग्रसर है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902